@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 16 सितंम्बर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 307 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

युवा बनेंगे 'विकसित दिल्ली' के एम्बेसडर: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 15 सितंबर। दिल्ली की रेखा सरकार ने युवाओं के लिए एक ऐतिहासिक व विशेष कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल 'विकसित दिल्ली मुख्यमंत्री इंटर्नशिप कार्यक्रम' योजना की शुरुआत की। राजधानी दिल्ली के शासकीय इतिहास मे ऐसा पहली बार हुआ है, जब दिल्ली सरकार ने युवाओं को सीधे शासन और नीति-निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ने का मंच प्रदान किया है। मुख्यमंत्री का कहना है कि इस योजना से युवाओं को राजधानी का भविष्य गढ़ने में अपनी भूमिका मजबूत करने का अवसर मिलेगा। दिल्ली सचिवालय में आज एक विशेष कार्यक्रम में दिल्ली के कॉलेजों से जुड़े प्रतिभाशाली युवाओं को इंटर्नशिप ऑफर लेटर वितरित किए गए। यह इंटर्न्स तीन महीनों तक दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों, वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न परियोजनाओं पर प्रत्यक्ष कार्य करेंगे। यह इंटर्नशिप युवाओं को शासन की चुनौतियों से परिचित कराएगी और उन्हें समाधानकारी सोच विकसित करने का मंच देगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गप्ता ने कहा कि यह हमारे लिए बेहद खुशी का अवसर है कि पहली बार दिल्ली सरकार के इतिहास में इस तरह की इंटर्नशिप का आयोजन हो रहा है, जहां नॉन-पॉलिटिकल ब्रेन्स को सिस्टम का हिस्सा बनाया जा रहा है। हमारे युवाओं से मिले नए विचार, नई तकनीक और नया विजन सरकार के लिए प्रेरणा और बदलाव का जरिया बनेंगे। मुख्यमंत्री के अनुसार वह हमेशा मानती हैं कि आज के युवा, कल के नेता है और उनकी सोच सरकारी सिस्टम में नई ऊर्जा का संचार कर सकती है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह इंटर्नशिप केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि दिल्ली के भविष्य का सह-निर्माण है। यह साझेदारी सरकार को सिर्फ सिखाने का नहीं, बल्कि सरकार को युवाओं से सीखने का भी अवसर प्रदान करेगी।

शेष पृष्ठ 3 पर

पूरे वफ कानून पर रोक नहीं, 3 बदलावों पर स्टे

▶▶ सेंट्रल वक्फ बोर्ड में 4 और राज्य में 3 से ज्यादा गैर-मुस्लिम मेंबर बनाने पर रोक

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने सोमवार को कानून में किए गए 3 बड़े बदलावों पर अंतिम फैसला आने तक स्टे लगा दिया। इनमें वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति का नियम शामिल है। CJI बीआर गवई और जस्टिस अगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि केंद्रीय वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम मेंबर्स की संख्या 4 और राज्यों के वक्फ बोर्ड में 3 से ज्यादा न हो। सरकारें कोशिश करें कि बोर्ड में नियुक्त किए जाने वाले सरकारी मेंबर्स भी मुस्लिम कम्युनिटी से ही हों। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दाखिल 5 याचिकाओं पर 20 से 22 मई तक लगातार 3 दिन सुनवाई की थी। 22 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिमों की भागीदारी पर सुप्रीम कोर्ट ने प्रावधानों पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन कुछ सीमाएं तय कीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्रीय वक्फ बोर्ड में (20 में से) अधिकतम 4 और राज्य वक्फ बोर्ड में (11 में से) अधिकतम 3 गैर-मुस्लिम सदस्य ही रख सकते हैं। पहले इसमें अधिकतम सीमा तय नहीं थी।

जयराम रमेश ने कहा- सवैधानिक मूल्यों की जीत

एजेंसी
नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यह उन सभी सदस्यों की जीत है, जिन्होंने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में विस्तृत असहमति नोट दर्ज कराए थे। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर आज सुप्रीम कोर्ट का आदेश न केवल उन दलों के लिए एक बड़ी जीत है जिन्होंने संसद में इस मनमाने कानून का विरोध किया था, बल्कि संयुक्त संसदीय समिति के उन सभी सदस्यों के लिए भी जिन्होंने विस्तृत असहमति पत्र प्रस्तुत किए थे, जिन्हें तब नजरअंदाज कर दिया गया था, लेकिन अब वे सही साबित हुए हैं। यह आदेश इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मूल कानून में निहित शरारती इरादों को दूर करने में काफी मददगार साबित होगा।' उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के वकीलों ने तर्क दिया था कि इस कानून के परिणामस्वरूप एक ऐसा ढांचा तैयार होगा जहां कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के समक्ष संपत्ति की स्थिति को चुनौती दे सकेगा।

वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भाजपा ने किया स्वागत

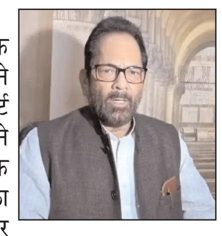

एजेंसी
नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने वक्फ संशोधन कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। नकवी ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि संसद द्वारा पारित वक्फ व्यवस्था में सुधार का निर्णय विशुद्ध रूप से आस्था की रक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था के सुधार के लिए है, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि कुछ भ्रष्ट लॉबी लूट के लाइसेंस का लीगल छूट चाहती हैं। इसीलिए वे हंगामा और काल्पनिक भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने वक्फ की पूरी व्यवस्था को आसमानी किताब बना दिया था जिसे छूना मना था।नकवी ने कहा कि वक्फ बोर्ड को निशाना बनाने वाले वे लोग हैं जो अपनी स्वार्थ के लिए कानूनी छूट चाहते हैं। वे वक्फ बोर्ड में हुए सुधारों को बाधित करना चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट को संवैधानिक दृष्टिकोण से हर कार्य की जांच करने का अधिकार है। सरकार अपना पक्ष रख रही है। वक्फ कानून प्रशासनिक सुधार और धार्मिक आस्था के संरक्षण की गारंटी के लिए है। इसमें कोई संशय नहीं है।

रिजिजू ने बताया- आखिर क्यों हुआ भारत-पाकिस्तान मैच?

कार्ति चिदंबरम ने भी किया मुकाबले का समर्थन

एजेंसी
गांधीनगर। भारतीय क्रिकेट टीम ने रविवार को दुबई में एशिया कप के दौरान हुए मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की। जीत के बाद भारत के खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के अपने समकक्षों से पारंपरिक हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। इस बीच सरकार ने एक बार फिर बताया है कि आखिर क्यों एशिया कप में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला तय कार्यक्रम के हिसाब से हुआ। दरअसल, शिवसेना-कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने मैच का बहिष्कार करने का आह्वान किया था और मैच की अनुमति देने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की थी। हालांकि, कर्नाटक में कांग्रेस के ही विधायक इस मामले में पार्टी से अलग हटकर बनाया दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेल और राजनीति को एक साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए। हमें अपने प्रतिद्वंदी या टूर्नामेंट में खेलने वाली टीम चुनने का अधिकार नहीं है।

किरेन रिजिजू ने क्या कहा?

वहीं, भारत बनाम पाकिस्तान मैच पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, '... जहां तक इस क्रिकेट मैच का सवाल है, यह भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय खेल नहीं है। अगर भारत एशिया कप में नहीं खेलता है, तो भारत बाहर हो जाएगा। ओलंपिक और एशिया कप पाकिस्तान के लिए नहीं हैं। यह पूरी दुनिया के लिए है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच नहीं खेला है। पाकिस्तान में कोई द्विपक्षीय मैच नहीं खेला गया है। पाकिस्तान को अलग से आमंत्रित नहीं किया गया है। अगर हम किसी देश के साथ अपनी दुश्मनी के कारण ओलंपिक में नहीं जाते हैं, तो नुकसान किसे होगा? इसलिए इसे समझना होगा। भावना सही है, लेकिन भावना के पीछे तर्कसंगत सोच होनी चाहिए। भारत पाकिस्तान के साथ अलग से कोई द्विपक्षीय मैच नहीं खेल रहा है, लेकिन ओलंपिक, एशियाई खेल, एशियाई चैम्पियनशिप, विश्व कप और एशिया कप जैसे टूर्नामेंट बहुराष्ट्रीय, बहुपक्षीय हैं, सभी देश एक साथ खेलते हैं, पाकिस्तान और भारत के बीच कोई अलग खेल नहीं है।'

कार्ति चिदंबरम ने या कहा?

बीते दिन एशिया कप के मैच के दौरान भारतीय क्रिकेटरों की ओर से पाकिस्तानी क्रिकेटरों से हाथ मिलाने से इनकार करने पर कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'मेरा व्यक्तिगत रूप से मानना है कि खेल और राजनीति को एक साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए। हमें अपने प्रतिद्वंदी या टूर्नामेंट में खेलने वाली टीम चुनने का अधिकार नहीं है। एक बार जब हम किसी टूर्नामेंट में प्रवेश कर जाते हैं, तो हम उस टीम के साथ खेलने के लिए बाध्य होते हैं, जिसके खिलाफ हमें चुना जाता है। यह बात सिर्फ क्रिकेट के लिए ही नहीं, बल्कि सभी खेलों के लिए सच है।'

भारत में देश का कानून चलेगा, घुसपैठियों की मनमानी नहीं - पीएम मोदी

'कान खोलकर सुन लो, हर घुसपैठिए को देश से बाहर जाना होगा'

एजेंसी
पूर्णिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में रह रहे घुसपैठियों और उनके समर्थकों को साफ चेतावनी दी कि भारत में कानून का राज चलेगा, घुसपैठियों की मनमानी नहीं। सीमांचल के पूर्णिया में सोमवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस और राजद पर घुसपैठियों को बचाने का आरोप लगाया।प्रधानमंत्री मोदी ने राजद और कांग्रेस पर जुबानी हमला करते हुए कहा, 'कान खोलकर सुन लो, हर घुसपैठिए को देश से बाहर जाना होगा। घुसपैठ पर रोक लगाना एनडीए की पक्की जिम्मेदारी है। जो घुसपैठियों को बचा रहे हैं, मैं उन्हें चुनौती देता हूं, चाहे जितनी ताकत लगा लो, घुसपैठियों को जाना ही होगा। उन पर कार्रवाई होगी और देश इसके सकारात्मक परिणाम देखेगा।'

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद ने बिहार के सम्मान और सुरक्षा को खतरे में डाला है। सीमांचल और पूर्वी भारत में घुसपैठियों के कारण डेमोग्राफिक संकट पैदा हो गया है। बिहार, बंगाल, असम सहित कई राज्यों में लोग अपनी बहन-बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। इसीलिए मैंने लाल किले से डेमोग्राफी मिशन का ऐलान किया है।

पीएम मोदी ने कहा कि वोट बैंक की खातिर कांग्रेस, राजद और उनका इकोसिस्टम घुसपैठियों की पैरवी और उन्हें बचाने में जुटा है। ये लोग बेशर्मी से विदेशी घुसपैठियों के समर्थन में नारे लगाते और यात्राएं निकालते हैं, जिससे बिहार और देश की सुरक्षा व संसाधनों को खतरे में डाला जा रहा है। उन्होंने राजद के शासनकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय माताएं-बहनें डरी और परेशान थीं। लेकिन आज डबल इंजन की सरकार में वे लखपति दीदी और ड्रोन दीदी बन रही हैं। जीविका दीदी आज पूरे देश के लिए प्रेरणा हैं। कांग्रेस और राजद पर तंज कसते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इन दलों को सिर्फ अपने परिवार की चिंता है, वे जनता की फिक्र नहीं करते। लेकिन हमारे लिए जनता ही परिवार है। यही कारण है कि मोदी कहता है- सबका साथ, सबका विकास।मखाना बोर्ड पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैंने बिहार के लोगों से राष्ट्रीय मखाना बोर्ड बनाने का वादा किया था। केंद्र सरकार ने इसके गठन के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। मखाना किसानों को बेहतर कीमत सुनिश्चित करने के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ाया जाएगा। मखाना क्षेत्र के विकास के लिए हमारी सरकार ने लगभग 475 करोड़ रुपए की योजनाओं को मंजूरी दी है।

मॉरीशस के प्रधानमंत्री को धामी ने दी विदाई

एजेंसी
देहरादून। मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ नवीनचंद्र रामगुलाम अपना उत्तराखंड का चार दिवसीय प्रवास पूरा कर आज स्वदेश लौट गये हैं। उत्तराखंड से प्रस्थान से पूर्व जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उनसे मुलाकात कर उन्हें विदाई दी। इस मौके पर मुख्यमंत्री धामी ने उन्हें चारधाम का पावन प्रसाद व प्रदेश के अंब्रेला ब्रांड 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के उत्पाद स्मृति स्वरूप भेंट किए। इस मौके पर मॉरीशस केप्रधानमंत्री डॉ रामगुलाम ने उत्तराखंड की आतिथ्य परंपरा की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत की पताका पूरे विश्व में लहरा रही है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री की यह यात्रा निश्चित ही भारत और मॉरीशस के मध्य सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ एवं सुदृढ़ करेगी।

पंजाब बाढ़ प्रभावित इलाकों के दौरे पर पहुंचे राहुल गांधी, गुरुद्वारे में टेका मत्था

● नवजोत कौर ने सरकार पर उठाए सवाल

एजेंसी
अमृतसर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पंजाब में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने पहुंचे हैं। अमृतसर में गुरु रामदास जी एयरपोर्ट पर कांग्रेस इकाई के नेताओं ने राहुल गांधी का स्वागत किया। अमृतसर पहुंचने पर राहुल गांधी ने पंजाब कांग्रेस के पूरे नेतृत्व के साथ अमृतसर स्थित गुरुद्वारा श्री समाध बाबा बुड्ढा साहिब जी में मत्था टेका और सभी के कल्याण की कामना की। इस अवसर पर पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और अन्य नेता भी उपस्थित थे।

राहुल गांधी के स्वागत के बाद कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक नवजोत कौर सिद्धू ने कहा, 'राहुल गांधी हमारे लिए सबसे बड़े नेता हैं। उनका हमेशा एक ही संदेश रहा है कि 'सेवा करो और सेवा करते रहो।'यह एक बहुत ही सकारात्मक सोच है, जो जमीनी स्तर पर लोगों में उम्मीद जगाती है।' राहुल गांधी के दौरे के बीच नवजोत सिंह सिद्धू की गैरमौजूदगी पर उन्होंने कहा, 'नवजोत सिंह सिद्धू पहले से ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की मदद के लिए प्रतिबद्ध हैं। जो भी धनराशि आ रही है, उसे सिर्फ जनता की भलाई के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।' इस दौरान, नवजोत कौर ने राजनीति से ऊपर उठकर पंजाब के हित में काम करने की अपील की। पंजाब में बाढ़ को लेकर नवजोत कौर सिद्धू ने राज्य की आम आदमी पार्टी सरकार पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'बाढ़ को लेकर राज्य सरकार की क्या तैयारियां थीं? राज्य में डिजास्टर मैनेजमेंट के दफ्तरों का हाल दिखाएं। सरकार के पास हमेशा एक ही जवाब होता है, पैसे नहीं हैं। यह सोचते हैं कि लोग पैसे इकट्ठे करेंगे और दे देंगे।

मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बने न्यायमूर्ति एम. सुंदर

इंफाल। न्यायमूर्ति एम. सुंदर ने सोमवार को मणिपुर उच्च न्यायालय के दसवें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राजभवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने उन्हें पद एवं गोपनियता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर राजनीतिक नेता, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश तथा विभिन्न बार संघों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। न्यायमूर्ति एम. सुंदर की नियुक्ति 13 सितंबर को की गई थी। वे सेवानिवृत्त हुए न्यायमूर्ति के. सोमशेखर के उत्तराधिकारी बने हैं। इससे पहले न्यायमूर्ति सुंदर मद्रास उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे।

रामलीला राजधानी की सांस्कृतिक धरोहर, आयोजकों और श्रद्धालुओं को न हो कोई असुविधा: रविन्द्र इन्द्राज

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली- 15 सितम्बर। समाज कल्याण मंत्री और दिल्ली सरकार की रामलीला समिति के अध्यक्ष रविन्द्र इन्द्राज सिंह एवं समिति सदस्यों ने सोमवार को सचिवालय में सभी जिलों के डीएम, एमसीडी, डीडीए, पीडब्ल्यूडी, पुलिस और फायर विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में आगामी रामलीला आयोजनों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। रविन्द्र इन्द्राज ने आयोजन को सेवा पखवा? के दौरान होने वाले कार्यक्रमों से जो?कर जनसहयोग से सफल बनाने के निर्देश दिए। समाज कल्याण मंत्री ने बैठक में प्रत्येक जिले में सक्रिय रामलीला समितियों की सूची शीघ्र उपलब्ध कराने और सभी आवश्यक अनुमतियों को समयबद्ध तरीके से जारी करने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम को पूरी तरह तैयार करने के निर्देश दिए। बीते वर्षों में प्राप्त शिकायतों का संज्ञान लेते हुए इस वर्ष विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक में इन्द्राज ने आयोजकों से जु?ी सभी रियायतों को लेकर, माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के द्वारा दिए गये सभी निर्देशों को लागू करने के लिए कहा। साथ ही बैठक में पिछले वर्षों के सिक्योरिटी रिफंड बकाया होने की शिकायतों पर श्री रविन्द्र इन्द्राज ने निर्देश दिए कि, उनके भुगतान की प्रक्रिया पूरी करें। साथ ही आगे से यह समस्या आयोजकों को न हो, इसके लिए एसओपी बनाकर तय समय में सिक्योरिटी रिफंड सुनिश्चित करें। समाज कल्याण मंत्री ने रामलीला आयोजन की मंजूरी के साथ झूलों एवं अन्य मनोरंजन साधनों की मंजूरी प्रक्रिया में भी समन्वय बनाकर सहयोग करने के निर्देश सभी डीएम को दिए। कैबिनेट मंत्री ने आयोजन स्थलों पर सफाई, फॉगिंग, अस्थायी शौचालय, कचरा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाएं, फायर ब्रिगेड, पुलिस एवं ट्रैफिक प्रबंधन की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही आयोजन स्थल के मार्ग में स?कों में यदि मरम्मत की आवश्यकता हो तो यह कार्य, तत्काल करने के निर्देश दिये। कैबिनेट मंत्री ने नशा मुक्त भारत अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सभी डीएम को निर्देश दिया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए वीडियो संदेशों और बैनरों को रामलीला स्थलों पर स्क्रीनिंग किया जाए और नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया जाए। इन्द्राज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन से शुरू हो रहे सेवा पखवाड़ा के स्वच्छता अभियान और अन्य सामाजिक कार्यों को रामलीला आयोजनों से जोड़ने के निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री ने निर्देश दिया कि रामलीला कार्यक्रमों में वोकल फॉर लोकल, स्वच्छता, जल संरक्षण और हरित दिल्ली जैसे जन-संदेशों का व्यापक प्रसार सुनिश्चित किया जाए। इन्द्राज ने कहा कि दिल्ली की ऐतिहासिक रामलीला परंपरा राजधानी की सांस्कृतिक धरोहर है। इसमें आयोजकों और श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करें।

जम्मू-कश्मीर में बारिश से हाईवे ठप, हजारों ट्रक फंसे, ड्राइवरों ने उठाई बुनियादी सुविधाओं की मांग

एजेंसी
जम्मू। जम्मू-कश्मीर में पिछले 15 दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने राष्ट्रीय राजमार्ग को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। इस कारण हजारों ट्रक हाईवे पर कतार में फंसे हुए हैं और ड्राइवरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समाचार एजेंसी से बातचीत में एक ड्राइवर ने बताया, ञ्चपिछले 15 दिनों से हमें हाईवे की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी जा रही है। हमारे पास जो थोड़ा-बहुत पैसा और राशन था, वह खत्म हो चुका है।' ड्राइवरों ने शिकायत की कि हाईवे पर शौचालय, पानी और अन्य बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। एक ड्राइवर ने कहा, 'जो कपड़े हमने 15 दिन पहले पहने थे, अब भी वही पहन रहे हैं। हम उम्मीद कर रहे हैं कि प्रशासन जल्द ही हाईवे को ठीक करेगा, ताकि हम सामान्य जीवन जी सकें।'

भारत और अमेरिका के बीच पर्दे के पीछे जारी हैं बातचीत

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच क्या बात बनेगी। ट्रंप के टैरिफ के बाद से ही दोनों देशों के रिश्ते तल्ख हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब तक भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगा चुके हैं। यह ऐसा मुद्दा बन गया है जो दोनों देशों की कूटनीति के साथ ही साथ राजनीति को प्रभावित कर रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप मान चुके हैं कि टैरिफ की वजह से भारत के साथ अमेरिका के रिश्तों में दरार पैदा हुई है। वहीं हाल ही पीएम मोदी की पुतिन और चीन के राष्ट्रपति के साथ हुई मुलाकात के बाद भारत-अमेरिका रिश्तों को लेकर नई बहस छिड़ी है। भारत-अमेरिका तनातनी के बीच दोनों देशों ने बातचीत बंद नहीं की और उम्मीद है कि जल्द रिश्ते सामान्य हो जाएंगे। इन घटनाक्रम के जरिए इस समझा जा सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के शुरू होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी की पहली अमेरिका यात्रा साल 2025 फरवरी में संपन्न हुई। इस यात्रा के ठीक पहले ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा की थी और भारत को टॉप ऑफ द पैक बताया था। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने यह सुनिश्चित करना चाहा था कि ट्रंप की व्यापार नीतियों से भारत को कुछ राहत मिले। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने रक्षा समझौतों पर बात की और साल 2030 तक 500 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य तय किया। टैरिफ की आहट के बीच यह मुलाकात कई मायनों में अहम थी।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अप्रैल के महीने में भारत की चार दिवसीय यात्रा पर आए। इस दौरे का मुख्य फोकस भारत-अमेरिका व्यापार समझौता, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना था। बीते एक दशक में किसी भी मौजूदा अमेरिकी उपराष्ट्रपति की भारत यात्रा नहीं हुई थी। जिस वक्त जेडी वेंस भारत दौरे पर थे तभी पहलगाम में टूरिस्टों पर आतंकी हमले हुए।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय दल कई देशों में गया। मई के महीने में कांग्रेस सासंद शशि थरूर ने अमेरिका की धरती पर जाकर आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख साफ किया। थरूर ने कहा कि पहलगाम हमला करके भारत में हिंसा भड़काने की कोशिश की। थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताया कि किस तरह पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के आंतकी ठिकानों और मुख्यालयों पर कार्रवाई हुई।

अमेरिका की स्पेस एंजेसी नासा और भारत की स्पेस एजेंसी इसरो ने कई सफल अंतरिक्ष मिशन पूरे किए हैं। नासा और इसरो का संयुक्त मिशन निसार (नासा इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार) तय योजना के मुताबिक आगे बढ़ रहा है। 15 अगस्त को मिशन का सबसे अहम पड़ाव पूरा हुआ।

इसी महीने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ दोस्ती के संबंध में नया पोस्ट किया। ट्रंप के पोस्ट पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी जवाब दिया है पीएम मोदी ने कहा कि भारत और अमेरिका घनिष्ठ मित्र और स्वाभाविक साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि हमारी व्यापार वार्ताएं भारत-अमेरिका साझेदारी की असीम संभावनाओं को उजागर करने का मार्ग प्रशस्त करेंगी। सबसे अहम बात ये है कि टैरिफ विवाद के बाद भी दोनों देशों के बीच बातचीत का कोई रास्ता बंद नहीं किया गया है।

आईएएस पूजा खेडकर और उनकी मां पर अपहरण का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नौकरी से हटाई गई आईएएस पूजा खेडकर एक नई मुसीबत में फंस गई हैं। उन पर और उनकी मां पर एक ट्रक ड्राइवर को अगवा कर अपने घर में छिपाने का आरोप लगा है। यह मामला तब सामने आया जब ड्राइवर ने अपने मिक्सर ट्रक से एक कार को टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, इस घटना के बाद कार में सवार दो लोगों ने ड्राइवर प्रहलाद कुमार को जबरदस्ती अपनी कार में बैठकर लेकर चले गए। पुलिस ने जब कार का पता लगाया, तब वह पूजा खेडकर के पुणे स्थित चतुश्रृंगी घर में मिली। पुलिस ने वहां से अपहृत ड्राइवर को सुरक्षित बचाया।

पुलिस के मुताबिक, इस दौरान पूजा की मां मनोरमा खेडकर ने पुलिस का विरोध कर दरवाजा खोलने से मना कर दिया। उन्होंने पुलिस के काम में बाधा डालने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने मनोरमा खेडकर को पूछताछ के लिए बुलाया है। यह पहला मामला नहीं है जब उनकी मां विवादों में फंसी हैं। पिछले साल भी एक जमीन विवाद के दौरान उनका बंदूक लहराते हुए वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

मांझी ने बढ़ाया टेंशन कहा– 15 नहीं मिलीं तो 100 सीटों पर अकेले लड़ेंगे चुनाव

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए की सहयोगी, केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने एक बार फिर से बड़ा बयान दिया है। उन्होने कहा कि अगर उन्हें 15 सीटें नहीं मिली तो अकेले ही उनकी पार्टी 100 सीटों पर चुनाव लड़ जाएगी। बिहार की हर विधानसभा सीट पर हमारी पार्टी (हम) के 10 से 15 हजार वोटर हैं। ऐसे में हम लोगों को 15 सीटें मिलें। बता दें एनडीए में बीजेपी, जेडीयू, चिराग पासवान की लोजपा–आर, जीतनराम मांझी की हम और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी आरएलएम शामिल है। मांझी ने कहा कि इस बार उनकी पार्टी का लक्ष्य हर हाल में मान्यता प्राप्त दल बनना है। इसके लिए पार्टी की कम से कम आठ सीटों पर जीत हासिल हो और कुल मतों का 6 फीसदी वोट मिले। ये तभी संभव है, जब हमें 15 सीटें दी जाएं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पार्टी को बने दस साल हो गए हैं और अब तक निबंधित पार्टी बने रहना उनके लिए अपमानजनक है। ये बातें जीतन मांझी ने बोधगया में मीडिया से बातचीत के दौरान कही। जीतन राम मांझी की इस बड़ी डिमांड के बाद एनडीए के अहम सहयोगी बीजेपी और जेडीयू पर प्रेशर बन गया है। सीट बंटवारे से पहले ही मांझी ने अपने इरादे जाहिर कर दिए हैं। इससे पहले उन्होने दावा करते हुए कहा था कि उनकी पार्टी को 20 से 40 सीटें मिलनी चाहिए। और अब 15 सीट पर अड़े है।

अवैध ऑनलाइन बेटिंग मामले में उर्वशी और मिमी से ईडी की पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अवैध ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और टीएमसी की पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती को ईडी ने समन भेजा है। ईडी ने मिमी चक्रवर्ती को दिल्ली मुख्यालय में पेश होने का आदेश दिया। दोनों से एजेंसी उनके वित्तीय लेन–देन और बैंक खातों से जुड़े पहलुओं पर पूछताछ करेगी। ईडी यह जानना चाहती है कि उन्हें इस सट्टेबाजी ऐप के प्रचार के बदले भुगतान कहां से और किस माध्यम से मिला। इससे पहले भी कई हाई–प्रोफाइल हस्तियों से पूछताछ हो चुकी है। जून 2025 में ईडी ने पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, युवराज सिंह, सुरेश रैना, अभिनेता सोनू सूद और उर्वशी रौतेला को ऐप्स के प्रमोशन को लेकर बुलाया गया था। हाल ही में शिखर धवन ने 4 सितंबर को ईडी के सामने पेश होकर प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत अपना बयान दर्ज कराया। अगस्त में सुरेश रैना से भी पूछताछ की गई थी। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ईडी इस पूरे अवैध बेटिंग सिंडिकेट से जुड़े और लोगों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। आने वाले दिनों में और भी नाम सामने आ सकते हैं। एजेंसी का लक्ष्य इस नेटवर्क को जड़ से खत्म करना और इसमें शामिल सभी लोगों को कानून के दायरे में लाना है।

भूकंप के आने के बाद भी नहीं डरीं ड्यूटी पर तैनात नर्सें... नवजात बच्चों को संभालने में जुटी

-वीडियो सामने आने पर लोग कर रहे तारीफ

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के नौगांव सहित कई जिलों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। धरती हिली लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। नौगांव के हॉस्पिटल में ड्यूटी पर तैनात नर्सों ने लेकिन इस दौरान गजब की हिम्मत दिखाई। वे झटकों के बीच वॉर्ड में भर्ती नवजात बच्चों को संभालने में जुट गई। उन्होंने समझदारी दिखाकर उन मशीनों को थामे रखा, जिस पर बच्चे थे। जब यह वीडियो सामने आया, तब लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि नॉर्थ ईस्ट सिसेमिक जोन का हिस्सा है और यहां अक्सर भूपंक के झटके आते हैं। असम में रविवार दोपहर 4.41 बजे 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी हिस्सों के अलावा पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में महसूस हुए। इसका केंद्र असम के उदलगुरी जिले में 5 किमी की गहराई पर था। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि भूकंप का केंद्र उदलगुरी के पास था। अभी तक किसी बड़े नुकसान या जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। हम स्थिति पर सक्रिय रूप से नजर रख रहे हैं। रिपोर्टस के अनुसार, भूकंप आते ही गुवाहाटी में लोग घरों से बाहर निकल गए। नौगांव के हॉस्पिटल में दो नर्स भी बच्चों के वॉर्ड में ड्यूटी कर रही थी। जब उन्हें भूकंप महसूस हुआ वह तुरंत नवजात बच्चों के पास चली गईं और यह ख्याल रखा कि वह वेंटिलेटर से नहीं गिरे।

पाकिस्तान को फायदा पहुंचाने मैच खेला गया, लगा था करोड़ों का सट्टा : राउत

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता और राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले को लेकर केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ खेलना ही एक अपराध और देशद्रोह है। उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया है, लेकिन उन 25 महिलाओं की मांग का क्या जो मिटा दिया गया था? जब पाकिस्तान को घुसकर मारने का मौका था, तब बीजेपी की सरकार पीछे हट गई। राउत ने कहा कि क्रिकेट के मैदान पर रविवार को जो हुआ क्या वह फिक्स मैच था। उस मैच पर डेढ़ लाख करोड़ रुपए का सट्टा लगा था, इसमें पाकिस्तान को भी उसका हिस्सा मिला होगा। कल के मैच की वजह से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को कम से कम एक हजार करोड़ रुपए मिले होंगे। राउत ने कहा कि आप पाकिस्तान को हमारी महिलाओं की मांग मिटाने के लिए सक्षम बना रहे हैं। पाकिस्तान जीता या हारा, इससे हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। कुल मिलाकर मैच में डेढ़ लाख करोड़ का सट्टा खेला गया। सब कुछ पहले से फिक्स करके ये मैच खेला गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान को फायदा पहुंचाने के लिए यह मैच खेला गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए सांसद राउत ने सवाल किया कि क्या शाह को ये सब नहीं पता है, क्या भारतीय क्रिकेट बोर्ड को ये नहीं पता चला। भारतीय टीम की मैच खेलने की इच्छा नहीं थी, फिर भी सरकार ने उन्हें खेलने पर मजबूर किया। अगर सरकार ने खेलने की अनुमति नहीं दी होती तो टीम मैदान में नहीं उतरती। वहीं राउत ने शिंदे गुट (शिवसेना) पर निशाना साधते हुए कहा कि बाला साहेब ठाकरे की तस्वीर लगाना बंद करो। बाला साहेब ठाकरे ने भारत-पाकिस्तान मैच का विरोध किया था। क्या आप लोगों को इस बारे में नहीं पता है? संजय राउत ने देवेंद्र फडणवीस और शरद पवार पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रवाद पर भाषण देना और पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना यही भारत के कई नेताओं ने किया है।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला, लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत : केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू

–सपा प्रमुख बोले– बीजेपी हटेगी तभी संविधान बचेगा, आरक्षण बचेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले का स्वागत किया है। यह फैसला हमारे संसदीय लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पूरे कानून पर रोक लगाने से इंकार किया है, लेकिन इसकी संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतिम निर्णय आने तक कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय दिखाता है कि वह संसद के अधिकार का सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि कोई संसद के अधिकार को चुनौती नहीं दे सकता, बल्कि कानून के कुछ विशिष्ट प्रावधानों को चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने इस फैसले को भारतीय लोकतंत्र की मजबूती और हमारी संस्थाओं, खासकर न्यायपालिका, में लोगों के विश्वास का प्रतीक बताया। रिजिजू ने ज़ोर देकर कहा कि संशोधित कानून का लक्ष्य गरीब मुसलमानों, खासकर महिलाओं, बच्चों और अनाथों को सीधे लाभ पहुँचाना है। इससे वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही आएगी। उन्होंने कहा कि सरकार उन प्रावधानों पर विचार करेगी, जिन पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई है, और नियमों की समीक्षा करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूरे वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर रोक लगाने से मना कर दिया, लेकिन अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतिम निर्णय आने तक कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि संशोधित अधिनियम की कुछ धाराओं को संरक्षण की आवश्यकता है। अंतरिम आदेश पारित करते हुए, पीठ ने अधिनियम के उस प्रावधान पर रोक लगा दी जिसके तहत वक्फ बनाने के लिए किसी व्यक्ति को पाँच साल तक इस्लाम का अनुयायी होना आवश्यक था।

मानसून की राजस्थान से विदाई, मुंबई की सड़कें पानी-पानी; यूपी और तेलंगाना में बाढ़ से हाहाकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश में मानसून अब विदाई की ओर है, लेकिन कई राज्यों में अभी भी भारी बारिश और बाढ़ का कहर जारी है। एक तरफ जहां राजस्थान से मानसून की विदाई तीन दिन पहले 14 सितंबर से शुरु हो गई तो वहीं दूसरी तरफ यूपी और तेलंगाना में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। मुंबई में रात से ही बारिश शुरु हो गई, जिस कारण सोमवार सुबह कई सड़कों में पानी भर गया।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) द्वारा दी गई जानकारी अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी पश्चिमी राजस्थान से तय समय से तीन दिन पहले ही 14 सितंबर को शुरू हो गई है। आमतौर पर मानसून 17 सितंबर से लौटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक देश से पूरी तरह विदा हो जाता है। यहां मौसम विभाग ने मुंबई में अगले तीन घंटों के लिए रेड अलर्ट जारी किया था। यहां तेज बारिश के साथ 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान लगाया गया। यहां रविवार रात को भारी बारिश के कारण सोमवार सुबह से ही सेंट्रल रेलवे की मेन और हार्बर लाइन पर लोकल ट्रेनें करीब 10 मिनट की देरी से चल रही हैं। नवी मुंबई में भी कई सड़कों पर पानी भर गया है।

यूपी के उन्नाव में 80 गांव जलमग्न

जानकारी अनुसार उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में गंगा के उफान से 80 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। हालत यह है कि गांवों में सड़कों पर नावें चल रही हैं। बाढ़ के चलते अधिकाशं क्षेत्रों में जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लोगों ने सुरक्षित स्थलों का रुख किया है, शासन-प्रशासन अलर्ट मोड पर हैं।

मणिपुर और तेलंगाना में बाढ़-लैंडस्लाइड

मणिपुर में रविवार को हुई भारी बारिश से कई जिलों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। वहीं, हैदराबाद में मूसलधार बारिश के बाद अफजलसागर इलाके में दो लोगों के बह जाने की आशंका है, जबकि एक और व्यक्ति लापता है। आईएमडी ने तेलंगाना के हैदराबाद, निजामाबाद, महबूबनगर समेत कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब में नुकसान

उत्तराखंड और तेलंगाना में भी रविवार को जोरदार बारिश दर्ज की गई। हिमाचल प्रदेश में इस मॉनसून सीजन में बारिश और भूस्खलन से अब तक 404 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, पंजाब में बारिश और बाढ़ से लगभग 14,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है।

मानसून का पैटर्न

आईएमडी के मुताबिक, इस बार मानसून ने 24 मई को केरल में दस्तक दी थी, जो 2009 के बाद से सबसे जल्दी आगमन था। 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लिया गया था, जो सामान्य तिथि से नौ दिन पहले है। अब वापसी भी समय से पहले शुरू हो गई है। इस सीजन में देश में औसतन 836.2 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य बारिश (778.6 मिमी) से सात प्रतिशत अधिक है।

कश्मीर से दिल्ली तक पहली बार मालवाहक पार्सल ट्रेन चली, उपराज्यपाल सिन्हा ने दिखाई हरी झंडी

–घाटी के बागवानों और कारोबारियों को बड़ी राहत, अगले ही दिन पहुंचेगा माल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले से सोमवार को पहली बार मालवाहक पार्सल ट्रेन दिल्ली के लिए रवाना हुई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नौगाम रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर इसे रवाना किया। इस सेवा की शुरुआत से घाटी के बागवानों और कारोबारियों को बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि अब फलों जैसे जल्दी खराब होने वाले उत्पाद सीधे और तेज़ी से देश के प्रमुख बाजारों तक पहुंच सकेंगे।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मालवाहक पार्सल ट्रेन को रवाना कर कहा कि मालगाड़ी सेवा कश्मीर की अर्थव्यवस्था के लिए एक नई ताकत साबित होगी। इससे बागवानी और कृषि उत्पादकों को देशभर के बाजारों तक पहुंचने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि रेल नेटवर्क के जरिए घाटी को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। यह पार्सल ट्रेन प्रतिदिन 23 से 24 टन सेब और अन्य नाशवान सामान दिल्ली ले जाएगी। खास बात यह है कि बडगाम से रवाना होकर ट्रेन अगले ही दिन दिल्ली पहुंच जाएगी। इससे उत्पादकों को समय और परिवहन लागत दोनों में बचत होगी। अब तक कश्मीर से माल ढुलाई के लिए मुख्य रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन खराब मौसम, बर्फबारी और भूस्खलन के चलते हाईवे लंबे समय तक बंद हो जाता था, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ता था। इस नई रेल सेवा से अब इन बाधाओं से राहत मिलेगी और परिवहन का भरोसेमंद विकल्प उपलब्ध होगा।

स्थानीय व्यापारियों और किसानों ने भी इस पहल का स्वागत किया। उनका कहना है कि इससे न केवल समय पर माल पहुंच पाएगा, बल्कि ताजगी और गुणवत्ता भी बनी रहेगी। बदलते कश्मीर की यह तस्वीर न सिर्फ राज्य की अर्थव्यवस्था को नई उड़ान देगी बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाएगी।

चुनाव आयोग को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की शिकायतों पर ध्यान देना चाहिए: एसवाई कुरैशी

विपक्ष के साथ आयोग के व्यवहार को लेकर उन्होंने चिंता जाहिर की

नई दिल्ली(एजेंसी)। पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एसवाई कुरैशी ने चुनाव आयोग की तीखी आलोचना कर कहा कि चुनाव आयोग को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'वोट चोरी' संबंधी आरोपों की जांच करनी चाहिए थी, न कि उनके खिलाफ 'आपत्तिजनक और अपमानजनक' भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए था।

पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुरैशी ने मीडिया हाऊस को दिए इंटरव्यू में कहा कि राहुल गांधी ने आरोप लगाते समय कई राजनीतिक शब्दों का इस्तेमाल किया था जैसे 'हाइड्रोजन बम' लेकिन यह महज 'राजनीतिक बयानबाजी' है। इसके बावजूद उन्होंने जो गंभीर शिकायतें उठाई हैं, उनके द्वारा उठाई गई शिकायतों की विस्तार से जांच होनी चाहिए थी।

कुरैशी ने बिहार में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की प्रक्रिया की आलोचना कर कहा कि इससे आयोग ने 'भानुमती का पिटारा' खोल दिया है और 'मधुमक्खी के छत्ते' में हाथ डाल दिया है, जिससे खुद संस्था की साख को नुकसान होगा। कुरैशी ने कहा कि चुनाव आयोग को निष्पक्ष होने के साथ-साथ निष्पक्ष दिखना भी जरूरी है।

कुरैशी ने कहा कि राहुल विपक्ष के नेता हैं और करोड़ों लोगों की आवाज उठाते हैं। इसके बाद चुनाव आयोग को उनसे 'शपथपत्र दीजिए, वरना कार्रवाई होगी' जैसी भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था। उन्होंने इस बयानबाजी को चुनाव आयोग की गरिमा के खिलाफ बताकर कहा कि सामान्य प्रक्रिया शिकायत पर जांच करवाने की होती है, डराने की नहीं।

उन्होंने एसआईआर को खतरनाक कदम बताया। उनके अनुसार 3 दशक में जो काम धीरे-धीरे हुआ था, उसे कुछ महीनों में बदलने की कोशिश गलत है और इससे विवाद और बढ़ेगा उन्होंने मतदाता पहचान पत्र (एपिक) को दस्तावेजों की सूची से बाहर करने को भी गंभीर चूक बताकर कहा कि यह आयोग की अपनी ही पहचान है जिसे नकारने से लोकतंत्र पर असर पड़ेगा।

कुरैशी विपक्ष के साथ आयोग के व्यवहार को लेकर उन्होंने चिंता जाहिर की है। उनका कहना था कि विपक्ष को सुनना लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है, लेकिन आज हालात यह हैं कि 23 दलों को कहना पड़ा कि उन्हें आयोग से मिलने का समय नहीं मिल रहा। यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है।

कर्नाटक में कांग्रेस का नया दांव: लिंगायतों को बताया अलग धर्म, सियासी जंग तय...

बेंगलुरु (एजेंसी)। यहां कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने की आस लगाए बैठे हैं, लेकिन उनका नंबर नहीं आ रहा है। कांग्रेस की आपसी जंग शांत होती इससे पहले यहां के एक मंत्री ने नया दांव चलते हुए लिंगायतों को हिंदुओं से अलग समुदाय होने दावा कर दिया है। इससे राज्य में सियासी जंग छिड़ना स्वाभाविक है। कांग्रेस की सिद्धारमैया सरकार में वन मंत्री ईश्वर खांड्रे ने हाल ही में वीरशैव-लिंगायत महासभा की ओर से बोलते हुए कहा कि समुदाय के सदस्यों को धर्म वाले कॉलम में अन्य चुनना चाहिए और खुद को वीरशैव-लिंगायत के रूप में पहचान बतानी चाहिए। उन्होंने पिछले हफ्ते कहा था कि उन्हें जाति वाले कॉलम में लिंगायत या वीरशैव और तीसरे कॉलम में अपनी उपजाति लिखनी होगी।

विपक्षी भाजपा के लिंगायत नेताओं ने उनके इस सुझाव की निंदा की है और इसे कांग्रेस पार्टी की हिंदू वोटों को विभाजित करने और भाजपा के आधार को कमज़ोर करने के लिए जाति सर्वेक्षण का इस्तेमाल करने की रणनीति के रूप में देखा है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और हावेरी के भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने आरोप लगाया है कि वीरशैव लिंगायत महासभा पूरी तरह से कांग्रेस के साथ जुड़ गई है। उन्होंने कहा, महासभा से मेरा अनुरोध है कि वह कानून और संविधान के अनुसार सलाह दे।

बता दें कि लिंगायत खुद को हिन्दू धर्म का अनुयायी नहीं मानते हैं और एक अलग धर्म का दर्जा चाहते हैं, हालाँकि उन्हें आधिकारिक तौर पर वीरशैव लिंगायत के रूप में हिन्दू उप-जाति में वर्गीकृत किया जाता है। लिंगायत संप्रदाय महात्मा बसवण्णा द्वारा 12वीं शताब्दी में स्थापित एक शैव मत है, जो शिव को एकमात्र देवता के रूप में पूजता है, मूर्ति पूजा नहीं करता और जाति प्रथा व वेदों का खंडन करता है। रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने आगे कहा, महासभा को भ्रम पैदा नहीं करना चाहिए। संविधान में केवल छह धर्मों का उल्लेख है, इसलिए केवल उन्हीं धर्मों के नाम लिखे जाने चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई ने आरोप लगाया कि सिद्धारमैया जाति सर्वेक्षण का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए कर रहे हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने भी कहा कि पार्टी का रुख स्पष्ट है। हम हिंदू हैं और चाहते हैं कि इसे हमारे धर्म के रूप में उल्लेखित किया जाए। वीरशैव-लिंगायत का धर्म के रूप में कोई उल्लेख नहीं है।

जातीय गणना बनेगी मुसीबत

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आगामी 22 सितंबर से राज्य में जातीय जनगणना कराने का फैसला लिया है लेकिन उनका यह फैसला उनकी पार्टी के लिए मुसीबत बनती जा रही है क्योंकि राज्य के प्रभावशाली लिंगायत समुदाय के लिए यह जनगणना उनकी धार्मिक पहचान के लिए एक बड़ी लड़ाई बन चुकी है। वैसे तो लिंगायत समुदाय जाति सर्वेक्षण में भाग लेने के लिए तैयार है लेकिन समुदाय में इस बात को लेकर मतभेद है कि जाति गणना के सर्वे में लिंगायत समुदाय के सदस्यों को अपनी धार्मिक पहचान वीरशैव-लिंगायत के रूप में दर्ज करानी चाहिए या हिंदू के रूप में।

युवा बनेंगे 'विकसित दिल्ली' के एम्बेसडर: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने जोर देकर कहा कि यह पहल दिल्ली को पेपरलेस गवर्नेंस, डेटा-ड्रिवन एडमिनिस्ट्रेशन, स्मार्ट पॉलिसी फॉर्मेशन और डिजिटल इनोवेशन की दिशा में आगे बढ़ाएगी। मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के संकल्प से जोड़ते हुए कहा कि दिल्ली सरकार का यह कार्यक्रम युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार बनाएगा। उन्होंने कहा कि यह इंटर्नशिप प्रोग्राम विकसित दिल्ली की नींव है। हमारी सरकार का मानना है कि आज का अनुभव कल का नेतृत्व बनेगा। यही इंटर्न्स दिल्ली के भविष्य की पहचान और भारत के विकास की सबसे मजबूत ताकत बनेंगे। मुख्यमंत्री ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि कॉलेज जीवन में उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में कॉमन एडमिशन फॉर्म की पहल की थी, जिसने हजारों छात्रों के लिए प्रक्रिया को आसान बनाया। उन्होंने कहा कि बदलाव तभी संभव है जब हम शिकायत करने के बजाय समाधान प्रस्तुत करें और सिस्टम का हिस्सा बनकर काम करें। इस कार्यक्रम के लिए लगभग 9000 विद्यार्थियों ने आवेदन किया, जिनमें से कड़े चयन प्रक्रिया के बाद 84 होनहार युवाओं को चुना गया। यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और प्रतिस्पर्धात्मक रही। ऑनलाइन टेस्ट, निबंध लेखन, दस्तावेज़ सत्यापन और बूट कैंप में संवाद एवं वर्कशॉप्स के आधार पर युवाओं का चयन किया गया है। प्रत्येक इंटर्न को तीन महीनों के लिए 20,000 रुपये मासिक मानदेय दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सिर्फ एक स्टाइपेंड नहीं, बल्कि युवाओं के आत्मनिर्भरता और प्रेरणा का प्रतीक है।

13वीं मंजिल से कूदकर मां-बेटे ने किया सुसाइड

कौमी पत्रिका

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित ऐस सिटी सोसाइटी से शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां 13वीं मंजिल से कूदकर मां और बेटे ने अपनी जान दे दी। घटना में 37 वर्षीय साक्षी चावला और उनका 11 वर्षीय बेटा दक्ष चावला की मौके पर ही मौत हो गई। मां-बेटे का शव सोसाइटी के नीचे खून से लथपथ पड़ा देख लोगों के होश उड़ गए। सूचना मिलते ही बिसरख थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 10 बजे अचानक सोसाइटी में जोरदार चीख सुनाई दी। सभी लोग घबराकर बालकनी और खिड़कियों से झांकने लगे। तभी लोगों ने देखा कि एक महिला और बच्चा नीचे जमीन पर गिरे पड़े हैं। दोनों की हालत बेहद गंभीर थी और कुछ ही सेकंड में उनकी मौत हो गई। इसके बाद पूरे सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने जब मृतका के घर की तलाशी ली तो वहां से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ। इस पत्र में साक्षी ने अपने पति दर्पण चावला के नाम लिखा था कि हम दुनिया छोड़ रहे हैं सॉरी। हम तुम्हें अब और

परेशान नहीं करना चाहते। हमारी वजह से तुम्हारी जिंदगी खराब न हो। हमारी मौत का जिम्मेदार कोई नहीं है। सुसाइड नोट मिलने के बाद पुलिस ने मामले को आत्महत्या की दिशा में गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। परिवार के करीबी लोगों ने बताया कि मृतक बच्चा दक्ष मानसिक रूप से विक्षिप्त था। इस वजह से उसका इलाज लंबे समय से चल रहा था। परिजनों ने कई डॉक्टरों को दिखाया, यहां तक कि गुरुद्वारों में अरदास भी कराई, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। बच्चा स्कूल नहीं जाता था और अक्सर दवाइयों पर ही निर्भर रहता था।इसी कारण उसकी मां साक्षी चावला लंबे समय से मानसिक तनाव में थीं। पड़ोसी बताते हैं कि वह कई बार कहती थीं कि मेरी जिंदगी बहुत मुश्किल हो गई है। पुलिस जांच में सामने आया कि घटना वाले दिन सुबह करीब 9 बजे दर्पण चावला उठे और उन्होंने अपनी पत्नी से बेटे को दवा देने के लिए कहा। इसके बाद साक्षी ने बच्चे को उठाया, दवा दी और उसे बालकनी में टहलाने लगीं। पति दूसरे कमरे में जाकर आराम करने लगे। कुछ देर बाद अचानक महिला और बच्चा 13वीं मंजिल से नीचे गिर गए। वहीं, एडीसीपी सेंट्रल नोएडा शैव्या गोयल ने बताया बिसरख थाना क्षेत्र की ऐस सिटी सोसाइटी की 13वीं मंजिल से कूदकर मां-बेटे ने आत्महत्या की है। बेटा मानसिक रूप से विक्षिप्त था और इसी बात को लेकर मां परेशान रहती थी। मौके से सुसाइड नोट भी मिला है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। हैंडराइटिंग और अन्य परिस्थितियों की गहराई से जांच की जा रही है। पुलिस ने मृतका के परिजनों और सोसाइटी निवासियों से पूछताछ शुरू कर दी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं इसके पीछे कोई अन्य कारण तो नहीं है। जानकारी के अनुसार मृतका साक्षी चावला हाउसवाइफ थीं और उनके पति दर्पण चावला पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। मूल रूप से यह परिवार उत्तराखंड के गढ़ी नेगी गांव का रहने वाला है और फिलहाल ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित ऐस सिटी सोसाइटी के फ्लैट नंबर ई-1309 में रहता था। घटना के बाद ऐस सिटी सोसाइटी में मातम पसरा है। घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। पड़ोसी बताते हैं कि साक्षी और उनका परिवार सोसाइटी में शांत स्वभाव के रूप में जाना जाता था। घटना के बाद से लोग हैरान हैं कि आखिरकार साक्षी ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया।

आइसक्रीम विक्रेता पर हमला करने वाले दो पकड़े

नई दिल्ली। दिल्ली-पूर्व जिला पुलिस ने शाहीन बाग में आइसक्रीम विक्रेता पर हमला करने वाले दो आरोपियों बेलकम निवासी रेहान उर्फ इमरान (23) और अहमदाबाद निवासी फरीद (23) को गिरफ्तार किया है। पहले आरोपियों ने आइसक्रीम विक्रेता से कीमत को लेकर झगड़ा किया और फिर चाकू से हमला कर दिया। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि यह घटना 11-12 सितंबर की रात की है। पीड़ित रोशन कुमार अपनी आइसक्रीम की गाड़ी लेकर जसोला की ओर जा रहे थे। नाला रोड स्थित एक एटीएम के पास तीन युवकों ने उन्हें रोक लिया और आइसक्रीम की कीमत को लेकर चाकू से हमला कर दिया।

तेज रफ्तार कार ने दो वाहनों और बाइक को रौंदा, नाले में गिरी

ग्रेटर नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर गुरुवार सुबह तेज रफ्तार कहर बनकर टूटा। सेक्टर-145 के पास 100 की रफ्तार से दौड़ रही एक किया कार ने दो कारों को टक्कर मार दी और बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर के बाद कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर और ग्रीन बेल्ट को तोड़ते हुए नाले में जा गिरी और उसमें आग लग गई। गनीमत रही कि कार में सवार दोनों छात्र समय रहते बाहर कूद गए और उनकी जान बच गई। लेकिन हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर मौत हो गई। जबकि उसका एक साथी युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार गुरुवार सुबह करीब 10 बजे दिल्ली की तरफ से आ रही एक किया कार में दो युवक सवार थे। दोनों ग्रेटर नोएडा के एक निजी कॉलेज के छात्र बताए जा रहे हैं। कार की रफ्तार 100 से ऊपर थी। जैसे ही वह सेक्टर-145 के पास पहुंचे। कार ने सामने चल रही दो कारों में जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद तेज रफ्तार कार बाइक को भी रौंदते हुए अनियंत्रित हो गई। हादसे में बाइक सवार विजय बहादुर (35) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गौरव सिंह नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों कंपनी कर्मी बाइक पर सवार ड्यूटी के लिए जा रहे थे। पुलिस ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने विजय बहादुर को मृत घोषित कर दिया। गौरव सिंह की हालत गंभीर बनी हुई है और उसे चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंपा है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार दो वाहनों और बाइक को रौंदने के बाद ग्रीन बेल्ट में बने पेड़-पौधों को तोड़ते हुए सीधे बाइक सड़क नाले में जा गिरी। गिरते ही कार में आग लग गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी। थोड़ी ही देर में अग्निशमन विभाग की टीम पहुंचे और आग पर काबू पाया। आसपास के लोग जलती हुई कार को देखकर दहशत में आ गए। हादसे के वक्त कार में मौजूद ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क के एक निजी कॉलेज में पढ़ने वाले दोनों छात्र समय रहते कार से कूद गए थे। अगर वह बाहर न निकलते तो आग की चपेट में आने से बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। वहीं कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। तेज रफ्तार के कारण हादसा हुआ है। इस बात की जांच की जांच की जा रही है कि घटना के वक्त बाइक सवार युवकों ने हेलमेट पहना था कि नहीं। हादसे के कारण रोड पर लंबा जाम लग गया। टक्कर से क्षतिग्रस्त कारें और गिरी हुई बाइक सड़क किनारे पड़ी रही। वहीं जलती हुई कार को देखने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई। अग्निशमन विभाग और पुलिस की गाड़ियों के पहुंचने से मौके पर पहुंची। यातायात पुलिस ने मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त गाड़ियों को हटाकर रोड को खाली कराया। इसके बाद धीरे-धीरे यातायात सामान्य हो सका।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Ruby D/O Raj Kishor R/O C-1243, SARITA VIHAR J J COLONY MADAN PUR KHADAR, Sarita Vihar S.O, South Delhi, Delhi - 110076, declare that name of mine and my father has been wrongly written as Ruby Kumari and Raj kishore in my OBC certificate no 90500001021612.The actual name of mine and my father are RUBY AND RAJ KISHOR,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as SURENDER SINGH S/o SANT RAM, R/o RZ-L38B, Plot No. 38, L-Block, Gali No. 3, West Sagarpur, South West Delhi, Delhi-110046, have changed my name and shall hereafter be known as SURENDER SINGH BISHT, for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, VARUN KUMAR AGGARWAL S/o RADHEY MOHAN AGGARWAL R/o H.No. 907, Street No. 2, Opp. Gurudwara, Budh Vihar, Mandoli, North East Delhi-110093, declare that name of mine has been wrongly written as VARUN AGGARWAL in my minor son namely PIYUSH AGGARWAL aged 14 years in his School Records. The actual name of mine is VARUN KUMAR AGGARWAL.

NAME CHANGE

I, RAVINDER S/o THAKUR DASS, R/o 17/60 B, Tilak Nagar, West Delhi, Delhi-110018, have changed the name of my minor son DAKSH aged 14 years and he shall hereafter be known as DAKSH KHATRI, for all future purposes

NAME CHANGE

I, MANUKA TAMANG is real mother of No. 13769586Y Rank HAV Name PURAN TAMANG presently residing at VLL-MIM TEA ESTATE, TEH–JORBANGLOW, PO-SUKHIA POKHARI, DIST-DARJEELING, STATE-WEST BENGAL, PIN-734221 have changed my name from MANUKA TAMANG to MENUKA TAMANG for all future purposes. Vide Affidavit dated 13/09/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, SANTA SING TAMANG is a real father of No. 13769586Y Rank HAV Name PURAN TAMANG presently residing at VLL-MIM TEA ESTATE, TEH –JORBANGLOW ,PO-SUKHIA POKHARI,DIST-DARJEELING, STATE- WEST BENGAL-734221 have changed my name from SANTA SING TAMANG to SANTE SINGH TAMANG for all future purposes Vide Affidavit dated 13/09/2025. Before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, ROHAN S/O DEVENDER SINGH, R/O VILLAGE LOHARI JATU,BAWANI KHERA HARYANA-127032, I HAVE CHANGED MY NAME TO ROHAN SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

It is for general information that I, SHO BHAGWAN DAYAL S/o HEERA LAL R/o Flat No. 456, Second Floor Janta Flats, Paschim Puri, Pocket-2, Paschim Vihar, West Delhi, Delhi-110063, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as BHAGWAN DAYAL and NEELAM DAYAL in my minor son namely LAKSHAY DAYAL aged 15 years in his School Records. The actual name of mine and my wife are SHO BHAGWAN DAYAL and NEELAM respectively.

NAME CHANGE

I hitherto known as RAVINDER S/o THAKUR DASS, R/o 17/60 B, Tilak Nagar, West Delhi, Delhi-110018, have changed my name and shall hereafter be known as RAVINDER KHATRI, for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as SHOBHA D/o UMRAO SINGH RAWAT, and W/o SURENDER SINGH, R/o RZ-L38B, Plot No. 38, L-Block, Gali No. 3, West Sagar Pur, South West Delhi, Delhi-110046, have changed my name and shall hereafter be known as SHOBHA BISHT, for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as JATIN SINGH S/o SURENDER SINGH R/o RZ-L38b, Plot No. 38 L Block, Street No. 3, Main Sagarpur, Nangal Raya, PO: Nangal Raya, Dist. South West Delhi, Delhi-110046, have changed my name and shall hereafter be known as JATIN SINGH BISHT, for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NAND KISHORE SHARMA S/o SH. LAKHMI CHAND SHARMA R/o FCA-1677, Block-A, Gali No.4, Nr, Sunil High School, SGM Nagar, Faridabad-121001, Haryana, have changed my name to NAND KISHOR SHARMA permanently.

NAME CHANGE

I, VINEET KUMAR UPADHYAY S/o RAM PRAKASH R/o House No. 656, Street No. 8 A, Block - E 1st, Golden Star Modern School, Nehru Vihar, Dayalpur, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi - 110094 have changed the name of my minor son SASHANK UPADHYAY aged 14 years and he shall hereafter be known as MADHAV UPADHYAY.

NAME CHANGE

I hitherto known as Satywan Singh alias Satyawan S/O Hazari Lal, WZ-25 C, Todapur Village, Central Delhi, Delhi, 110012, have changed my name and shall hereafter be known as SATYWAN.

NAME CHANGE

I, Bijendra Sharma S/O: Purushottam, R/O village mahasingh, post nagla bari, Etmadpur, Agra, Uttar Pradesh-283202, have changed the name of my minor son Chandrakant aged 13 years and he shall hereafter be known as SHIVAM SHARMA.

NAME CHANGE

I hitherto known as Saina D/o Shakir R/o 356 C, Third Floor, Near Orange County, Nyay Khand-3 Indirapuram, Shipra Sun City, Shipra Sun C, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014 have changed my name and shall hereafter be known as Mubeena.

PUBLIC NOTICE

I hitherto Known as DIVYA alias DIVYA SINGHAL alias DIVYA BANSAL D/o Naresh Bansal W/o Ramyash Singhal R/o R-7/170, Raj Nagar, Sector-7, Ghaziabad Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as DIVYA SINGHAL.

NAME CHANGE

I, SANTOSH KUMAR MISHRA S/o RAJ KISHORE MISHRA R/o BLOCK 1 QUARTER NO. 2, ALIGANJ, LODHI ROAD, CENTRAL DELHI, DELHI-110003, have changed the name of my minor son SHERESH KUMAR MISHRA, aged 13 years and he shall hereafter be known as SHREYASH KUMAR MISHRA.

NAME CHANGE

I, HIMANSHU DHURIA / HIMANSHU R DHURIA, S/O RAMASHANKAR DHURIA R/O HOUSE NO-C1-623, 3RD FLOOR, C1-BLOCK, ANSALS PALAM VIHAR, GURGAON, HARYANA-122017, HAVE CHANGED MY NAME TO HIMANSHU RAMASHANKAR DHURIA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

Raman s/o bhagwan Dass Chaudhary R/o House no 16 c 2nd floor Block No.4, Sarai Kale Khan, DDA Flats, Hazrat Nizamuddin, Delhi-110013 have changed my name to Raman Chaudhary.

NAME CHANGE

I, Charu Vashista D/O Brijesh Kumar Sutel W/O Krishna Balram R/O Flat No - B-43 Farihills Appartment Sector 21 D, Near GBN School Faridabad Haryana 121001 Have changed my name to Charu Balram Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Krishan Kumar Chaprana alias Krishan Pal Chaprana S/O Asha Ram R/O House No. 34,Chaprana , Sharfuddinpur Javli , Sharfuddinpur Javli , Jaoli , Ghaziabad Uttar Pradesh -201102, have changed my name and shall hereafter be known as Krishan Pal Chaprana

NAME CHANGE

I, MAHI AGRAWAL D/o ASHISH KUMAR AGRAWAL, residing at 13/15 Chak Zero Road, Allahabad, Near Bus Stand, Zero Road Allahabad, Allahabad City, Prayagraj, Uttar Pradesh - 211003 declare that name of mine and my Father has been wrongly written as MAHI AGARWAL and ASHISH AGARWAL in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my Father are MAHI AGRAWAL and ASHISH KUMAR AGRAWAL, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I ANSHIKA AGRAWAL D/o ASHISH KUMAR AGRAWAL residing at 13/15, Zero Road Busstand, Allahabad, Allahabad, Uttar Pradesh - 211003 declare that name of mine and my Father has been wrongly written as ANSHIKA AGARWAL and ASHISH AGARWAL in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my Father are ANSHIKA AGRAWAL and ASHISH KUMAR AGRAWAL, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, LOKESH KUMAR S/O SH. RAMJAS SHARMA R/O House No:- RZ-270, Gali No:- 10, Near Solanki Road, Vishwas Park, T-Extn, Uttam Nagar, PO:- D.K Mohan Garden, Dist.:- West Delhi, Delhi-110059. Have change my name to LOKESH KUMAR JANGIR S/O Sh. RAMJAS SHARMA shall henceforth be known as LOKESH KUMAR JANGIR.

NAME CHANGE

I, LAKSHMAN RAO is real father of No. JC-390415M Rank SUB Name TIRUPATI RAO BATNA presently residing VILL-VENKATAPURAM, PO-KOMERA, TEH-RA VALASA, DIST-SRIKAKULAM, (ANDHRA PRADESH)-532440 have changed my name from LAKSHMAN RAO to BATNA LAKSHMANA RAO for all future purposes. And in my son service record my date of birth wrongly mentioned is 01/07/1950 instead of 01/01/1949. Vide Affidavit dated 15/09/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, A KRISHNAMMA is legally mother of No. 15688565P Rank- HAV, Name- THAVITI NAIDU ANAPU R/o VILLAGE-SIVARAMPURAM, POST-SIVARAMPURAM, TEH -SALUR, DIST-VIZIANAGARAM,STATE-ANDHRA PRADESH-535591 have changed my name from A KRISHNAMMA to ANAPU KRISHANAMMA for all future purposes. And in my son service record my date of birth wrongly mentioned is 01/07/1963 instead of 27/11/1963. Vide Affidavit dated 13/09/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, LILAWALI DEVI Mother of No-14677627N, Rank-HAV, Name-ANAND KUMAR SINGH Permanent Address VILL-GOPLAPUR, PO-SONUGHAT, DISTT-DEORIA, UTTAR PRADESH-274001, have changed my name from LILAWALI DEVI to LILAWATI DEVI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of my correct date of birth as 01/01/1958 vide Affidavit dated 15/09/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I, Siraj Sheikh S/o Mohd Mustkim R/o B-418, Ground Floor, Gali No.9, Subhash Mohalla, Ghonda, Delhi-110053 have changed my name to Mohd Siraj.

NAME CHANGE

I, Naim Khan S/o Wahid Ali Khan R/o H.No.C-40/2, Street No.6, Near Jama Masjid, Ghonda, Delhi-110053 have changed my name to Mohd Naim.

NAME CHANGE

I Satish Kumar Goyal S/O Satpal Gupta , R/O B-68 (Goyal Bhawan) B-Block Patel Garden N.S.I.T Dwarka South West Delhi Delhi 110078, have changed the name of my minor SON ATHRAV GOYAL aged 13 years and he shall hereafter be known as ATHARV GOYAL.

NAME CHANGE

I, Nitin Teotia S/O Karam Veer R/O Hno-476, Block-B, Near Atlanta Hospital, Sector-14, Vasundhra,Ghaziabad Uttar Pradesh-201012, have changed my name and shall hereafter be known as Nitin Tewatia .

NAME CHANGE

I, Kavita Devi alias Km Kavita Rani D/O Charan Singh W/O Kapil Kumar R/o Near Devi Mandir,Dhaulana Road, Karanpur Jatt,Ghaziabad, Uttar Pradesh-245301 , have changed my name and shall hereafter be known as Kavita Rani.

NAME CHANGE

I ROZINA W/O GULZAR KHAN RESIDING AT HOUSE NO. 2736 GALI CHANDI WALI PAHARI BHOJLA TURKMAN GATE DELHI-110006 HAVE CHANGED MY NAME FROM ROZINA TO ROZINA BI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, No. 5251415W Rank-LHAV Name-PADAM BAHADUR RANA Father of ASIM RANA Presently residing at DEFENCE SHOPPING COMPLEX, B BLOCK, 5th FLOOR, KG MARG, DELHI-110011, have changed my minor son's name from ASIM RANA to ASHIM RANA for all future purposes and in my service record my son's date of birth wrongly mentioned as 11/07/2009 instead of his correct date of birth as 13/07/2008 vide Affidavit dated 15/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-442027M Rank-SUB Name-BE BALARAJU residing at H NO-1/79, VPO-MUDDANAGERI, TEHSIL-ALUR, DIST-KURNOOL, ANDHRA PRADESH-518395, have changed my minor son's name from THOMAS DARSHAN VISHAL E to E THOMAS DARSHAN VISHAL for all future purposes vide affidavit dated 15/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-442027M Rank-SUB Name- BE BALARAJU residing at H NO-1/79, VPO-MUDDANAGERI, TEHSIL-ALUR, DIST-KURNOOL, ANDHRA PRADESH-518395, have changed my minor son's name from ASHWIN MARIYARAJ E to E ASHWIN MARIYARAJ for all future purposes vide affidavit dated 15/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, V RAJITHA wife of NO-2611981Y Rank-HAV Name- JAGAN V residing at 2-22, VILL-RANGAPUR, TEHSIL-MANCHAL, DIST-KV RANGAREDDY, TELANGANA-501508, have changed my name from V RAJITHA to VONGURI RAJITHA for all future purposes vide Affidavit dated 15/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SATHYAMMA mother of NO-2611981Y Rank-HAV Name- JAGAN V residing at 2-22, VILL-RANGAPUR, TEHSIL-MANCHAL, DIST-KV RANGAREDDY, TELANGANA-501508, have changed my name from SATHYAMMA to VNGURI SATTAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 15/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, BUCHAIAH father of NO-2611981Y Rank-HAV Name-JAGAN V residing at 2-22, VILL-RANGAPUR, TEHSIL-MANCHAL, DIST-KV RANGAREDDY, TELANGANA-501508, have changed my name from BUCHAIAH to VNGURI BUCHAIAH for all future purposes vide Affidavit dated 15/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-2611981Y Rank-HAV Name-JAGAN V residing at 2-22, VILL-RANGAPUR, TEHSIL-MANCHAL, DIST-KV RANGAREDDY, TELANGANA-501508, have changed my minor daughter's name from DRISHYA VANGURI to VANGURI DRISHYA for all future purposes Vide Affidavit dated 15/09/2025 Before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, HAR PARKASH / HARI PARKASH CHAUHAN S/o MAHAVIR SINGH R/o A-4/81, SECTOR-17, ROHINI, DELHI-110085, have changed my name to HAR PARKASH CHAUHAN permanently

NAME CHANGE

I, YAKSH S/o HAR PARKASH CHAUHAN R/o A-4/81, SECTOR-17, ROHINI, DELHI-110085, have changed my name to YAKSH CHAUHAN permanently

NAME CHANGE

I Manish Kumar S/o Sushil Tiwari R/o Village Darsawan, Unnao, Uttar Pradesh-209859 have changed my name to Manish Tiwari for all future purposes

NAME CHANGE

I, NIRMAN BHARDWAJ S/O MANOD KUMAR SHARMA resident of H NO-S-558 SCHOOL BLOCK, SHAKAR PUR, EAST DELHI, -110092. have changed my name to NIRMAN AMAN BHARDWAJ for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Piyush Kumar s/o Vinod Kumar Singh R/o Ward 01, Majra, Post Jogiyara, P S Jale, Darbhanga-847303, Bihar have changed my name to Piyush Kumar Singh for all future purposes.

NAME CHANGE

I, G PADMAMMA Mother of No-2619679P Rank-SEP Name- G MALLESH Presently residing at VILLAGE-KUCHUR, MONDAL-NAWABPET, DIST –MAHABUBNAGAR, TELANGANA-509340, have changed my name from G PADMAMMA to GADDAPU PADMAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 13/09/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of Mr. Vikas & Mrs. Preeti to inform to the public at large that Mr. Vikas is the owner of Residential Plot No.45, measuring 53.33 Sq. Yds., Khasra No.33Mi, Situated at Mohalla Shivam Vihar Phase-2 Muradnagar, Village Asalatnagar, Pargana Jalalabad, Tehsil Modinagar, District Ghaziabad, Uttar Pradesh vide Sale Deed dated 11.08.2025 (Document No. 16684) and same to be finance & mortgage by Hinduja Housing Finance Ltd., Branch Modi Nagar. That, Original Sale Deed Dated 14.08.2012 Executed by Mr. Rajeshwar Kumar Self & GPA Holder of Mr. Baburam & Mr. Rajendra Prasad & Mr. Brijnath in favour of Mr. Ankur Tyagi in respect of the said property, as Doc. No.11382, Book No.1, Vol. No.5491, pages 143-160, dated 14.08.2012, SR-Modinagar has lost/misplaced and FIR also lodged. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim /right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within a week from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor, DLF Dilshad Extn.-II, Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email: advabhisingh1993@gmail.com

NAME CHANGE

It is for general information that I, AFROJ S/o MD PHIROJ, R/o G-177, HARKESH NAGAR, OKHLA, DELHI-110020, declare that name of my father has been wrongly written as MD FIROJ in my all Educational Documents. The actual name of my father is MD PHIROJ, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE

It is for general information that I, MD PHIROJ S/O MOHD BARIK residing at G-177, HARKESH NAGAR PHASE-2, OKHLA, DELHI-110020, declare that name of mine has been wrongly written as MD FIROJ in my minor Daughter TANIA, aged 15 years in her School Record. The actual name of mine is MD PHIROJ which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

PUBLIC NOTICE

I, ROBIN GOEL S/O SHIV SHANKER, R/O BD-31 VISHAKHA ENCLAVE PITAM PURA SHALIMAR BAGH PO SHALIMAR BAGH DIST NORTH WEST DELHI DELHI-110088, India, have changed the name of my minor son NIVAAN GOEL aged 14 years and he shall hereafter be known as NEVAAN GOEL.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I JYOTI KUMARI W/O SURENDRA RAVIDAS R/O A-166, Gali No 4 Block E, Vinay Enclave Laxmi Vihar, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi-110086. declare that name of my husband has been wrongly written as SURENDER RAVIDAS in my minor son namely AAYUSH KUMAR aged 16 years in his 10th Class Educational Documents. The actual name of my husband is SURENDRA RAVIDAS which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, JAVERIYA W/O MOHAMMAD SHAHZAD R/O PLOT NO 1-2, Shahzada Bagh, Phase-1, Inderlok, Sarai Rohilla, North West Delhi, Delhi-110035 declare that name of mine, my husband and my minor son has been wrongly written as JAWARIYA, MOHD SHAHZAD and MOHD SAAD in my minor son namely MOHAMMAD SAAD aged 15 years in his school records. The actual name of mine, my husband and my minor son are JAVERIYA, MOHAMMAD SHAHZAD and MOHAMMAD SAAD respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I, APPALANAIDU is father of No. 15688565P Rank- HAV, Name- THAVITI NAIDU ANAPU R/o VILLAGE-SIVARAMPURAM, POST- SIVARAMPURAM, TEH -SALUR, DIST-VIZIANAGARAM, STATE- ANDHRA PRADESH-535591 have changed my name from APPALANAIDU to ANAPU APPALANAIDU for all future purposes. And in my son service record my date of birth wrongly mentioned is 01/07/1954 instead of 23/06/1958.Vide Affidavit dated 13/09/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, SUNTUKI PRADHAN is legally mother of No 13766419X Rank HAV Name ARUN PRADHAN is presently residing at VILL-11 MILE JORE KHOLA, PO- SONADA TEH-DAJEELING, DISTT-DARJEELING, STATE-WB, PIN-734209 have changed my date of birth from 27 Jan 1968 instead of 13 May 1970. Vide affidavit No. IN-DL54283485116890X Dated 13/09/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, SUNTUKI PRADHAN is legally mother of No 13766419X Rank HAV Name ARUN PRADHAN is presently residing at VILL- 11 MILE JORE KHOLA, PO- SONADA TEH-DAJEELING, DISTT-DARJEELING, STATE-WB, PIN-734209 have changed my name from SUNTUKI PRADHAN to SANTOKI PRADHAN for all future Purposes. Vide affidavit No. IN-DL54284138757847X dated 13/09/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, SHIVAM KASHYAP Son of JC-341329X Rank-SUB Name-SANJAY KUMAR Presently residing at VILL-MURADNAGAR, PO-TAL-BIBYANA, TEH-ANUPSHAHR, DIST-BULANDSHAHR, UTTAR PRADESH-202390, have changed my name from SHIVAM KASHYAP to SHIVAM for all future purposes vide Affidavit dated 15/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ABIDA W/O SHAKEEL AHMAD Residing at H No H NO-C-236 GALI NO-09 CHAUHAN BANGER, JAFRABAD, NORTH EAST DELHI 110053 have changed my name to ABIDA BEGUM for all future purpose.

NAME CHANGE

I, M K RATHOR S/o SH. OM PARKASH R/o H.NO.A-34. Gali No.1, Near Aruna Park, Shakar Pur, Delhi-110092, have changed my name to MANOJ KUMAR permanently.

NAME CHANGE

I SHARNJIT KAUR W/O GURMUKH SINGH R/O H.N0-668, SECTOR-7/B, FARIDABAD-121006 HAVE CHANGE MY NAME TO SHARNJEET KAUR FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I GURMEET KAUR W/O GURMEJ SINGH R/O H.N0-2593,23 MAIN BAZAR CHOWK PRAGDASS AMRITSIR PUNJAB-143001 HAVE CHANGE MY NAME TO GURJEET KAUR FOR ALL PURPOSE

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Ruby R/O C-1243, SARITA VIHAR J J COLONY MADAN PUR KHADAR, Sarita Vihar S.O, South Delhi, Delhi - 110076, declare that name of mine and my father has been wrongly written as Ruby Kumari and Raj kishore in my OBC certificate no 90500001021612.The actual name of mine and my father are RUBY AND RAJ KISHOR,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Mohsin Khan S/o Mr. Mohd Gufran is the owner of Freehold Residential Plot area measuring 599.42 sq. yard., out of Khasra No. 798 mi & 797, situated in the area of Village Masuri, Pargana Dasna Tehsil & District Ghaziabad, U.P., by virtue of Sale Deed dated 05.10.2023 which is duly regd. as Doc no. 10589, in Book No. 1, Vol no. 20847 Page no. ___-352, on this dated 05.10.20223, SR-Sadar II, Ghaziabad. & others Sale Deed., till date and has lost/Misplace his (1) Original Sale Deed dated 30.08.2023 executed by Mr. Abdul Wahab in favour of Mr. Aarish in respect of Plot area measuring 103.33 sq. yard., i.e., 86.39 sq. mtrs., out of Khasra no. 797, which is duly regd. as Doc no. 9165, in Book No. 1, Vol no. 20750 Page no. 261-282, SR-Sadar II, Ghaziabad (2) Original Gift Deed dated 22.08.2022 executed by Mr. Haji Shakeel Ahmad & Mr. Abdul Bahab (Bahab Qureshi) in favour of Mrs. in respect of Plot area measuring 414.62 sq. yard., i.e., 346.66 sq. mtrs., out of Khasra no. 798 mi, which is duly regd. as Doc no. 9303, in Book No. 1, Vol no. 19252 Page no. 395-416, SR-Sadar I, Ghaziabad.. now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Shahdra Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC INFORM THAT MY CLIENT SHRI HARBHAJAN SINGH BHAMBRA, SON OF SH. MALKIT SINGH RESIDENT OF 1900, 11 NEAR E.S.I DISPENSARY CHUNA MANDI PAHAR GANJ, SWAMI RAM TIRTH NAGAR CENTRAL DELHI-110055, HAS SERVERED ALL RELATIONS WITH HIS DAUGHTER NAMELY ACHHAR PAL KAUR WIFE OF SH. NIKUNJ SETH AND HER FAMILY AND HAS DEBARRED AND DISOWNED THEM FROM ALL HIS MOVEABLE AND IMMOVEABLE PROPERTIES ABSOLUTELY AND FOREVER, DUE TO THERE MISVEHAVIOUR AND MIS CONDUCT TO TOWARDS HIS ANY BODY DEALILNG WITH THEM SHALL DO SO AT HIS OWN COST AND RISK.

PUBLIC NOTICE

This is to inform that Smt. Sunita Devi has agreed to create mortgage the described property in favour of my client Aadhar Housing Finance Limited, Delhi Netaji Subhash Place Branch, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely Sh. Jitender have agreed to sell their property "Built-Up Upper Ground Floor, Second Floor & Third Floor with roof rights of Built-Up Property Bearing No. L-59-B, area measuring 60 Sq. Yds., Out of Khasra No. 165/415, 416, situated in the area of Village Nawada, Abadi/Colony known as Rama Park Road, Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi-110059." Hence any other cosharer(s)/or any other legal heir(s) or any previous owner(s) of the above-mentioned property or any other concerned parties (including but not limited to Banks, Financial institutions, NBFCs, HFCs, Govt. Authorities or Semi-Govt. Authorities/bodies) having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange, mortgage (equitable or deposit of title deed otherwise) gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise, how/whosoever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof,failing which the claim or claims, if any, of such person(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned any my client AHFL shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the above-mentioned property.

Dated : 15-09-2025
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

NOTICE

Public at large is hereby informed that my clients Mr. Ranjeet Singh is the owner of Plot no. 144, area measuring 500 sq. mtrs., Block/Pocket no. U, Sector 20, Situated at Gautam Budh Nagar, Noida, U.P. vide Lease Deed Dated 10/09/2021 executed by Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA) in favour of Mr. Ranjeet Singh in respect of Plot no. 144, area measuring 500 sq. mtrs. As Doc. No. 16684, Vol. no. 39407, SR- Sadar Greater Noida Gautam Budh Nagar initially, Yamuna Expressway Industrial Development Authority allotted the said Property in favour of Mr. Vidhyadhar. Later, Agreement to Lease Dated 08/06/2010 executed by YEIDA in favour of Mr. Vidhyadhar in respect of Said Proeprty. (Doc. No. 15732), Later Sh. Vidhyadhar Kumar S/o. Sh. Birbal Ram changed his name to Sh. Ranjeet Singh as per Newspaper Clippings dated 24.01.2013 which published in The Statesman and Vir Arjun. Finally, Lease Deed Dated 10/09/2021 was executed in favour of my abovementioned client in respect of the Said Property. That my client intends to mortgage said immovable property for bonafide requirements to HDFC BANK LTD. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

NEW DELHI
DATE: 15/9/2025

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **संजीव, पुत्र प्रकाश निवासी मकान नंबर 104, सुल्तानपुर, गाजियाबाद यूपी-201206** ने **सीसी नं. 2780/24 धारा 138 एनआई एक्ट, थाना पहाड़गंज, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **संजीव** मिल नही रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **संजीव** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि सीसी नं. 2780/24 धारा 138 एनआई एक्ट, थाना पहाड़गंज, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **संजीव** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **30.10.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री आरुषि परवाल
एलडी. न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-05, एनआई एक्ट, (केन्द्रीय) एनेक्सचर-01
कमरा नं.02, भूतल, तीस हजारी कोर्ट्स, दिल्ली

DP/12241/CD/2025

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है केंद्र व राज्य सरकारः सतीश चंद्र दूबे

एजेंसी

सिरसा। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्रालय राज्यमंत्री सतीश चंद्र दूबे ने कहा कि किसानों के साथ केंद्र व राज्य सरकार पूरी मजबूती के साथ खड़ी है। किसानों की समस्याओं के संबंध में केंद्र व राज्य सरकार के समक्ष मजबूती से मुद्दों को रखा जाएगा और समस्याओं का निवारण करवाया जाएगा। जलभराव सहित फसल बीमा को लेकर किसानों ने जो सुधार की मांग रखी है, उस पर भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला सिरसा के दौरे के दौरान उन्हें जो भी समस्याएं या मांग आमजन की तरफ से मिली है और विभिन्न गांवों का दौरा कर जायजा लिया गया है, उस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर अवगत करवाते हुए मजबूती से समाधान का प्रयास करेंगे। मंत्री दूबे सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार जलभराव व बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए बेहद चिंतित हैं। इसी के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी ड्यूटी सिरसा जिला में लगाई है। वर्षा और बाढ़ प्राकृतिक आपदा होती है, यह हमारे साहस और धैर्य की परीक्षा है। इसके बावजूद केंद्र व प्रदेश सरकार इस संकट की घड़ी में बाढ़ व जलभराव से पीड़ितों के साथ तत्परता से खड़ी है। उन्होंने कहा कि इस बार घग्घर नदी में वर्ष 2008 से भी अधिक पानी आया है।

जींद में असमाजिक तत्वों ने तोड़ा डिप्टी स्पीकर के नाम का शिलान्यास पत्थर

जींद। पटियाला चौक हांसी रोड के निकट संत नगर स्थित खटीक धर्मशाला में दो लोगों ने जमकर तोड़ फोड़ की। यहां तक की धर्मशाला में लगाए गए हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर एवं विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा के शिलान्यास पत्थर को भी तोड़ डाला। यहां मौजूद खटीक बिरादरी के लोगों ने जब तोड़ फोड़ कर रहे लोगों को रोकने की कोशिश की तो उनके साथ गाली गलौज की और बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। शहर थाना पुलिस ने धर्मशाला के कोषाध्यक्ष की शिकायत पर दोनों आरोपितों के खिलाफ तोड़ फोड़ करने, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने सहित विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर लिया है। घटना से समाज के लोगों में भारी रोष है। खटीक धर्मशाला के कोषाध्यक्ष सावित्री नगर निवासी रामसिंह ने बताया कि संत नगर में समाज के लोगों द्वारा धर्मशाला का निर्माण करवाया जा रहा है। जिसमें डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने साढ़े 17 लाख 90 हजार रुपये का अनुदान दिलवाने में सहायता की हुई है। जिस पर समाज के लोगों द्वारा धर्मशाला में डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा के नाम से शिलान्यास बोर्ड लगवाया गया था।

योग निद्रा उत्सव में हजारों बने सहभागी,गुरु मां ने दिया शांति का संदेश

सोनीपत। ऋषि चैतन्य आश्रम गन्नौर में पूज्य आनंदमूर्ति गुरुमां के परम सांनिध्य में तृतीय वैश्विक योग निद्रा उत्सव का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत के 50 से अधिक शहरों के साथ-साथ ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, नेपाल, दुबई और कई अन्य देशों से हजारों साधकों ने एक ही समय पर गुरुमां के मार्गदर्शन में योग निद्रा का अभ्यास किया और परम शांति का अनुभव किया। वैश्विक आयोजन से पूर्व 12 सितम्बर को ऋषि चैतन्य आश्रम में विशेष योग निद्रा सत्र हुआ। इसमें पानीपत इंजीनियरिंग संस्थान के ढाई सौ से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। उन्होंने अभ्यास को अत्यंत लाभकारी और सुकूनदायक अनुभव बताया। योग निद्रा, जिसे योगिक नींद कहा जाता है, एक प्राचीन साधना पद्धति है जो शरीर और मन को गहराई से आराम देती है। आनंदमूर्ति गुरुमां ने दिव्य संदेश में कहा कि इसे आधुनिक जीवनशैली के अनुसार सरल व उपयोगी रूप प्रदान किया है। नियमित अभ्यास से तनाव, चिंता और अवसाद कम होते हैं, आत्मविश्वास बढ़ता है तथा मन अधिक शांत होता है। इस अभ्यास के लाभ वैज्ञानिक शोधों से भी प्रमाणित हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, हैदराबाद के राष्ट्रीय पोषण संस्थान में सात विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा किए गए अध्ययन में पाया गया कि योग निद्रा से रक्तचाप नियंत्रित होता है, मानसिक स्वास्थ्य सुधरता है और कॉर्टिसोल व ट्राईग्लिसराइड्स जैसे हानिकारक तत्व घटते हैं।

गन्नौर में 600 किलो अवैध पटाखे जब्त, फैक्ट्री सील

सोनीपत। सोनीपत जिले में प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने गन्नौर में बड़ी कार्रवाई करते हुए सनपेड़ा रोड स्थित एक फैक्ट्री के गोदाम से करीब 600 किलो अवैध पटाखे बरामद किए हैं। विभाग की टीम ने गोदाम पर छापा मारकर फैक्ट्री को तुरंत सील कर दिया। वरिष्ठ पर्यावरण अभियंता निर्मल कुमार ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री और प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया हुआ है। यह आदेश प्रदूषण नियंत्रण और सुरक्षित वातावरण के लिए दिया गया है। इसके बावजूद अवैध तरीके से पटाखों का भंडारण किया जा रहा था। जब्त पटाखों को सुरक्षित स्थान पर रखा गया है और इन्हें नष्ट करने के लिए संबंधित विभाग को सूचित किया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और आगे भी छापेमारी अभियान जारी रहेगा। इस कार्रवाई से अवैध पटाखा कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। विभाग का कहना है कि भविष्य में भी ऐसे मामलों पर निगरानी रखी जाएगी ताकि अवैध भंडारण पर रोक लग सके।

मुख्यमंत्री नायब सैनी का युवाओं से आह्वान, मेहनत कर लक्ष्य प्राप्त करें

- प्रधानमंत्री मोदी के 2047 के भारत में शिक्षा का रहेगा अहम योगदान
- सैनी शिक्षण संस्थान को 75वें स्थापना दिवस पर दिए 51 लाख रुपए

एजेंसी

रोहतक। प्रधानमंत्री मोदी का 2047 का भारत बिना शिक्षा के पूरा नहीं हो सकता इस सपने को पूरा करने के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को हरियाणा सरकार 2025 में ही लागू करने जा रही है यह कहना है हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का। सीएम सैनी शिक्षण संस्थान के 75 में स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने के लिए पहुंचे थे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने अपने संबोधन में कहा के हरियाणा सरकार ने स्कूलों में डिजिटल एजुकेशन को बढ़ावा दिया है, बच्चों को टेब देने का काम हरियाणा सरकार कर रही है। हरियाणा की धरती से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा शुरू किया गया था अब बेटियों को मुफ्त परिवहन व्यवस्था हरियाणा सरकार ने दी है उच्च शिक्षा पर हरियाणा सरकार काम कर रही है और पांच हजार स्कूलों को वाई-फाई से जोड़ने का काम किया है, यही नहीं 5 लाख टैब भी स्कूलों में विद्यार्थियों को वितरित किए गए हैं। नायब सैनी ने कहा कि प्रदेश में 1000 मॉडल संस्कृति स्कूल बनाए गए हैं और ढाई सौ पीएम श्री स्कूल खोले गए हैं और मुफ्त कोचिंग के लिए सुपर 100 कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने पिछले 10 सालों में 180 हजार युवाओं को बिना खर्ची और बिना पर्ची के सरकारी नौकरी देने का काम किया है । उन्होंने युवाओं से आह्वान किया की आप राष्ट्र का भविष्य है और मेहनत करके अपना लक्ष्य प्राप्त करें साथ ही अभिभावकों से अपील की कि केवल बच्चों को स्कूल में भेज कर अपनी ड्यूटी पूरी न समझें उनके चरित्र निर्माण में भी पूरा सहयोग करें । इस अवसर पर उन्होंने सैनी शिक्षण संस्थान को 51 लाख रुपए देने की घोषणा भी की है।

पलवल में बनने वाला अग्निशमन केंद्र घटनाओं पर काबू पाने में होगा कारगरः गौरव गौतम

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार में खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता तथा कानून एवं विधायी राज्य मंत्री गौरव गौतम ने पलवल के सेक्टर-2 में बनने वाले अग्रिश्मन केंद्र के भूमि पूजन का नारियल तोडकर विधिवत रूप से शुभारंभ किया। भूमि पूजन समारोह में पहुंचने पर खेल मंत्री गौरव गौतम का हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण और जिला प्रशासन की ओर से शानदार स्वागत किया गया। खेल मंत्री गौरव गौतम ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि सेक्टर-2 में करीब डेढ एकड़ में लगभग पांच करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला अग्निशमन केंद्र स्वाभाविक रूप से आगजनी से संबंधित घटना होने पर उसे तुरंत प्रभाव से काबू पाने के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि पलवल के विकास के लिए विकास कार्य तीव्र गति से कराए जा रहे हैं। जो वादे किए थे वो लगातार पूरे करवाए जा रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश व प्रदेश में बिना भेदभाव के समान रूप से विकास हो रहा है। पलवल को स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन और अन्य सभी जरूरी सुविधाओं के लिए विकसित किया जा रहा है। पलवल के विकास कार्यों में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। आने वाले समय में पलवल देश के विकसित और स्वच्छ शहरों में सबसे अग्रणी भूमिका में खड़ा नजर आएगा। इस अवसर पर उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि यह अग्निशमन केंद्र शहर में आने वाले समय में किसी आगजनी जैसी घटना होने पर जल्द काबू पाने में काफी कारगर साबित होगा। इस अवसर पर उन्होंने आमजन से सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान में अपनी भागीदारी देने का आह्वान किया।

हर व्यक्ति को पहुंच रहा सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं का लाभ : बेदी

एजेंसी

जींद। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं का लाभ समाज के आखिरी पायदान पर बैठे व्यक्ति को बाकायदा मिल रहा है। मौजूदा परिपेक्ष्य में सामाजिक व आर्थिक रूप से पिछड़े सामान्य परिवार को भी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सहित सभी कल्याणकारी नीतियों का लाभ मिलने लगा है। चिरायु हरियाणा, आयुष्मान भारत, ऑनलाइन समाज कल्याण के कार्यक्रमों का प्रत्येक पात्र व गरीब व्यक्ति को फायदा मिल रहा है।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी नरवाना स्थित जाट धर्मशाला में रैबारी समाज कल्याण समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। यह कार्यक्रम समिति द्वारा रैबारी समाज के छात्र एवं खिलाड़ियों के सम्मान में 6वें वार्षिक समारोह के रूप में आयोजित किया गया था। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सनातन में विश्वास रखने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपना कार्य शुरू करने से पहले भगवान से सर्व समाज के कल्याण की कामना करता है। अध्यात्मवाद में सम्माहित सर्व कल्याण की परिकल्पना को साकार करने के लिए मौजूदा केंद्र व राज्य सरकार निरन्तर अंत्योदय कल्याण की अवधारणा पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा आदिकाल से कमेरा, मेहनतकश तथा परोपकारी जनमानस की भूमि रहा है

यहां के लोग हमेशा सनातन एवं अध्यात्मवाद को मानते आए हैं और गरीब, बेसहारा तथा जरूरतमंद की सेवा के प्रति समर्पित रहे हैं। सिद्ध शिरोमणि श्री बाबा मस्तनाथ महाराज भी अपने जीवन में समाज की सेवा तथा परोपकार के पैरोकार रहे। बाबा मस्तनाथ की शिक्षाएं वर्तमान में भी मेहनती एवं कर्मशील व्यक्ति के लिए बराबर आदर्श का काम कर रही हैं। कैबिनेट मंत्री ने कार्यक्रम में शिक्षा व खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के सैंकड़ों विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने बाढ़-बरसात व सेमग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर लिया जायजा

एजेंसी

सिरसा। केंद्रीय राज्यमंत्री सतीश चंद्र दूबे ने अपने दौरे के दूसरे दिन सिरसा जिले के चौपटा कस्बे के बाढ़, बरसात व सेमग्रस्त प्रभावित गांवों का दौरा किया और ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानी। ग्रामीणों ने हिसार घग्घर मल्टीपर्पज ड्रेन के तटबंधों को और मजबूत करने, ड्रेन की सफाई करवाने और जलभराव से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की। किसानों ने मांग की कि जलभराव की समस्या का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। जलभराव से ढाणियों, ट्यूबवेल और खेतों को हुए नुकसान का मुआवजा देने की मांग की गई। केंद्रीय राज्यमंत्री ने ग्रामीणों की एक-एक मांग को ध्यान से सुना और हर संभव समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की जो भी समस्याएं या मांगे हैं, उन्हें केंद्र व राज्य सरकार के समक्ष मजबूती के साथ रखा जाएगा। इस दौरान रिलीफ किट भी वितरित की गई। केंद्रीय राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने चोपटा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया। उन्होंने गुडियाखेड़ा गांव में ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। ग्रामीणों ने एक स्वर में हिसार घग्गर ड्रेन की स्थिति को सुधारने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि हिसार घग्गर ड्रेन के अंदर कई जगह मिट्टी और गाद जमा हो गई है, जिसके कारण पानी की निकासी में रुकावट आती है। ग्रामीणों ने सुझाव दिया कि ड्रेन का स्तर जांचा जाए और जरूरत पडने् पर मिट्टी डाली जाए। साथ ही, ड्रेन में उगे पेड़ों को काटकर इसकी पूरी सफाई की जाए। ग्रामीणों ने कहा कि चोपटा क्षेत्र के तरक्कावाली और जांडवाला गांवों के बीच से राजस्थान की भादरा-नोहर तहसील की ओर एक छोटी शाखा निकाली जाए। इससे राजस्थान में पानी की कमी को पूरा किया जा सकेगा और हिसार घग्गर ड्रेन का ओवरफ्लो होने से भी बचा जा सकेगा। यह सुझाव दोनों राज्यों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

सेवा पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए कृषि मंत्री ने अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

कृषि, बागवानी और मत्स्य विभाग मिलकर आयोजित करेंगे जागरूकता कार्यक्रम

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रदेश में सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से प्रारंभ होकर 2 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान प्रदेश भर में कृषि विभाग, बागवानी विभाग और मत्स्य विभाग मिलकर किसानों को केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देंगे तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

मंत्री चंडीगढ़ में आगामी सेवा पखवाड़ा की तैयारियों को लेकर आयोजित विभागीय अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस (17 सितंबर) से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती (2 अक्टूबर) तक चलने वाला यह सेवा पखवाड़ा किसानों तक योजनाओं की पहुंच बनाने का अहम माध्यम होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस सेवा पखवाड़ा को एक जनआंदोलन का रूप दें और गांव-गांव जाकर किसानों से सीधा संवाद करें। उन्होंने निर्देश दिए कि इस पखवाड़ा के दौरान विशेष अभियान चलाकर किसानों को फसल विविधिकरण, आधुनिक कृषि, नई फसल किस्मों, उन्नत बीजों व नवीन रोपण तकनीकों की प्रदर्शनी लगाकर जागरूक करें। इसी तरह से मत्स्य पालन और बागवानी की उन्नत विधियों के बारे में किसानों को जागरूक किया जाए। इसके साथ-साथ प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, हरियाणा सरकार की मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, ड्रिप इरिगेशन, माइक्रो इरिगेशन जैसी योजनाओं की जानकारी भी किसानों तक पहुंचाई जाए। कृषि मंत्री ने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं और उन्हें समय पर जानकारी तथा तकनीकी सहायता देना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। छोटे किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभाग प्रयास करे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सेवा पखवाड़ा के दौरान होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम का विस्तृत कैलेंडर तैयार करें और इसकी रिपोर्ट नियमित रूप से विभाग को भेजें।

वर्ल्ड यूथ फेस्टिवल रूस में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे हरीश पेलक

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार में खेल मंत्री गौरव गौतम से पलवल में जिले के युवा समाजसेवी, साहित्यप्रेमी एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी में फर्स्ट एड लेक्चरर हरीश पेलक ने भेंट की। खेल मंत्री ने हरीश पेलक को रूस की राजधानी मॉस्को में आयोजित होने वाले वर्ल्ड यूथ फेस्टिवल 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित होने पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह अंतरराष्ट्रीय महोत्सव 16 से 21 सितंबर तक आयोजित होगा।

जिले और प्रदेश के लिए गर्व का विषय है कि हरीश पेलक को इस वैश्विक मंच पर आमंत्रित किया गया है। हरीश ने पं. जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय, फरीदाबाद से एम.एससी. (कंप्यूटर साइंस) करने के बाद महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से एम.ए. (राजनीति विज्ञान), एम.एस.डब्ल्यू. (सामाजिक कार्य) और एम.ए. (पत्रकारिता एवं जनसंचार) की उपाधियाँ हासिल कीं। वर्तमान में वे राजनीति विज्ञान में पीएच.डी. कर रहे हैं। साहित्य के प्रति गहरी रुचि रखने वाले हरीश विभिन्न मंचों पर कविताएँ प्रस्तुत कर चुके हैं और युवाओं को साहित्यिक चेतना से जोड़ते रहते हैं। यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय अनुभव नहीं है। वर्ष 2016 में वे भूटान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय युवा नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वहीं 2018 में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत चीन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रम में भी शामिल हुए। हरीश पेलक को अब तक कई बड़े सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। वर्ष 2017 में उन्हें महामहिम राष्ट्रपति द्वारा एनएसएस राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया, वर्ष 2019 में हरियाणा सरकार का राज्य युवा पुरस्कार (प्रथम स्थान) प्राप्त हुआ और मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया।

कुरुक्षेत्र व बाली इंडोनेशिया के बीच शुरू होगा सांस्कृतिक विरासत का नया अध्याय : स्वामी ज्ञानानंद

एजेंसी

चंडीगढ़। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि इंडोनेशिया बाली में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव से कुरुक्षेत्र और बाली के बीच सांस्कृतिक विरासत का एक नया अध्याय शुरू हुआ है। इस सांस्कृतिक अध्याय के साथ इंडोनेशिया और भारत तथा हरियाणा के बीच एक नए संबंधों की भी शुरुआत हुई है। इन्हीं सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए इंडोनेशिया के राज्यपाल की तरफ से कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर महर्षि मार्कंडेय के नाम पर कल्चरल सेंटर विकसित करने का प्रस्ताव भी रखा गया है। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज इंडोनेशिया बाली में छठे अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के समापन समारोह पर बोल रहे थे। इससे पहले गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, हरियाणा के पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा, विदेश मंत्रालय दक्षिण क्षेत्र की सचिव डा. नीना मल्होत्रा, हरियाणा सूचना जनसम्पर्क एवं भाषा विभाग के आयुक्त एवं सचिव डा. अमित अग्रवाल, बाली में भारत के सीजीआई डा.शशांक विक्रम ने छठे अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के समापन समारोह में पवित्र ग्रंथ गीता का पूजन किया और विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में पद्मश्री इंदिरा उदयाना की तरफ से इंडोनेशिया के युवा कलाकारों ने बेहतरीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी और सायं कालीन भक्ति संगीत में शानदार प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। इस समापन समारोह से पहले गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने बाली के राज्यपाल निवास पर बाली के राज्यपाल आई वायन कोस्टर को पवित्र ग्रंथ गीता भेंट की है। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने इंडोनेशिया सरकार और नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड और जीओ गीता के तत्वावधान में इंडोनेशिया बाली में छठे अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का ऐतिहासिक तरीके से कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। इन तीन दिनों में अच्छा अनुभव रहा और यह एक उत्सव ही नहीं अपितु भारत और इंडोनेशिया के सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने का एक माध्यम बनेगा। इस महोत्सव से आर्थिक दृष्टि के साथ साथ सांस्कृतिक मूल्यों को भी महत्व मिलेगा। इससे भारत और इंडोनेशिया बाली के बीच अच्छे दिनों की नई शुरुआत भी हुई है।उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र और बाली तथा इंडोनेशिया और भारत व हरियाणा के बीच सांस्कृतिक दृष्टि से एक नए अध्याय की भी शुरुआत हुई है। इस महोत्सव की महत्ता को देखते हुए इंडोनेशिया बाली के राज्यपाल की तरफ से कुरुक्षेत्र में महर्षि मार्कंडेय के नाम से कल्चरल सेंटर विकसित करने का प्रस्ताव भी आया है। इस महोत्सव के समापन समारोह में वैश्विक गीता पाठ में इंडोनेशिया के युवाओं ने 12वें अध्याय का संस्कृत में अच्छा उच्चारण प्रस्तुत करके सबको आश्चर्यचकित किया है।

आरएएफ प्रशिक्षकों ने पुलिस जवानों को दिया आधुनिक हथियारों का प्रशिक्षण

सोनीपत। सोनीपत पुलिस कर्मचारियों के लिए पुलिस लाइन में आधुनिक हथियार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त अजीत सिंह ने शिविर का नेतृत्व किया। इस अवसर पर रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के प्रशिक्षकों ने जवानों को आधुनिक हथियारों के संचालन, तकनीकी जानकारी और सुरक्षा संबंधी बारीकियों से परिचित कराया। शिविर दो घंटे तक चला। प्रशिक्षण के दौरान जवानों को न केवल सैद्धांतिक जानकारी दी गई बल्कि व्यावहारिक अभ्यास भी करवाए गए। विशेषज्ञों ने बताया कि हथियारों का सुरक्षित और प्रभावी उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है। जवानों ने पूरे उत्साह से भाग लेते हुए नए हथियारों को समझा और अभ्यास किया। सहायक पुलिस आयुक्त अजीत सिंह ने कहा कि वर्तमान समय की चुनौतियों को देखते हुए पुलिस बलको अत्याधुनिक प्रशिक्षण देना आवश्यक है।

जनसेवा के संकल्प को साकार करेगा सेवा पखवाड़ा : ओमप्रकाश धनखड़

ज्योति दर्पण

झज्जर। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि सेवा पखवाड़े का उद्देश्य समाज की अंतिम पंक्ति तक सेवा पहुंचाना और प्रत्येक कार्यकर्ता को जनकल्याण से जोड़ना है।भाजपा के लिए राजनीति सेवा का माध्यम है। उन्होंने यह बात झज्जर कमलम में बादली विधान सभा के कार्यकर्ताओं के लिए सेवा पखवाड़ा को निमित्त कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। राष्ट्र भाषा हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए भाजपा नेता धनखड़ ने कहा कि 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक चलने वाला यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से गांधी जयंती तक सेवा और समर्पण का प्रतीक बनेगा। कार्यशाला में पहुंचने पर जिला भाजपा अध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने कार्यकर्ताओं के साथ धनखड़ का जोरदार स्वागत किया।

धनखड़ ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के दौरान कार्यकर्ता हर पात्र नागरिक तक सेवा योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मददगार बनेंगे और स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने का आह्वान भी करेंगे। पीएम मोदी के आह्वान वोकल फोर लोकल की मुहिम को प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। झज्जर की झाझरी, बहादुरगढ़ के पकौड़े, झज्जर के अमरूद, बेर, बेरी के दही-समोसे, बाजरे से बने बिस्कुट आदि अन्य स्थानीय उत्पादों का जोर शोर से ब्रांड की तरह प्रचार प्रसार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे हरियाणा के हर शहर और गांव की कुछ अच्छी खासियत है। जिनको हम सभी ने मिलकर ब्रांड बनाना है। कार्यशाला में जिला अध्यक्ष विकास वाल्मीकि, दिनेश कौशिक सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे और सभी ने सेवा पखवाड़ा में जन सेवा का संकल्प लिया।

हरियाणा को रचनात्मक संदेश देंगे युवा योद्धा सम्मेलनः दिग्विजय चौटाला

एजेंसी

सिरसा। जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि आगामी 23 सितंबर को सिरसा में युवा योद्धा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जो युवाओं को अपनी राजनीतिक पहचानने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करेगा। दिग्विजय चौटाला सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बतौर युवा जेजेपी के प्रदेशाध्यक्ष उन्हें दो माह पूर्व ही प्रदेशभर के युवाओं को एक मंच पर लाने के लिए युवा जोड़ो अभियान की जिम्मेदारी मिली थी और इस दो माह के दौरान उन्होंने करीब 650 से अधिक गांवों में युवाओं से संपर्क साधकर उन्हें एक मंच पर लाने के लिए युवा योद्धा सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया। इसी कड़ी में पहला सम्मेलन सिरसा में आगामी 23 सितंबर को होगा। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि पार्टी के निर्णयानुसार युवा योद्धा सम्मेलन प्रत्येक सप्ताह हरियाणा के विभिन्न जिलों में आयोजित किए जाएंगे और सिरसा के बाद दूसरा सम्मेलन कैथल जिले में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि युवा जेजेपी द्वारा इन सम्मेलनों को आगामी 13 मार्च से पूर्व सभी जिलों में आयोजित किया जाएगा और 13 मार्च को जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय चौटाला के जन्मदिन पर हरियाणा में किसी एक स्थान पर विशाल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मेलन की आवश्यकता पिछले लंबे समय से महसूस हो रही थी क्योंकि वर्तमान समय में युवाओं के समक्ष बेरोजगारी, महाविद्यालयों में रिक्त पड़ी सीटें, विवि में कट्टरता भरी सोच का प्रसार, महंगी होती शिक्षा, अपराध, नशा जैसी अनेक समस्याओं ने सिर उठाया हुआ है, ऐसे में युवा जेजेपी ने उन्हें देश के राजनीतिक भविष्य में महत्वपूर्ण योगदान देने के उद्देश्य से युवा योद्धा सम्मेलन के रूप में प्राथमिकता से मंच देने का निर्णय लिया है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि युवा वर्ग इस सम्मेलन के माध्यम से सरकार को उनकी गलत नीतियों के लिए चेताएंगे और जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला के सान्निध्य में एवं प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम के नेतृत्व में अपनी रचनात्मकता से पूरे हरियाणा के लिए बड़ा राजनीतिक संदेश देंगे।

16-17 सितंबर को होने वाली बैठक में तय होगा सोने का भविष्य...गिरेगा या फिर और बढ़ेगा

नई दिल्ली

सोने की कीमतों पर अमेरिका की फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) की 16-17 सितंबर को होने वाली नीतिगत बैठक का गहरा असर पड़ने की उम्मीद है। बाजार और निवेशकों की नजर बैठक पर टिकी है क्योंकि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को लेकर एक बड़ा फैसला ले सकता है। अगर फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कड़ा फैसला लेता है, यानी उन्हें बढ़ाता है, तब सोने की कीमतों में 30,000 से 35,000 तक की बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। पिछले चार हफ्तों में सोने की कीमतों में 10 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन फेड की बैठक से पहले निवेशक सतर्क हो गए हैं। वे ऊंचे स्तर पर नए सौदे करने से बच रहे हैं। क्योंकि अगर फेड की होने वाली बैठक में ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी होती है तब सोने की कीमत में बड़ी गिरावट हो सकती है। ऐसा होने पर निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। हाल ही में सोने के दाम बढ़ने के कई कारण हैं, जिसमें वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव शामिल हैं। इन कारणों से सोने को एक सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। इस वजह से दुनियाभर के निवेशक पीली धातु में जमकर पैसा लगा रहे थे क्योंकि रुस-यूक्रेन जंग के बाद से दुनिया में जारी जंग और तनाव के मौहाल में सोना सबसे सुरक्षित निवेश बना हुआ है। वहीं बाजार जानकारों के अनुसार, अमेरिका द्वारा भारतीय सोने पर लगाए गए 50 प्रतिशत आयात शुल्क ने भी कीमतों को बढ़ाने में भूमिका निभाई है। बाजार जानकार का कहना है कि अब सोने की दिशा पूरी तरह से फेड की बैठक के नतीजों पर निर्भर करेगी अगर फेड ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करता, तब सोने की चाल स्थिर रह सकती है। अगर फेड दरों में कटौती करता है, तब सोने की कीमतें और बढ़ सकती हैं।

एनपीसीआई ने पी2एम लेन-देन करने यूपीआई सीमा 10 लाख रुपए प्रतिदिन की

मुंबई

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) भुगतानों के लिए यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपए प्रतिदिन कर दिया है। यह नई सीमा सोमवार से लागू हो गई है। इस कदम का उद्देश्य प्रमुख क्षेत्रों में बड़े भुगतानों को सुगम बनाना और उच्च-मूल्य वाले क्षेत्रों में डिजिटल अपनाने को बढ़ावा देना है। हालांकि एनपीसीआई ने पर्सन-टू-पर्सन (पी2पी) सीमा को एक लाख रुपए प्रतिदिन पर बनाए रखा है।इससे पहले बड़े लेनदेन करने वाले यूजर्स को लिमिट का सामना करना पड़ता था, जिससे उन्हें भुगतान टुकड़ों में या चेक और बैंक ट्रांसफर जैसे पारंपरिक तरीकों पर लौटने के लिए मजबूर होना पड़ता था। नए फ्रेमवर्क के तहत कैपिटल मार्केट और इंश्योरेंस पेमेंट के लिए प्रति लेनदेन सीमा दो लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दी है, जबकि दैनिक सीमा 10 लाख रुपए है। सरकारी ई-मार्केटप्लेस लेनदेन की सीमा एक लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख रुपए प्रति लेनदेन कर दी गई है। यात्रा बुकिंग, ऋण चुकाना और ईएमआई संग्रह के लिए प्रति लेनदेन सीमा भी एक लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दी गई है।क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान के लिए भी एक ही लेनदेन में पांच लाख रुपए तक की अनुमति है, हालांकि 24 घंटे की सीमा 6 लाख रुपए तय की गई है। ऋण और ईएमआई के लिए यूजर्स अब प्रति लेनदेन पांच लाख रुपए का भुगतान कर सकते हैं।

बीमा सेक्टर में 100 फीसदी एफडीआई का प्रस्ताव शीतकालीन सत्र में हो सकता है पेश

नई दिल्ली

वित्त मंत्रीमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि बीमा सेक्टर में 100 फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने वाला बीमा संशोधन विधेयक संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पेश किया जा सकता है। संसद का शीतकालीन सत्र आमतौर पर नवंबर के आखिर में शुरू होता है। बता दें वित्त मंत्री ने इस साल के बजट भाषण में नई पीढ़ी के फाइनेंशियल सेक्टर सुधारों के तहत बीमा सेक्टर में विदेशी निवेश की सीमा को मौजूदा के 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी करने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा कि यह बढ़ी हुई सीमा उन कंपनियों के लिए उपलब्ध होगी जो अपना पूरा प्रीमियम भारत में निवेश करती हैं। विदेशी निवेश से जुड़ी मौजूदा पाबंदियों और शर्तों की समीक्षा की जाएगी और उन्हें सरल बनाया जाएगा।अब तक बीमा सेक्टर ने एफडीआई के जरिए 82,000 करोड़ रुपए आकर्षित किए हैं। वित्त मंत्रालय ने बीमा अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव रखा है, जिसमें बीमा सेक्टर में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को बढ़ाकर 100 फीसदी करना, चुकता पूंजी में कमी और एक समग्र लाइसेंस का प्रावधान शामिल है। एक व्यापक विधायी प्रक्रिया के तहत, जीवन बीमा निगम और बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण में बीमा अधिनियम-1938 के साथ-साथ संशोधन किया जाएगा। एलआईसी अधिनियम में संशोधनों का प्रस्ताव है कि इससे बोर्ड को शाखा विस्तार और भर्ती जैसे परिचालन संबंधी निर्णय लेने का अधिकार दिया जाए।प्रस्तावित संशोधन मुख्य रूप से पॉलिसीधारकों के हितों को बढ़ावा देने, उनकी वित्तीय सुरक्षा बढ़ाने और बीमा बाजार में ज्यादा कंपनियों के प्रवेश को सुगम बनाने पर केंद्रित हैं, जिससे आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। ऐसे बदलाव बीमा उद्योग की दक्षता बढ़ाने, कारोबार सुगमता और 2047 तक सभी के लिए बीमा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बीमा की पहुंच बढ़ाने में मदद करेंगे। 1938 का बीमा अधिनियम भारत में बीमा के लिए विधायी ढांचा प्रदान करने वाला प्रमुख अधिनियम है। यह बीमा कारोबार के कामकाज के लिए रूपरेखा प्रदान करता है और बीमाकर्ता, उसके पॉलिसीधारकों, शेयरधारकों और नियामक इरडा के बीच संबंधों को नियंत्रित करता है।

नया प्रस्तावः दो दशक तक डेटा सेंटर डेवलपर्स को मिलेगी कर में छूट

नई दिल्ली

सरकारी नियम और गाइडलाइन को फॉलो करने वाले देश दुनिया के तमाम डेटा सेंटर डेवलपर्स को दो दशक तक टैक्स में छूट देने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। मसौदे के अनुसार इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय नए डेटा सेंटर के निर्माण, हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग के लिए उपकरणों और डेटा सेंटर में चलने वाले बिजली के अन्य सिस्टमों जैसी पूंजीगत संपत्तियों पर लगने वाले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पर इनपुट टैक्स क्रेडिट देने का अनुरोध वित्त मंत्रालय से कर सकता है। 2025 की डेटा सेंटर नीति के मसौदे के अनुसार कम से कम 100 मेगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर चलाने वाले या भारतीय कंपनियों से उन्हें पट्टे पर लेने वाली विदेशी कंपनियों को भी स्थायी प्रतिष्ठान का दर्जा दिया जा सकता है। इसके लिए, जल्द ही दिशानिर्देश तैयार होने की उम्मीद है।मसौदे में प्रस्ताव है कि राज्यों को डेटा सेंटर का बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए औद्योगिक गलियारों, आईटी हब या विनिर्माण क्लस्टरों के पास जमीन मुहैया करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस जमीन पर भी ऐसे केंद्रों के लिए खास क्षेत्र तय किए जाएंगे। नई नीति के मसौदे में यह भी कहा गया है कि आईटी मंत्रालय को बिजली मंत्रालय, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, सेंट्रल ट्रांसमिशन यूटिलिटी ऑफ इंडिया तथा अन्य प्रमुख सरकारी संस्थाओं के साथ तालमेल बिठाकर डेटा सेंटरों के लिए बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। उक्त अधिकारी ने कहा, बिजली की उपलब्धता डेटा सेंटरों की प्रमुख मांगों में है।

हमारे लिए जरूरी है कि नए डेटा सेंटरों को अक्षय ऊर्जा का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। हमने नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और भंडारण के लिए समान दिशा निर्देश जैसे कुछ बदलाव प्रस्तावित किए हैं तथा डेटा सेंटर पार्कों के पास छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों को प्रोत्साहन देने का भी विचार है।

नई नीति में कहा गया है कि इसका लाभ लेने की पात्र कंपनियों को उसी शहर में या किसी नई जगह नया आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) डेवलपमेंट या मॉडलिंग सेंटर या ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) स्थापित करने का हौसला मिल सकता है। नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर एक अधिकारी ने कहा, इससे महानगरों में ही नहीं बल्कि छोटे-मझोले शहरों और कस्बों में भी एआई तथा मशीन लर्निंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा जैसी उन्नत प्रौद्योगिकी में नया रोजगार आएगा।

विदेशी संस्थागत निवेशक निकाल रहे भारत से पैसा....चीन और जापान में निवेश

नई दिल्ली

विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआईएस) लगातार भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे हैं और बिकवाली का स्तर करीब रिकॉर्ड तक पहुंच गया है। जानकार का कहना है कि इसका बड़ा हिस्सा चीन और अन्य एशियाई बाजारों में जा रहा है, जहां वैल्यूएशन भारत की तुलना में सस्ता है और इस साल का प्रदर्शन भी बेहतर रहा है।विश्लेषकों के मुताबिक भारतीय बाजार को हमेशा प्रीमियम मिला है लेकिन हाल की कमजोर तिमाही नतीजों और सुस्त अर्निंग ग्रोथ ने विदेशी निवेशकों का भरोसा तोड़ा। इसके उलट घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआईएस) लगातार खरीदारी कर रहे हैं। उम्मीद है कि अगर आने वाले महीनों में अर्निंग्स में सुधार होता है, तब एफआईआई निवेश फिर से लौट सकता है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने और कंपनियों के निराशाजनक रिजल्ट्स ने विदेशी निवेशकों की धारणा को कमजोर किया है। सर्वे के अनुसार, 30 प्रतिशत ग्लोबल फंड मैनेजर्स फिलहाल भारत को अंडरवेट मान रहे हैं,

जबकि जापान और चीन उनकी नई पसंद बने हुए हैं। सिर्फ जुलाई में ही विदेशी निवेशकों ने भारतीय टेक शेयरों से करीब 20,000 करोड़ की हिस्सेदारी घटाई। आईटी कंपनियों के कमजोर आउटलुक, डॉलर की मजबूती और ऊंची बॉन्ड यील्ड्स ने मिलकर बाजार पर दबाव बढ़ाया है। नतीजतन, बीते डेढ़ महीने में भारत ने अपने एशियाई साथियों की तुलना में कमजोर प्रदर्शन किया है।

सैमसंग का नया गैलेक्सी एस25 एफई लॉन्च

नई दिल्ली सैमसंग का नया गैलेक्सी एस25 एफई भारत में लॉन्च हो चुका है। अब टिप्स्टर योगेश ब्रार ने दावा किया है कि इसका शुरुआती वेरिएंट 59,999 रुपये में आ सकता है। सैमसंग गैलेक्सी एस25 एफई में 6.7-इंच एफएचडी प्लस डायनामिक अमोलेड 2एक्स डिस्प्ले है, जो 120 एचर्ट्ज़ रिफ्रेश रेट और विजन बुस्टर टेक्नोलॉजी के साथ आता है। फोन में 50एमपी ओआईएस मेन कैमरा, 12एमपी अल्ट्रा-वाइड और 8एमपी टेलीफोटो लेंस दिया गया है। सेल्फी के लिए इसमें 12एमपी फ्रंट कैमरा मौजूद है। यह स्मार्टफोन सैमसंग के एक्सीनोस 2400 चिपसेट से लैस है, जो 4 एनएम फैब्रिकेशन पर आधारित डेका-कोर प्रोसेसर है। इसमें 8जीबी रैम और 128जीबी, 256जीबी तथा 512 जीबी तक स्टोरेज विकल्प मिलेंगे। यह फोन आरमोर एल्युमिनियम फ्रेम और आईपी68 रेटिंग के साथ आता है, यानी यह डस्ट और वॉटर रेजिस्टेंट है। इस फोन का मुकाबला भारत में आईक्यूओ 13, वनप्लस 13 और गूगल पिक्सल 9 प्रो जैसे फ्लैगशिप डिवाइस से होगा। बैटरी 4,900 एमएएच की है, जो 45वॉट फास्ट चार्जिंग और वायरलेस चार्जिंग दोनों सपोर्ट करती है। गैलेक्सी एस25 एफई एंड्रॉएड 16 आधारित वन यूआई 8 पर चलता है।

केआरबीएल ने किया अपने शेयरधारकों को 3.5 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान

नई दिल्ली एग्रीकल्चर प्रोडक्ट सेक्टर की दिग्गज कंपनी केआरबीएल लिमिटेड ने वित्त वर्ष 31 मार्च 2025 को खत्म होने पर अपने शेयरधारकों के लिए फाइनल डिविडेंड 3.5 रुपए प्रति शेयर देने का ऐलान किया है। कंपनी का मार्केट कैप करीब 10,165 करोड़ रुपए है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि 17 सितंबर बुधवार को रिकॉर्ड डेट तय की है। इसका मतलब है कि इस दिन जिन निवेशकों के पास कंपनी के शेयर होंगे, वही फाइनल डिविडेंड पाने के हकदार होंगे। कंपनी का फेस वैल्यू 1 रुपए प्रति शेयर है और उस पर 350 फीसदी यानी 3.5 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड घोषित किया गया है।केआरबीएल लिमिटेड लगातार अपने निवेशकों को डिविडेंड देती रही है। पिछले साल कंपनी ने 4 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड घोषित किया था। उससे पहले 2023 में 1 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड और शेयर बायबैक किया था। वहीं, 2022 में भी कंपनी ने 3.5 रुपए प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड दिया था। बता दें शुक्रवार को बीएसई पर केआरबीएल का शेयर 0.7 फीसदी या 3.05 रुपए गिरकर 444.10 रुपए पर बंद हुआ, जबकि पिछले कारोबारी दिन यह 447.15 रुपए पर बंद हुआ था।

सोने में गिरावट, चांदी कमजोर शुरुआत के बाद उछली

नई दिल्ली घरेलू बाजार में सोने में गिरावट आई है। वहीं चांदी में शुरुआती गिरावट के बाद बढ़त दर्ज की गयी। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दोनों ही कीमती धातुओं के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले पर बाद में चांदी की कीमतें ऊपर आयीं। वहीं गत सप्ताह ही चांदी की कीमतें अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच गयीं। घरेलू बाजार में सोने के भाव 1,09,200 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,29,000 रुपये पर कामकाज कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी की वायदा कीमतों में गिरावट रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध 115 रुपये नीचे आकर 1,09,255 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,09,370 रुपये था। एक समय ये अनुबंध 131 रुपये की गिरावट के साथ 1,09,239 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,09,265 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,09,150 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव ने इस माह 1,09,840 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया।चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध 1,717 रुपये की गिरावट के साथ 1,27,121 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,28,838 रुपये था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोमवार को सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई कॉमेक्स पर सोना 3,6780.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 3,686.40 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 6.90 डॉलर की गिरावट के साथ 3,679.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने 3,715 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 118.96 अंक टूटकर 81,785.74 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 44.80 अंक नीचे आकर 25,069.20 पर बंद हुआ।वहीं लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप में भी खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 258.90 अंक बढ़कर 58,486.10 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 137.10 अंक ऊपर आकर 18,127 पर बंद हुआ।वहीं सेक्टोरल आधार पर देखें तो पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, मेटल, रियल्टी, एनर्जी, प्राइवेट बैंक और इन्फ्रा शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि ऑटो, आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, कंजप्शन और सर्विसेज के शेयर गिरावट पर बंद हुए। सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, एसबीआई, ट्रेंट और आईसीआईसीआई बैंक टॉप के शेयर लाभ में रहे जबकि एमएंडएम, एशियन पेंट्स, इंफोसिस, टाइटन, सन फार्मा, टीसीएस, टेक महिंद्रा और टाटा स्टील के शेयरों में नुकसान हुआ। भारतीय इक्विटी बाजारों की आज मिली-जुली शुरुआत हुई थी, लेकिन अंतिम कारोबारी घंटों में बिकवाली रही। इस सप्ताह के अंत में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति घोषणा को लेकर भी निवेशकों ने सावधानी बरती। बाजार की आज सुबह सपाट शुरुआत हुई। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों पर फैसले से पहले निवेशकों

ने सतर्क रुख अपनाया। सेंसेक्स 20 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 81,925.51 अंक पर खुला। वहीं कुछ ही देर में इसमें गिरावट आने लगी। सुबह सेंसेक्स 39.76 अंक टूटकर 81,864.94 पर कारोबार कर रहा था।वहीं इसी प्रकार निफ्टी भी बढ़कर खुला पर कुछ देर बाद ही नीचे आने लगी। कुछ समय बाद ही ये 25,092 पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती और इस महीने वस्तु एवं सेवा कर में बदलाव के बाद भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक ने भारतीय शेयरों में बिकवाली जारी रखी है। वहीं एशियाई बाजारों में सोमवार को मिलाजुला रुख देखने को मिला। अमेरिकी वॉल स्ट्रीट पर नैस्डैक कंपोजिट ने एक और रिकॉर्ड हाई दर्ज किया। यह लगातार दूसरे सप्ताह 2 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो अगस्त की शुरुआत के बाद से इसका बेस्ट वीकली प्रदर्शन है। जबकि डॉव में 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव आया

नई दिल्ली घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। चारों महानगरों में दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये जबकि डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर है। वहीं मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर जबकि कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें पिछले कई दिनों से 67 डॉलर के आसपास बनी हुई हैं। इससे घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर भी प्रभाव पड़ा है तेल कंपनियों की ओर से सुबह पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट रही। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल की कीमतें 35 पैसे कम हुई हैं, बिहार में भी इसकी कीमतें में कमी आई है हालांकि तेल कंपनियों ने चारों महानगरों में तेल कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। तेल कंपनियों के अनुसार गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल की कीमतें 35 पैसे कम हुई हैं और ये 94.77 रुपये लीटर जबकि डीजल 40 पैसे नीचे आकर 89 रुपये लीटर पहुंच गया है। लखनऊ में भी पेट्रोल 11 पैसे गिरावट के साथ 94.58 रुपये लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 13 पैसे गिरकर 87.68 रुपये लीटर बिक रहा है। दूसरी ओर बिहार में तेल की कीमतें बढ़ी हैं। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 51 पैसे बढ़त के साथ 106.11 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 49 पैसे बढ़कर 92.32 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतें मामूली रूप से बढ़ गई हैं। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 67.07 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है।

अगस्त माह में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 0.52 प्रतिशत

नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त माह में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर 0.52 प्रतिशत रही। जुलाई में यह -0.58 प्रतिशत पर थी।अगस्त में महंगाई दर सकारात्मक रहने की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों, अन्य विनिर्मित वस्तुओं, गैर-खाद्य उत्पादों, गैर-धात्विक खनिज उत्पादों और परिवहन उपकरणों की कीमतों में बढ़ोतरी रही। जुलाई में थोक महंगाई दर घटकर माइनस 0.58 प्रतिशत पर आ गई थी, जो बीते दो साल का निम्न स्तर था। इससे पहले जून 2023 में यह माइनस 4.12 प्रतिशत रही थी। वहीं, मई 2025 में डब्ल्यूपीआई 0.39 प्रतिशत और अप्रैल 2025 में 0.85 प्रतिशत पर दर्ज हुई थी।रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई माइनस 4.95 से बढ़कर माइनस 2.10 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई माइनस 2.15 से बढ़कर 0.21 प्रतिशत हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर माइनस 2.43 प्रतिशत से घटकर माइनस 3.17 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 2.05 प्रतिशत से बढ़कर 2.55 प्रतिशत रही। वहीं अगस्त में रिटेल महंगाई दर जुलाई के 1.61 प्रतिशत से थोड़ा बढ़कर 2.07 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इसकी वजह खाने-पीने की कुछ वस्तुओं की कीमतों में हल्की बढ़ोतरी है। रिटेल महंगाई के आंकड़े 12 सितंबर को जारी हुए थे।डब्ल्यूपीआई बास्केट का सबसे बड़ा हिस्सा विनिर्मित उत्पादों का है। अगस्त में इनकी कीमतें जुलाई के मुकाबले 0.21 फीसदी बढ़ीं। खाद्य उत्पादों, वस्त्रों, विद्युत उपकरणों, अन्य परिवहन उपकरणों और मशीनरी की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई। वहीं, बेसिक मेटल, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल प्रोडक्ट्स, परिधान, लकड़ी और उससे बने उत्पादों तथा फर्नीचर की कीमतें इस दौरान घट गईं। इसी बीच, खुदरा महंगाई दर (सीपीआई) भी अगस्त में बढ़कर 2.07 फीसदी पर पहुंच गई, जो जुलाई में 1.61 फीसदी थी।

अगस्त में मारुति सुजुकी अर्टिगा ने बाजी मारी

नई दिल्ली अगस्त 2025 में भारतीय बाजार में कार बिक्री के आंकड़े जारी हुए हैं। अगस्त महीने में बिक्री के मामले में मारुति सुजुकी अर्टिगा ने बाजी मारी है। एमपीवी सेगमेंट की इस कार ने 18,365 यूनिट्स की बिक्री के साथ देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनकर सबको पीछे छोड़ दिया।दूसरे नंबर पर मारुति सुजुकी डिजायर रही, जिसकी बिक्री 55 प्रतिशत बढ़कर 16,509 यूनिट्स रही। तीसरे पर हयूंदै क्रेटा रही, हालांकि इसकी बिक्री 5 प्रतिशत घटकर 15,924 यूनिट्स रही। चौथे पर वेगनआर रही, जिसकी बिक्री 14,552 यूनिट्स रही। टॉप-5 में टाटा नेक्सान भी शामिल रही, जिसने 14,004 यूनिट्स बेचीं।

वहीं, मारुति ब्रेज़ा की बिक्री 29 प्रतिशत गिरकर 13,620 यूनिट्स रही। इसके अलावा बलेनो (12,549 यूनिट्स), फ्रोंक्स (12,422 यूनिट्स) और स्विफ्ट (12,385 यूनिट्स) ने टॉप-10 में जगह बनाई। दसवें नंबर पर मारुति इको रही, जिसकी बिक्री 10,785 यूनिट्स रही। महिंद्रा स्कार्पियो 9,840 यूनिट्स के साथ 12वें स्थान पर रही, जबकि टोयोटा इनोवा 9,304 यूनिट्स के साथ 13वें स्थान पर। किआ सोनेट, महिंद्रा बोलेरो और हयूंदै वेन्यू ने भी अच्छी बिक्री दर्ज की। 25वें नंबर पर टोयोटा ग्लांझा रही, जिसकी 5,102 यूनिट्स बिकीं।

पुरानी कार मालिकों की जेब पर बढ़ेगा बोझ

नई दिल्ली सड़क परिवहन मंत्रालय ने पुराने वाहनों की फिटनेस टेस्ट फीस में भारी बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव के लागू होने के बाद अगर आपके पास 20 साल से पुरानी कार है, तो अब जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ने वाला है। नए नियम लागू होने पर कार मालिकों को फिटनेस टेस्ट कराने के लिए 2,600 रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। वहीं, 15 साल से पुराने ट्रक और बसों की फिटनेस फीस 25,000 रुपये तक होगी। अब तक रजिस्ट्रेशन के 15 साल पूरे होने पर आरटीओ महज औपचारिक जांच कर फिटनेस सर्टिफिकेट दे देता था। लेकिन अब प्रस्ताव है कि हर 15 साल पुराने वाहन को स्वचालित मशीनों पर तकनीकी टेस्ट से गुजरना होगा। सरकार का तर्क है कि पुराने वाहन प्रदूषण और सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह हैं। बढ़ी हुई फीस से लोग नई गाड़ियां खरीदने की ओर बढ़ेंगे और पुराने वाहनों को धीरे-धीरे हटाया जा सकेगा। कमर्शियल वाहनों पर असर सबसे ज्यादा होगा।प्रस्ताव के अनुसार, 10, 13, 15 और 20 साल पुराने ट्रक-बसों की फीस अलग-अलग तय की जाएगी। खासतौर पर छोटे ऑपरेटरों के लिए ये नई लागत भारी पड़ सकती है, क्योंकि वे पहले ही ईंधन और टैक्स की मार झेल रहे हैं। वर्तमान नियमों के अनुसार, कमर्शियल वाहन आठ साल तक हर दो साल में फिटनेस टेस्ट से गुजरते हैं और उसके बाद हर साल।

ओजोन परतः जीवन की ढाल और उसके संरक्षण का संकल्प

ललित गर्ग

धरती पर बढ़ रही पर्यावरण विनाश की गतिविधियों के कारण ओजोन परत का क्षरण होने लगा, जब 1970 के दशक के अंत में वैज्ञानिकों को पता चला कि मानव निर्मित प्रकृति दोहन इस सुरक्षा कवच में छेद कर रही है, तो उन्होंने चिंता जताई। ओजोन परत में यह छेद दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, जो रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर जैसे एयरोसोल और शीतलन उपकरणों में इस्तेमाल होने वाली ओजोन-क्षयकारी गैसों (ओडीएस) के कारण हो रहा था, जिससे त्वचा कैंसर और मोतियाबिंद के मामलों में वृद्धि और पौधों, फसलों और पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुँचाने का खतरा पैदा कर रहा था।

ओजोन परत पृथ्वी पर मानव जीवन की ढाल है, क्योंकि यह समताप मंडलीय परत पृथ्वी को सूर्य की अधिकांश हानिकारक पराबैंगनी विकिरण से बचाती है। सूर्य के प्रकाश के बिना मानव, प्रकृति एवं जीव-जंतुओं का जीवन को संभव नहीं है, लेकिन सूर्य की सीधी किरणें मानव के लिये हानिकारक भी है, इन हानिकारक किरणों से ओजोन परत ही रक्षा करती है, जीवन को संभव बनाती है। धरती पर बढ़ रही पर्यावरण विनाश की गतिविधियों के कारण ओजोन परत का क्षरण होने लगा, जब 1970 के दशक के अंत में वैज्ञानिकों को पता चला कि मानव निर्मित प्रकृति दोहन इस सुरक्षा कवच में छेद कर रही है, तो उन्होंने चिंता जताई। ओजोन परत में यह छेद दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, जो रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर जैसे एयरोसोल और शीतलन उपकरणों में इस्तेमाल होने वाली ओजोन-क्षयकारी गैसों (ओडीएस) के कारण हो रहा था, जिससे त्वचा कैंसर और मोतियाबिंद के मामलों में वृद्धि और पौधों, फसलों और पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुँचाने का खतरा पैदा कर रहा था। ओजोन परत का क्षरण एक गंभीर खतरा एवं चुनौती के रूप में सामने आया। इसलिये वियना कन्वेंशन में ओजोन के संरक्षण के लिये प्रतिवर्ष विश्व ओजोन दिवस मनाया जाने लगा। इस वर्ष हम वियना कन्वेंशन की 35वीं वर्षगांठ और वैश्विक ओजोन परत संरक्षण की 35वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। हर साल, विश्व ओजोन दिवस वर्तमान चुनौतियों और प्रगति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक अनूठी थीम पर मनाया जाता है। 2025 का आधिकारिक थीमःजीवन के लिए ओजोन' है। यह थीम हमारे ग्रह के लिए एक प्रभावी एवं रक्षात्मक ढाल के रूप में ओजोन परत के निरंतर महत्व पर प्रकाश डालती है और मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की वैश्विक सफलता और भविष्य की संभावनाओं का जश्न मनाती है। पृथ्वी की सतह से 10 से 40 किलोमीटर ऊपर समताप मंडल में स्थित ओजोन परत हमें हानिकारक पराबैंगनी विकिरण (यूवी रेडियेशन) से बचाती है। यह सुरक्षात्मक परत, जिसे स्ट्रैटोस्फेरिक ओजोन या अच्छी ओजोन के रूप में जाना जाता है, मोतियाबिंद और त्वचा कैंसर जैसे प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों को रोकती है तथा कृषि, वानिकी और जलीय जीवन की रक्षा करती है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि ओजोन परत केवल एक वैज्ञानिक शब्द नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा कवच है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1994 में स्थापित, यह दिवस 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर की तिथि को चिह्नित करता है, जो एक महत्वपूर्ण घटना थी जब दुनिया ओजोन परत को नुकसान पहुँचाने वाले पदार्थों को नियंत्रित करने के लिए

एकजुट हुई थी। ओजोन परत पृथ्वी के समताप मंडल में स्थित है और सूर्य की अधिकांश हानिकारक पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करती है, जिससे इसका संरक्षण सभी प्रकार के जीवन के लिए आवश्यक है। इस दिवस का उद्देश्य ओजोन परत के क्षरण को रोकना और पर्यावरणीय संतुलन की रक्षा करना है। यदि यह परत क्षतिग्रस्त हो जाए तो पृथ्वी पर जीवन असुरक्षित हो जाएगा। महात्मा गांधी ने कहा था कि प्रकृति हर व्यक्ति की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त साधन देती है लेकिन लालच को पूरा करने के लिए नहीं। यही कथन आज ओजोन संकट की मूल जड़ को समझाता है।

ओजोन परत के क्षरण के मुख्य कारणों में क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) युक्त गैसें हैं जो फ्रिज, ए.सी., एरोसोल स्प्रे और फोम में प्रयुक्त होती हैं। वाहनों और उद्योगों से निकलने वाले प्रदूषक, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग तथा वनों की अंधाधुंध कटाई और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन भी इसके प्रमुख कारण हैं। इसका सीधा प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। त्वचा कैंसर और आँखों का मोतियाबिंद बढ़ रहा है, रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो रही है और बच्चों व बुजुर्गों में श्वसन संबंधी बीमारियाँ तेजी से फैल रही हैं। ओजोन क्षरण जलवायु परिवर्तन और मौसम की चरम स्थितियों को भी जन्म देता है। ग्लेशियर पिघलने की गति तेज हो रही है, समुद्र तल बढ़ रहा है जिससे तटीय शहर खतरे में हैं और बेमौसम बारिश, लू तथा चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाएँ आम होती जा रही हैं। पर्यावरण पर भी इसका गहरा असर देखा जा रहा है। पौधों की वृद्धि और फसल उत्पादन प्रभावित हो रहा है, जल-जीवों और समुद्री पारिस्थितिकी को हानि पहुँच रही है और जैव विविधता असंतुलित हो रही है।

बढ़ते प्रदूषण और वाहन संकट ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। वाहनों से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसें और धुआँ न केवल वायु प्रदूषण को बढ़ा रहे हैं बल्कि ओजोन परत को भी कमजोर कर रहे हैं। महानगरों में दमघोंटू धुआँ, बदली हुई वर्षा प्रणाली और सांस की बीमारियाँ इसी का परिणाम हैं। इस संकट से निपटने के लिए हमें ठोस कदम उठाने होंगे। पर्यावरण-अनुकूल तकनीक का प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन और साइकिल जैसी स्वच्छ यातायात व्यवस्था का अपनाना, पेड़ लगाना और वनों का संरक्षण करना, सीएफसी और हानिकारक रसायनों पर नियंत्रण तथा सौर, पवन और जल जैसी नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करना आज की आवश्यकता है। ओजोन परत पृथ्वी के जीवन की प्राकृतिक ढाल है। यदि यह नष्ट हो गई तो जीवन की सुरक्षा संकट में पड़ जाएगी।

ओजोन परत का संरक्षण एवं संवर्द्धन का संकल्प दशार्ता है कि विज्ञान द्वारा निर्देशित सामूहिक निर्णय और कार्रवाई ही प्रमुख वैश्विक संकटों का समाधान है। कोरोना वायरस महामारी जैसे महासंकटों ने इतनी सामाजिक और आर्थिक कठिनाइयाँ पैदा की हैं, ओजोन संधियों का सद्भाव और सामूहिक भलाई के लिए मिलकर काम करने का संदेश पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक हो गया है। इस दिवस का नारा, 'जीवन के लिए ओजोन', हमें याद दिलाता है कि ओजोन न केवल पृथ्वी पर जीवन के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए ओजोन परत की रक्षा करते रहना चाहिए। अध्ययनों से पता चल रहा है कि तापमान, पराबैंगनी विकिरण और वर्षा की आवृत्ति कुछ पौधों की प्रजातियों के जीवित रहने के लिए उपयुक्त आवासों की उपलब्धता या सीमा निर्धारित करने वाले प्रमुख कारक हैं। पराबैंगनी-बी विकिरण और जलवायु परिवर्तन से जुड़े कारक पौधों की वृद्धि, रोगाणुओं और कीटों से बचाव, और खाद्य फसलों की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। मानव स्वास्थ्य पर, पराबैंगनी विकिरण के गंभीर नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं, हालाँकि, मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल ने बड़ी संख्या में मामलों और मौतों को रोकने में अहम भूमिका निभाई है। प्रदूषण के संदर्भ में, पराबैंगनी विकिरण वायुमंडल की संरचना और गुणवत्ता पर; मानव, स्थलीय और जलीय पर्यावरण के स्वास्थ्य पर; गहरा प्रभाव डाल सकता है। यह प्लास्टिक प्रदूषकों के विघटन को बढ़ावा देता है जिसका मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है।

शहरी और महाद्वीपीय स्तर के वायु प्रदूषण में यूवी विकिरण एक प्रमुख कारक है क्योंकि मानवीय गतिविधियों और प्राकृतिक प्रक्रियाओं से उत्सर्जित कई कार्बनिक यौगिक सौर यूवी विकिरण द्वारा विषाक्त उत्पादों में परिवर्तित हो जाते हैं, जिससे वायु की गुणवत्ता कम हो जाती है और मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचता है। यूवी विकिरण जलीय वातावरण में प्रदूषकों के विघटन का एक प्रमुख कारण भी है, जिससे विषाक्त और कैंसरकारी उत्पाद उत्पन्न होते हैं। वायु की गुणवत्ता क्षोभमंडल में सौर यूवी विकिरण पर निर्भर करती है और इस प्रकार समतापमंडलीय ओजोन परत की मोटाई पर निर्भर करती है तथा यह समतापमंडल से क्षोभमंडल तक ओजोन के परिवहन से प्रभावित होती है। ओजोन परत का संरक्षण और संवर्धन इसलिए अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यही परत सूर्य की घातक पराबैंगनी किरणों से धरती पर जीवन की रक्षा करती है। इसके बिना न तो मानव जीवन सुरक्षित रह सकता है, न ही पृथ्वी पर हरियाली, जल और प्राणी जगत का अस्तित्व संभव है। ओजोन का क्षरण हमारे स्वास्थ्य, पर्यावरण और भविष्य तीनों के लिए खतरे की घंटी है, इसलिए विश्व ओजोन दिवस केवल एक औपचारिक दिवस नहीं बल्कि यह संकल्प लेने का अवसर है कि हम प्रदूषण को रोकेंगे, हरियाली को बढ़ाएँगे, ऊर्जा के स्वच्छ साधनों का प्रयोग करेंगे और इस जीवनदायिनी ढाल को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

संपादकीय

कांटों भरी राह

नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रहीं सुशीला कार्की को पहली अंतरिम महिला प्रधानमंत्री की शपथ दिलाई गई है। उन्होंने केपी शर्मा ओली की जगह ली है जिन्हें भ्रष्टाचार के आरोपों और सोशल मीड़िया को प्रतिबंधित करने के खिलाफ युवाओं के भारी आक्रोश के चलते इस्तीफा देना पड़ा। कार्की की ईमानदार छवि के चलते जेन-जी प्रदर्शनकारियों समेत राष्ट्रपति और कानूनी विशेषज्ञों की सहमति से चुना गया। कार्की ने कहा कि युवाओं का उन पर विश्वास है, जो चाहते हैं चुनाव कराए जाएं और देश को अराजकता से निकाला जाए। ताजा

साक्षात्कार में उन्होंने आंदोलन के दौरान मारे गए छात्रों के दुखी परिवारों के लिए कुछ करने की बात की। पचास से ज्यादा लड़के-लड़कियां इस उपद्रव के दौरान मारे जाने की खबर है। भ्रष्टाचार हटाने के सवाल पर कार्की ने स्पष्ट किया कि यह मांग तभी पूरी हो सकेगी जब सरकार बनेगी। नेपाल में जन्मी कार्की ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर करके त्रिभुवन विवि से कानून की ड़िग्री ली। वकालत और अध्यापन के बाद वे न्यायाधीश बनीं और 2016 में नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश के रूप में पद संभाला। भ्रष्टाचार के मामलों की सुनवाई करने के लिए मशहूर कार्की को महाभियोग का सामना भी करना पड़ा जिसके चलते उन्हें निलंबित कर दिया गया था। पक्षपात और सरकार के काम में दखल देने के आरोपों का उन्होंने सख्ती से सामना किया। इस दरम्यान जनता ने न्यायपालिका की आजादी के लिए आवाज बुलंद की तो सुप्रीम कोर्ट ने संसद की आगे की कार्रवाई पर रोक लगा दी। संसद के प्रस्ताव वापस लेने से जनता के बीच कार्की की छवि सत्ता के दबाव में न आने वाली दबंग शख्सियत की बन गई। भारत को लेकर उनके भीतर विशेष लगाव है। गंगा, वाराणसी और बीएचयू की यादों को समेटे वह अच्छी हिन्दी बोलती हैं। उनके ढ़ेरों रिश्तेदार और परिचित भारत में रहते हैं। वह छोटे-मोटे मतभेदों के बावजूद भारत-नेपाल के रिश्तों को लेकर आशान्वित हैं। निःसंदेह उनके समक्ष भ्रष्टाचार से जूझने की चुनौती है। जेन-जी के आक्रोश से जूझना और देश की सरकार से जेन-जी की उम्मीदों पर खरा उतरने के प्रयासों में उन्हें तेजी लानी होगी। युवाओं में जिन नेपो किड्स की वैभवशाली जीवनशैली के प्रति जबरदस्त गुस्सा है, उसे भी शांत करते नजर आना होगा। बेशक, यह सब आसान नहीं हैं। कार्की के लिए खांटी राजनीतिक दलों व नेताओं के सामने राह में ढे]रों रोड़े.हैं, और कांटे भी कम नहीं।

चिंतन-मनन

कैंची काटती है, सुई जोड़ती है

कैंची काटती (तोड़ती) है और सुई जोड़ती है। यही कारण है कि तोड़ने वाली कैंची पैर के नीचे पड़ी रहती है और जोड़ने वाली सुई सिर पर स्थान पाती है। इसलिए मनुष्य का यही धर्म है कि इनसान को जोड़े न कि तोड़े। उन्होंने सास-बहू में एका होने का आह्वान भी किया। राष्ट्र संत तरुण सागर महाराज ने कई उदाहरणों के माध्यम से अपनी बातें रखीं। एक पिता अपने छोटे से पुत्र को विश्व का एक नक्शा देता है। फिर उसे टुकड़े-टुकड़े कर पुत्र को जोड़ने के लिए कहता है। पुत्र उस नक्शे को ज्यों का त्यों जोड़ देता है। अपने बेटे की प्रतिभा से आश्चर्यचकित पिता पूछता है कि बेटे तुमने यह असंभव कार्य कैसे कर लिया। बेटा कहता है कि पिताजी, नक्शा के पीछे इनसान बना हुआ था। मैंने इनसान को जोड़ा तो नक्शा भी ज्यों का त्यों जुड़ गया। मुनिश्री ने कहा कि इनसान को जोड़ने से पूरा विश्व एक हो सकता है। हे मानव 36 का आँकड़ा बहुत बना लिए, अब 63 का आँकड़ा बनाइए। बुजुर्गों के अनुभव का बखान करते हुए मुनिश्री ने कहा कि बुजुर्ग की एक-एक झुर्री पर एक-एक शास्त्र का ज्ञान लिखा होता है। बुजुर्ग की अवहेलना मत करिए। वे जो कह रहे हैं, उसे सुनो। उल्टा जवाब मत दो। जवाब दोगे तो घर का माहौल खराब हो जाएगा। झगड़ा, क्लेश व द्वेष फैलेगा। बुजुर्गों का सम्मान करना सीखो। आज जो बुजुर्गों के साथ करोगे, वहीं तुम्हारे साथ होगा।

अनियंत्रित इस्राईल : विश्व शांति के लिये सबसे बड़ा खतरा

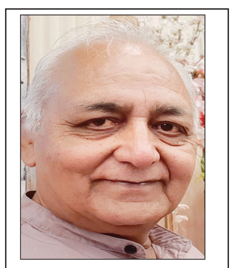

तनवीर जाफ़री

गत 9 सितंबर को दोपहर बाद इस्राईल के 15 फाइटर जेट्स और 10 से अधिक म्यूनिशन ने जिसमें स्टैंड-ऑफ मिसाइलें और स्टील्थ तकनीक शामिल थी, ने इस्राईल से 1800 किलोमीटर की उड़ान भरकर कतर की राजधानी दोहा के कटारा और वेस्ट बे लैगून इलाकों में हमले करके उन सभी इमारतों को उड़ा दिया जहां हमास के कई शीर्ष नेता या तो रहा करते थे या उनके कार्यालय थे। इस हमले में 40 से ज्यादा लोग मारे गए। हमास ने दावा किया कि इस्राईली हमले में उनकी मुख्य वातार्कार टीम बच गई, लेकिन पांच सदस्य, जिसमें खलील अल-हय्या का बेटा और एक कतरी सुरक्षा अधिकारी शामिल था, मारे गए। कतर में हुआ यह हमला मध्य पूर्व में तनाव को और बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। इस्राईल के इस कदम को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए बड़ा खतरा माना जा रहा है। यह पहला अवसर है जबकि इस्राईल ने अपने लक्ष्य को भेदने की गरज से कतर में हमला किया है। इस हमले के तुरंत बाद कतर ने अपने हवाई क्षेत्र की निगरानी बढ़ा दी। हालांकि, कतर एयरवेज की उड़ानें सामान्य रूप से जारी रहीं। कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल-थानी ने कहा कि यह हमला गजा में युद्ध विराम की मध्यस्थता के लिए कतर के प्रयासों को पटरी से उतार सकता है। कतर ने इस हमले को कायराना और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन करार दिया। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजेद अल-अंसारी ने इस हमले को कतर की संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए खतरा बताया। उधर इस्राईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और इस्राईल सुरक्षा बलों ने इस हमले की पूरी जिम्मेदारी लेते हुये कहा कि यह हमला सटीक हथियारों से और पुख़्ता खुफिया जानकारी के आधार पर किया गया, ताकि नागरिकों को नुक़सान कम हो। इस्राईल के अनुसार हमास के नेता, जिन्हें दोहा में निशाना बनाया गया वही 7 अक्टूबर 2023 के हमले के लिए जिम्मेदार थे और गजा में युद्ध को संचालित कर रहे थे। अमेरिका में इस्राईली राजदूत ने यह भी कहा कि अगर इस हमले में हमास के कुछ नेता बच गए हैं तो अगले हमले में उन्हें भी निशाना बनाया जाएगा। इस कदम को इस्राईल की आक्रामक रणनीति के उस हिस्से की शक्ल में देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य हमास को पूरी तरह समाप्त करना है, चाहे वह किसी भी देश में क्यों न हो। परन्तु हमास नेताओं को लक्षित कर कतर पर किये गये इस्राईली हमले को एक अभूतपूर्व कदम के रूप में इसलिये देखा जा रहा है क्योंकि कतर अमेरिका का प्रमुख सहयोगी और गजा युद्धविराम वार्ता का मध्यस्थ है। कतर में ही अमेरिका का अल-उदईद एयरबेस भी है जहां करीब 10,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। यह एयरबेस इस्राईल द्वारा किये गये हमले की जगह से केवल 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस्राईल की इस आक्रामक कार्रवाई ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव को और बढ़ा दिया है, और गजा में शांति प्रक्रिया को और जटिल कर दिया है। इस हमले ने मध्य पूर्व में अमेरिकी प्रभाव को भी कमजोर किया है और तुर्की जैसे अन्य देशों के लिए भी खतरे की आशंका पैदा की है

इस्राईल की इस आक्रामक व उकसाने वाली कार्रवाई की विश्व के अनेक देशों ने निंदा की है। कतर सरकार ने हमले को आपराधिक हमला करार देते हुए इसकी कड़ी निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर का स्पष्ट उल्लंघन बताया है । कतर ने अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए सभी उपायों का समर्थन किया। जबकि जॉर्डन के किंगअब्दुल्ला द्वितीय ने फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात के दौरान कतर में हुये इस्राईली हमले की निंदा की। उन्होंने इजराइल के गजा पर नियंत्रण बढ़ाने और वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार को भी खारिज किया साथ ही गजा में युद्धविराम, मानवीय सहायता और द्वि -राष्ट्र समाधान पर जोर दिया। वहीँ संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद ने मिस्र के विदेश मंत्री से मुलाकात में इस हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून तथा यूएन चार्टर का उल्लंघन करार दिया। उन्होंने वैश्विक स्तर पर इस्राईल की आक्रामकताओं को रोकने की अपील भी की। इसी तरह मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने कुवैत के अमीर से फोन पर हुई बातचीत में कतर के प्रति पूर्ण एकजुटता व्यक्त करते हुये इस हमले को कतर की संप्रभुता पर अस्वीकार्य अतिक्रमण बताया और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करार दिया। जबकि कुवैत के अमीर, शेख मिशाल अल-अहमद अल-जाबर अल-सबाह ने भी हमले को संप्रभुता पर अतिक्रमण बताया और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करार दिया। ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने इस हमले को आतंकवादी आक्रामकता बताते हुये कतर के प्रति एकजुटता व्यक्त की और इजराइल को क्षेत्रीय तथा वैश्विक शांति के लिए तत्काल खतरा बताया। ट्यूनीशिया के विदेश मंत्रालय ने भी हमले को कुटिल और दुष्ट हमला करार देते हुये कतर के प्रति पूर्ण एकजुटता व्यक्त की और अरब सुरक्षा को इस्राईल के खतरों से बचाने पर जोर दिया। दुनिया के कई देशों ने इस हमले को लेकर सुरक्षा परिषद् की आपात बैठक बुलाने की बात भी की। अभी कतर के हमले को लेकर दुनिया के अनेक देश अपनी तीखी प्रतिक्रिया दे ही रहे थे कि इसी बीच नेतन्याहू ने यह घोषणा भी कर दी कि गजा के 40 प्रतिशत हिस्से पर इस्राईली सुरक्षा बालों का नियंत्रण हो चुका है। साथ ही इस्राईली सुरक्षा बालों की ओर से गजा में बचे शेष लोगों से भी गजा छोड़ने को कहा गया है। और इसी के अगले दिन यानी 11 सितंबर को इस्राईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बार फिर फिलिस्तीनी राज्य के अस्तित्व को मानने से ही स्पष्ट रूप से इंकार कर दिया। उन्होंने वेस्ट बैंक के माअले अदुमिम निपटान में एक समारोह के दौरान कहा कि फिलिस्तीनी राज्य नहीं बनेगा और यह जगह हमारी है। यह बयान उस समय दिया गया जब वे एक विवादास्पद निपटान विस्तार समझौते पर हस्ताक्षर कर रहे थे, जो फिलिस्तीनी क्षेत्र को विभाजित करने का प्रयास माना जा रहा है। दक्षिणपंथी नेतन्याहू पहले भी द्वि राष्ट्र का विरोध करते रहे हैं। उनका यह ताजा बयान भी फिलिस्तीनी राज्य की संभावना को नष्ट करने का प्रयास माना जा रहा है। नेतन्याहू उस फिलिस्तीनी राज्य के अस्तित्व को मानने से इंकार कर रहे हैं जिसने जर्मन से हिटलर द्वारा निष्कासित इन्हीं यहूदियों को मानवता के नाते अपनी धरती पर पनाह दी। अभी पिछले दिनों फिलिस्तीन को राज्य का दर्जा देने के पक्ष में संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत सहित 142 देशों द्वारा एक बार फिर मतदान किया गया। फिलिस्तीन के समर्थन में आये इस प्रस्ताव में इस्राईल द्वारा की जा रही हिंसा की निंदा की गयी साथ ही गजा में इस्राईली बस्ती बसाने की योजना को भी समाप्त करने की मांग की गई है। अमेरिका व इस्राईल सहित केवल 10 देशों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया जबकि शेष दुनिया फिलिस्तीन के साथ खड़ी दिखाई दी। परन्तु अतिवादी सोच के नेतन्याहू पूरी दुनिया को ठेंगा दिखाने की ठाने हुये हैं। कहना गलत नहीं होगा कि मानवता के दुश्मन व अंतर्राष्ट्रीय नियमों की धज्जियाँ उड़ाने वाले दक्षिणपंथी नेतन्याहू फिलिस्तीन में अपना जंगल राज स्थापित करना चाहते हैं। मानवता की रक्षा के लिये ऐसे कुत्सित इस्राईली प्रयासों को पूरे विश्व को मिलकर रोकना होगा।

मुद्दाः आपदा का घर बना हिमालय

सुरेश भाई

हिमालय ऋषि-मुनियों और संत-महात्माओं की तपस्थली रहा है। उन्होंने यहां वेद, पुराण और उपनिषदों की रचना की। इसलिए कर पाए कि उन्हें यहां शांति की अनुभूति होती थी। हिमालय की जैव-विविधता के कारण प्राकृतिक आपदा यहां से सिर झुका कर चली जाती थी। लेकिन समय बदल गया है। मनुष्य ने प्रकृति के साथ जीने के जो संयमित नियम-कायदे बनाए थे उनका उल्लंघन करना शुरू कर दिया है। इसके चलते प्रकृति का रौद्र रूप इतना विकराल हो चुका है कि आगे किसी भी प्राणी के लिए हिमालय में रहना मुश्किल होता जा रहा है, जो मैदानी क्षेत्रों में भी भीषण आपदा पैदा कर रहा है। मनुष्य पछतावे के रूप में चालाकी से अपनी करतूत को जलवायु परिवर्तन से जोड़ रहा है। लेकिन समस्या का सामना करने के लिए जरूरी शर्तों को लागू नहीं कर पाता। यही कारण है कि भारतीय हिमालय क्षेत्र भीषण आपदा की चपेट में आ गया है।

इस बरसात में जिस तरह से जल प्रलय का सामना हुआ है, उससे प्राकृतिक और मानवीय, दोनों पहलुओं से चर्चा फिर से शुरू हो गई है। इस संदर्भ में देश की सुप्रीम अदालत के निर्णय काबिलेतारीफ हैं। सामाजिक कार्यकर्ता, पर्यावरणविद्, वैज्ञानिक कहते रहे हैं कि विकास परियोजनाओं की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समिति होनी चाहिए जिसके द्वारा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर परियोजनाओं के संदर्भ में सही पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन हो। हिमाचल में बाढ़ के दौरान रावी नदी में बह कर आई अंधाधुंध लकड़ी का संज्ञान लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 4 अगस्त को कहा कि बड़े पैमाने पर वनों का कटान हो रहा है। वन माफिया ने जंगल काट कर छुपा रखे हैं, जो बरसात में बह कर नदियों में आ रहे हैं। यह अतिश्योक्ति नहीं है कि हिमालय के ऊंचे से ऊंचे स्थान पर वनों का व्यावसायिक दोहन हो रहा है। लाखों पेड़ों को राजस्व के लिए काटा जा रहा है। बड़े पेड़ों को काटने से चट्टानें अस्थिर हो जाती हैं, जो बरसात में भूस्खलन का रूप लेता है।

हर साल जंगलों में भीषण आग भी भूस्खलन को न्योता दे रही है। इसके अलावा नदियों के किनारे बन रही सड़कों के चौड़ीकरण में अंधाधुंध पेड़ों का कटान हो रहा है। चारधाम में ऑल वेदर रोड के निर्माण के दौरान लाखों पेड़ काटे गए। भागीरथी जैसे संवेदनशील जोन में भी अमूल्य वन प्रजाति देवदार के पेड़ों पर संकट मंडरा रहा है। भागीरथी इको सेंसेटिव जोन 2012 में बन गया था जिसकी शर्तों को लागू करने में लापरवाही बरती गई है जबकि भागीरथी यमुना का क्षेत्र मेंन सेंट्रल थ्रस्ट जोन में आता है। यदि पिछले 13-14 वर्षों में इसको नियमानुसार क्रियान्वित किया जाता तो बार-बार आ रही आपदाओं को कम किया जा सकता था।

मानवीय आपदा की सच्चाई यह भी है कि 5 सितम्बर तक हिमाचल में 1115, उत्तराखंड में 520, जम्मू कश्मीर में दर्जनों सड़कें बंद पड़ी थीं। इसका कारण है कि चौड़ी सड़कों के निर्माण के दौरान विस्फोटों और जेसीबी मशीनों के उपयोग से पहाड़ की रीढ़ के ऊपर थमी हुई मिट्टी बरसात के समय नदियों की तरफ बहने के लिए मजबूर हो गई है। पहाड़ों पर भूकंप से भी दरारें आ रखी हैं। जंगल कटने से भी गांव के ऊपर से भूस्खलन होता है।

कारण स्पष्ट है कि तीर्थाटन को भूल कर पर्यटन संस्कृति के विकास के लिए नदी-नालों के मुहाने पर उग आई बस्तियों के नियंत्रण पर सोचा ही नहीं गया और उसे विकास की संज्ञा दी गई है। बाजारीकरण और पर्यटन स्थलों के समीप आकर रोजगार के लिए लोग अपना गांव छोड़ रहे हैं। जहां पर ग्लेशियरों और झीलों से आ रहे गाड़-गदेरों और नदियों के मुहाने पर बन रहीं इमारतों के भूस्खलन की चपेट में आकर भारी जन-धन की हानि हो रही है। पुराने समय में भी नदियों में आज की तरह ही जल प्रलय होता था लेकिन तब लोगों के घर, होटल नदी के किनारे नहीं होते थे।

हिमालय के ऊंचे पर्वत शिखरों से बर्फीली झीलें कहर बरपा रही हैं। इस बार 2013 की केदारनाथ आपदा से अधिक नुकसान हुआ है। यमुनोत्री में भी स्याना चट्टी के पास तीसरी बार झील बनी है जिसके कारण आसपास के दर्जन भर गांवों पर खतरे के बादल मंडरा

रहे हैं। आपदा राहत और पुनर्वास के लिए केंद्र से अकेले उत्तराखंड ने ही 5 हजार करोड़ रुपये की मांग की है। इस तरह से बजट की मांग कब तक होती रहेगी। अच्छा हो कि हिमालय क्षेत्र के विकास का मॉडल मैदानी मानकों से अलग हो। जहां पर हिमालय की भौगोलिक संरचना को ध्यान में रख कर निर्माण हो जिससे यहां के छोटे और सीमांत किसानों की आजीविका बची रहे। निचले क्षेत्रों को भी बचाया जा सके। तीर्थयात्रियों को भी सुरक्षा मिले। सुरंग आधारित परियोजनाओं पर रोक लगे। जल, वन, ग्लेशियर, बुग्याल, जैव-विविधता संरक्षण, सूक्ष्म जल विद्युत की दिशा में कदम बढ़ाने की आवश्यकता है जिसके लिए हिमालय की अलग नीति हो।

(लेख में विचार निजी हैं)

संक्षिप्त समाचार

स्पेन के मैड्रिड में संदिग्ध गैस रिसाव से विस्फोट, 25 घायल ; राहत-बचाव कार्य जारी

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को एक इमारत में विस्फोट हो गया। हादसे में 25 लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। घटना के बारे में मैड्रिड की आपातकालीन सेवाओं ने जानकारी दी। स्पेनिश समाचार एजेंसी ईएफई के अनुसार, अग्निशमन कर्मियों को संदेह है कि विस्फोट गैस रिसाव के कारण हुआ है। हालांकि, पुलिस अभी विस्फोट के कारणों की जांच कर रही है। अग्निशमन विभाग के प्रमुख जेवियर रोमेरो ने बताया कि विस्फोट दोपहर करीब तीन बजे तीन मंजिला इमारत की निचली मंजिल पर हुआ। सूचना मिलते ही अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे और उन्होंने मलबे में दबे चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उन्होंने बताया कि विस्फोट से एक कैफे, एक दुकान और अन्य संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है।

इस्राइली मंत्री रेगेव को तुर्किये से मिली धमकियां, कहा- हम तुम्हें और तुम्हारे देश को दफन कर देंगे

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल की परिवहन मंत्री मिरी रेगेव को तुर्किये के फोन नंबरों से सैकड़ों नफरत भरे संदेश और धमकियां भेजी गई हैं। उन्हें धमकी दी गई कि हम तुम्हें और तुम्हारे देश को दफन कर देंगे। तुर्किये के हैकरों ने उनके निजी मोबाइल नंबर और अन्य मंत्रियों के फोन नंबर लीक किए थे। इस्राइली मंत्री रेगेव को भेजे गए संदेशों में लिखा था, हिटलर सही था। उसे तुम सबको मार देना चाहिए था। हम तुम्हें और तुम्हारे देश को दफन कर देंगे। मैं तुर्किये हूं। मैं तुम्हें नर्क में भेज दूंगा। रक्षा मंत्री ने भी ऐसे ही संदेश मिलने की पुष्टि की थी इस्राइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने भी कल ऐसे ही संदेश मिलने की पुष्टि की थी। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर जवाब में लिखा, उन्हें फोन और धमकियां देते रहने दो, और मैं उनके सदस्यों, आतंकवाद के सरगनाओं का सफाया करने का आदेश देता रहूंगा।

सरकारी इमारतों समेत कई स्थानों पर जेन-जी ने शुरू किया सफाई अभियान

काठमांडो, एजेंसी। कई दिनों की अशांति के बाद नेपाल में अब धीरे-धीरे जनजीवन सामान्य हो रहा है। काठमांडो घाटी समेत देश के अन्य हिस्सों से शनिवार को कर्फ्यू और प्रतिबंधात्मक आदेश हटा लिया गया। दुकानें, किराना स्टोर, सब्जी बाजार और शॉपिंग मॉल दोबारा खुल गए हैं। सड़कों पर भी वाहनों की चहल-पहल बढ़ गई है। इस बीच, शनिवार को प्रमुख सरकारी भवनों समेत कई स्थानों पर सफाई अभियान चलाया गया, जिन्हें हाल ही में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा तोड़फोड़ कर आग के हवाले कर दिया गया था। जेन-जी युवाओं के साथ इनमें समाजसेवी केपी खनाल भी जुटे रहे। शुरू हो गई। काठमांडो से देश के विभिन्न भागों के लिए लंबी दूरी की बसों का संचालन भी शुरू हो गया है। हालांकि, काठमांडो के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिश्वो अधिकारी के अनुसार संभावित विरोध प्रदर्शनों को रोकने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कुछ संवेदनशील क्षेत्रों में प्रतिबंध जारी रहेंगे। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि छात्रों के सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान महत्वपूर्ण न्यायिक दस्तावेज नष्ट हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन के साथ ही सुप्रीम कोर्ट की इमारत में भी आग लगा दी थी। मुख्य न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह राउत ने एक बयान में आंदोलन के दौरान आगजनी, पथराव, तोड़फोड़ और लूटपाट के कारण अदालती भवनों को हुए नुकसान पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नेपाल के न्यायिक इतिहास से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज हिंसा में लगभग नष्ट हो गए। उन्होंने यह भी कहा कि हम सभी परिस्थितियों में न्याय के मार्ग पर अडिग और दृढ़ हैं। हम नागरिकों की न्याय की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए जल्द से जल्द अदालती कामकाज फिर से शुरू करने का संकल्प लेते हैं।

ब्रिटेन के वेस्ट मिडलैंड्स में सिख महिला पर हमला, ब्रिटिश एमपी प्रीत कौर गिल ने की निंदा ; लोगों में आक्रोश

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के वेस्ट मिडलैंड्स इलाके में एक सिख महिला के साथ हुए यौन उत्पीड़न और नस्लीय हमले की घटना ने सिख समुदाय में गहरी चिंता पैदा कर दी है। इस मामले की जांच पुलिस कर रही है और इसे नस्लीय घृणा से प्रेरित अपराध माना जा रहा है। ब्रिटिश सिख सांसद प्रीत कौर गिल ने इस हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं इस भयानक हमले से बेहद सदमे में हूं। हमलावरों ने पीड़िता से कहा कि वह यहां की नहीं है। लेकिन सच यह है कि वह यहीं की है।

लंदन में अवैध-अप्रवासी मुद्दे पर प्रदर्शन, 1 लाख लोग जुटे

मस्क भी जुड़े, कहा- लड़ो या मरो ; प्रोटेस्ट के समय पीएम फुटबॉल मैच देख रहे थे

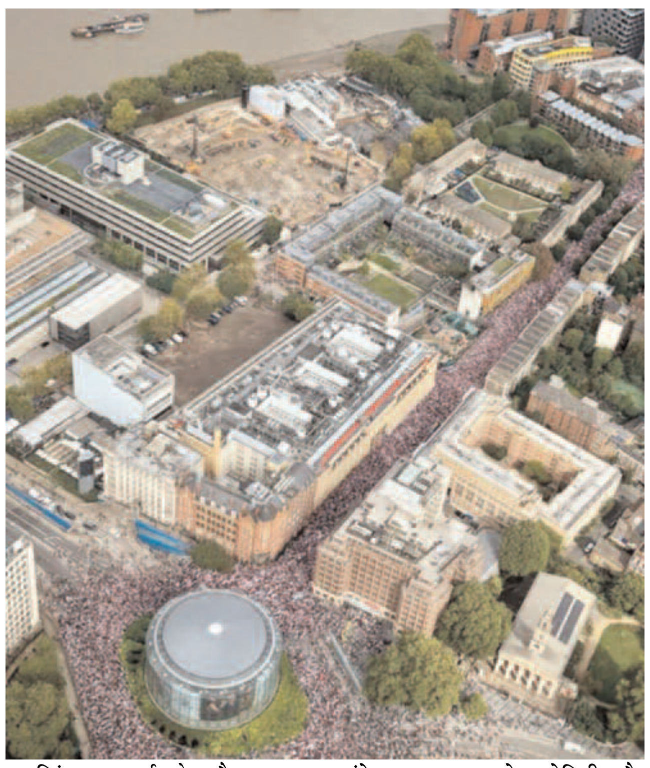

लंदन, एजेंसी। सेंट्रल लंदन में शनिवार को 1 लाख से ज्यादा लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रोटेस्ट को यूनाइट द किंगडम नाम दिया गया, जिसे एंटी-इमिग्रेशन नेता टॉमी रॉबिन्सन ने लीड किया। इसे ब्रिटेन की सबसे बड़ी दक्षिणपंथी रैली माना जा रहा है। इस प्रदर्शन में टेस्ला मालिक इलॉन मस्क वीडियो के जरिए शामिल हुए। मीडिया चैनल द इंडिपेंडेंट के मुताबिक उन्होंने टॉमी रॉबिन्सन से बात की। मस्क ने कहा, हिंसा तुम्हारे पास आ रही है। या तो लड़ो या मरो। मस्क ने ब्रिटेन में संसद भंग करने की मांग की। उन्होंने कहा, सरकार बदलनी होगी। वही, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर उस वक्त फुटबॉल मैच देख रहे थे। वे अपने बेटे के साथ लंदन के एमिरेट्स स्टेडियम में थे, जब शहर में हिंसा हो रही थी।

28 हजार प्रवासी इस साल ब्रिटेन पहुंचे : इस प्रदर्शन का मकसद ब्रिटेन में अवैध अप्रवासन (इलीगल इमीग्रेशन) के खिलाफ आवाज उठाना था। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि अवैध प्रवासियों को देश से बाहर किया जाए। इस साल 28 हजार से ज्यादा प्रवासी इंग्लिश चैनल के रास्ते नावों में ब्रिटेन पहुंचे थे।

प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई : इसी दिन स्टैंड अप टू रेसिज्म नामक एक विरोधी प्रदर्शन भी हुआ, जिसमें लगभग 5,000 लोग शामिल थे। दोनों समूहों के बीच टकराव रोकने के लिए पुलिस ने घेराबंदी कर रखी थी। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने मीडिया को बताया कि यूनाइट द किंगडम मार्च के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस का घेरा तोड़ने की कोशिश की और विरोधी समूह की ओर बढ़ने का प्रयास किया।

इस दौरान कई पुलिसकर्मियों पर हमला हुआ। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए 1,600 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया, जिनमें 500 अन्य क्षेत्रों से बुलाए गए थे। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी और इजराइली झंडे लहराए प्रदर्शनकारियों ने यूनियन जैक और सेंट जॉर्ज क्रॉस के झंडे लहराए। कुछ ने अमेरिकी और इजराइली झंडे भी उठाए। कई प्रदर्शनकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से जुड़ी मेक अमेरिका ग्रेट अगेन टोपी पहने हुए थे। प्रदर्शन में प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के खिलाफ नारे लगाए गए और उन्हें वापस भेजो जैसे संदेशों वाले बैनर दिखाई दिए। कुछ लोग अपने बच्चों को भी साथ लाए। टॉमी रॉबिन्सन, जिनका असली नाम स्टीफन यैक्सली-लेनन है, ने इस मार्च को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उत्सव बताया। प्रदर्शनकारियों से झड़प में 26 पुलिसकर्मी लहूलुहान रैली का मकसद आव्रजन (इमिग्रेशन) का विरोध करना था। लेकिन यह विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया और रॉबिन्सन समर्थकों व पुलिस के बीच झड़पें हुईं। पुलिस ने बताया कि उन्हें भीड़ को काबू करने में काफी मुश्किल हुई। इसी दौरान 26 पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। कई पुलिसवालों को घूंसे, लात और बोतलों से चोटें आईं, किसी के दांत टूट गए तो किसी की नाक और सिर पर गंभीर चोट पहुंची। पुलिस के मुताबिक रैली में लगभग 1,10,000 लोग मौजूद थे। लेकिन ड्रोन और हवाई तस्वीरों से यह भी साफ दिखा कि मध्य लंदन की कई किलोमीटर लंबी सड़कें प्रदर्शनकारियों से भर गई थीं, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि भीड़ इससे भी ज्यादा हो सकती थी। इसी बीच, टॉमी रॉबिन्सन ने दावा किया कि इस रैली में लाखों लोग पहुंचे थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर इसे अपने समर्थकों की अब तक की सबसे बड़ी भीड़ बताया और मुख्यधारा के मीडिया पर सच्चाई छिपाने का आरोप लगाया।

यह रैली एक और प्रदर्शन स्टैंड अप टू रेसिज्म (नस्लवाद के खिलाफ) के साथ समानांतर चली, जिसमें करीब 5,000 लोग शामिल हुए। दोनों पक्षों के बीच भिड़ंत न हो, इसके लिए पुलिस को दिनभर कई बार बांध क्षेत्र (बफर जोन) बनाना पड़ा और भीड़ को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने पड़े।

हमास नेता संघर्षविराम नहीं होने दे रहे, इस्राइली पीएम बोले- इनसे छुटकारा पाकर ही खत्म होगी लड़ाई

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया कि कतर में हमास नेता संघर्षविराम के प्रयासों में बाधा डाल रहे हैं और गाजा में संघर्ष को बढ़ा रहे हैं। नेतन्याहू ने कहा कि कतर में रह रहे हमास नेताओं से छुटकारा पाकर ही शांति स्थापित हो सकती है। बेंजामिन नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कतर सरकार पर भी निशाना साधा और हमास नेताओं को पनाह देने का आरोप लगाया।

इस्राइल का कतर पर निशाना नेतन्याहू ने लिखा कि कतर में रह रहे हमास के आतंकी प्रमुखों को गाजा के लोगों की कोई परवाह नहीं है। उन्होंने युद्ध को अंतहीन रूप से खींचने के लिए युद्धविराम के सभी प्रयासों को बाधित कर दिया। उनसे छुटकारा पाकर ही हमारे सभी बंधक रिहा हो सकेंगे और युद्ध समाप्त हो सकेगा। इस्राइली पीएम नेतन्याहू की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब इस्राइल ने शीर्ष हमास नेताओं को शरण देने के लिए कतर की बार-बार आलोचना की है। नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर साझा एक वीडियो संदेश में कहा कि इस्राइल, हमास नेताओं के खिलाफ, चाहे वे कहीं भी हों, कार्रवाई करेगा, जब तक कि कतर उन्हें बाहर न निकाल दे या उन्हें न्याय न हो जाए।

इस्राइल के कतर में किए गए हमले पर विवाद : इस्राइली वायुसेना ने मंगलवार को हमास के नेताओं को निशाना बनाने के लिए कतर की राजधानी दोहा में बड़ा हवाई हमला किया था। इस हमले में हमास के नेताओं की मौत हो गई थी।

कतर पर हुए हमले की मध्य पूर्व और उसके बाहर कई देशों ने व्यापक निंदा की। इसके बाद कतर और इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया। साथ ही युद्ध को समाप्त करने और गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को मुक्त कराने के लिए चल रही बातचीत खतरे में पड़ गई है। हमले के बाद हमास ने कहा कि उसके शीर्ष नेता हमले में बच गए, लेकिन पांच निचले स्तर के सदस्य मारे गए। इसमें गाजा में हमास के नेता और उसके शीर्ष वार्ताकार खलील अल-हय्या का बेटा, तीन अंगरक्षक और अल-हय्या के कार्यालय का प्रमुख शामिल है।

तुम्हारी हत्या हो सकती है, चार्ली किर्क को यूटा यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम से पहले ही मिली थी चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की बुधवार को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक शीर्ष सुरक्षा विशेषज्ञ ने चार्ली किर्क को पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर चार्ली ने अपनी सुरक्षा को मजबूत नहीं किया तो 100 फीसदी उनकी हत्या हो सकती है। चार्ली को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, एक सुरक्षा एजेंसी द बॉडीग्रुप ग्रुप ऑफ बेवर्ली हिल्स के मालिक क्रिस हर्जोग ने बताया कि 6 मार्च को कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी में उनकी चार्ली किर्क से मुलाकात हुई थी। हर्जोग ने बताया कि उन्होंने किर्क को चेतावनी दी थी कि अगर सावधानी नहीं बरती गई तो उनके विश्वविद्यालय के कार्यक्रम के दौरान उनकी 100 फीसदी हत्या हो सकती है। पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने चार्ली किर्क की हत्या के संदिग्ध आरोपी को पकड़ लिया है, जब उसके परिवार के एक सदस्य ने उसे पुलिस के हवाले करने में मदद की। यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में चार्ली किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी 31 वर्षीय किर्क को ओरेम शहर में यूटा वैली विश्वविद्यालय में छात्रों के समूह को संबोधित करते समय गोली मार दी गई थी। किर्क के गर्दन में एक गोली लगी और वे वहीं गिर पड़े। हत्या के संदिग्ध टायलर रॉबिन्सन को गोलीबारी के लगभग 33 घंटे बाद गुरुवार रात हिरासत में ले लिया गया।

हर्जोग ने बताया कि किर्क ने उनकी कुछ सलाह मानी, लेकिन उन्होंने हर्जोग से दोबारा संपर्क नहीं किया। उन्होंने बताया दुर्भाग्य से उसने मुझसे कभी संपर्क नहीं किया और अब उसकी हत्या की मेरी भविष्यवाणी सच साबित हुई है। हर्जोग ने बताया कि उनकी टीम के सभी सदस्य मानते थे कि चार्ली किर्क के लिए सुरक्षा पर्याप्त नहीं थी और उनकी हत्या किए जाने की आशंका थी। सुरक्षा विशेषज्ञ ने किर्क को अपनी सुरक्षा के लिए बुलेटप्रूफ ग्लास पैनल और 700 मीटर के दायरे में किसी की भी निगरानी के लिए मेटल डिटेक्टर लगाने की सलाह दी थी।

कनाडा में आव्रजन विरोधी रैली के दौरान जमकर बवाल, टोरंटो पुलिस ने 10 लोगों को किया गिरफ्तार

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के टोरंटो शहर में शनिवार दोपहर एक आव्रजन विरोधी रैली और उसके जवाब में हुए बड़े विरोध प्रदर्शन के दौरान जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान टोरंटो पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया। यह घटना शहर के क्रिस्टी पिट्स पार्क इलाके में हुई।

पहली गिरफ्तारी और रैली की शुरुआत : एक स्थानीय समाचार एजेंसी के मुताबिक, सबसे पहली गिरफ्तारी दोपहर 12~40 बजे (स्थानीय समय) के आसपास ब्लूर स्ट्रीट वेस्ट और क्रिस्टी स्ट्रीट के पास हुई, जहां एक व्यक्ति पर हमले का आरोप लगा। इसके बाद दिन भर में कुल 10 गिरफ्तारियां की गईं। यह रैली कनाडा फर्स्ट पैट्रियट रैली के नाम से आयोजित की गई थी। आयोजकों का दावा था कि यह रैली सामूहिक आप्रवासन यानी बड़े पैमाने पर हो रहे आव्रजन के खिलाफ और कनाडाई मूल्यों की रक्षा के लिए की जा रही है। रैली के आयोजक जो एनीडजार ने रेडियो-कनाडा को बताया, हमारा मकसद है कि कनाडाई नागरिकों को प्राथमिकता दी जाए, देश को पहले रखा जाए। बड़े पैमाने पर हो रहा आव्रजन हमारे राष्ट्रीय संसाधनों पर दबाव डाल रहा है।

विरोध-प्रदर्शन में सैकड़ों लोग जुटे : इस रैली का विरोध करने के लिए सैकड़ों लोग उसी पार्क में इकट्ठा हुए। ये लोग आप्रवासियों और हाशिए पर रह रहे समुदायों के समर्थन में आए थे। ओंटारियो फेडरेशन ऑफ लेबर ने अपने फेसबुक पोस्ट में कहा कि क्रिस्टी पिट्स पार्क लंबे समय से फासीवाद विरोधी आंदोलनों का केंद्र रहा है। यह पार्क प्रवासी समुदायों, आदिवासियों, एलजीबीटीक्यू+ समूहों, हिंसा के पीड़ितों, बेघर लोगों, कलाकारों और छात्रों के लिए बेहद महत्वपूर्ण जगह है। वर्कर्स एक्शन सेंटर की कार्यकारी निदेशक डिना लैड ने आव्रजन विरोधी सोच की निंदा की। उन्होंने कहा कि नए आने वाले लोगों को मकान की कमी, खाने की असुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की समस्याओं के लिए दोषी ठहराना गलत है। डिना लैड ने कहा, सच्चाई यह है कि यह समस्याएं अप्रवासियों की वजह से नहीं हैं। हमें सस्ती आवास सुविधाएं नहीं मिल रहीं, फूड बैंक में पर्याप्त खाना नहीं है और हेल्थ सर्विसेज में दिक्कतें हैं। इसके लिए प्रवासी समुदायों को दोषी ठहराना बिल्कुल गलत है। प्रदर्शनों के चलते पुलिस ने अस्थायी रूप से ब्लूर स्ट्रीट वेस्ट के कुछ हिस्सों को बंद कर दिया। इसके अलावा बे स्ट्रीट, यॉन्ग स्ट्रीट और वेल्सले स्ट्रीट के आसपास ट्रैफिक पर असर पड़ा। शाम तक सभी सड़कें फिर से खोल दी गईं जब प्रदर्शनकारी सैंकोफा स्क्वायर की ओर बढ़े।

डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ चेतावनी पर भड़का ड्रैगन

कहा- जंग से समस्याएं नहीं सुलझतीं और प्रतिबंधों से हालात और बिगड़ते हैं

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। कारण है कि बीते दिनों राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 50प्रतिशत से 100प्रतिशत टैरिफ करने की चेतावनी दी थी। ऐसे में अब ड्रैगन ने भी ट्रंप की चेतावनी पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि जंग से समस्याएं नहीं सुलझतीं और प्रतिबंधों से हालात और बिगड़ते हैं।

बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि नाटो को चीन पर 50-100प्रतिशत टैक्स लगाना चाहिए और यह टैक्स रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने तक जारी रहना चाहिए। उन्होंने कहा

कि चीन का रूस पर मजबूत नियंत्रण है, और ये ताकतवर टैक्स उस पकड़ को तोड़ सकते हैं।

क्या बोले चीन के विदेश मंत्री : स्लोवेनिया में वहां की डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री तान्या फयोन से मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में वांग यी ने अमेरिकी चेतावनी का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि चीन किसी भी युद्ध में भाग नहीं लेता और न ही उसकी कोई योजना है। चीन हमेशा शांति वार्ता और राजनीतिक समाधान को बढ़ावा देता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिबंध और टैरिफ से हालात नहीं सुधरते, बल्कि और उलझते हैं।

चीन और यूरोप के संबंध पर भी बोले वांग : इसके साथ ही वांग यी ने कहा कि चीन और यूरोप को प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी बनना चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों को साथ मिलकर सुरक्षित रखने की बात कही और दुनिया में फैले संघर्षों को शांति से सुलझाने पर जोर दिया।

ट्रंप का चीन पर गंभीर आरोप : गौरतलब है कि ट्रंप इससे पहले भी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर अमेरिका के खिलाफ साजिश करने का आरोप लगा चुके हैं। यह आरोप उस वक्त लगाया गया था जब चीन ने तीन सितंबर को अब तक की सबसे बड़ी सैन्य परेड की थी, जिसमें उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शामिल हुए थे। हालांकि ट्रंप ने बाद में कहा कि उनके व्यक्तिगत संबंध शी जिनपिंग से बहुत अच्छे हैं।

अफ्रीकी प्रवासियों को जबरन निकालने की तैयारी में ट्रंप प्रशासन, संघीय न्यायाधीश ने लगाई फटकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पांच अफ्रीकी प्रवासियों को जबरन उनके देश भेजने के मामले में एक अमेरिकी संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन को जमकर फटकार लगाई है। न्यायाधीश ने प्रशासन पर कोर्ट के आदेश को दरकिनार करने को लेकर सवाल तीखे सवाल पूछे है। मामले में न्यायाधीश तान्या चटकन ने कहा कि ऐसा लगता है कि प्रशासन अदालत के आदेशों को दरकिनार करने की कोशिश कर रहा है, ताकि पांच अफ्रीकी प्रवासियों को उनके देशों में वापस भेजा जा सके, जहां उन्हें यातना या मौत का खतरा है। ऐसे में इस मामले में चर्चा तब तेज हो गई जब ट्रंप प्रशासन ने इन पांच प्रवासियों को सीधे उनके देश भेजने की बजाय पहले घाना भेजा, ताकि घाना उन्हें आगे उनके मूल देशों में भेज सके। कोर्ट ने इन प्रवासियों को उनके देशों में भेजने से रोक दिया था, क्योंकि वहां उनकी जान को खतरा है। एसीएलयू ने कोर्ट में दिया तर्क, लेकिन न्यायाधीश ने लगाई फटकार बता दें कि अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) ने बताया कि इन पांच में से एक व्यक्ति को पहले ही घाना से गाम्बिया भेज दिया गया है, जबकि अमेरिकी अदालत ने साफ कहा था कि उसे गाम्बिया नहीं भेजा जा सकता। इसपर न्याय विभाग की वकील एलियानिस पेरेज ने कोर्ट में दलील दी कि घाना ने वादा किया था कि वह ऐसा नहीं करेगा। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका यह तय नहीं कर सकता कि घाना किसे कहां भेजेगा। न्यायाधीश ने कोर्ट को दिए आदेश हालांकि, जज चटकन ने सरकार से नाराजगी जताते हुए कहा कि मुझे ये मत कहिए कि आपके पास घाना पर कोई नियंत्रण नहीं है। मैं जानती हूं कि ऐसा नहीं है। मामले में आगे न्यायाधीश ने प्रशासन को आदेश दिया कि वे शनिवार रात नौ बजे तक कोर्ट को लिखकर बताएं कि उन्होंने क्या कदम उठाए हैं ताकि बाकी प्रवासियों को गलत तरीके से उनके खतरनाक मूल देशों में न भेजा जाए। गौरतलब है कि कोर्ट ने पूरे मामले की तुलना किल्मर अबरेगो गार्सिया से की, जिसे पहले गलत तरीके से अल सल्वाडोर भेज दिया गया था, जबकि कोर्ट ने ऐसा करने से मना किया था। बाद में कोर्ट के आदेशों पर उसे अमेरिका वापस लाया गया। इस मामले ने ट्रंप प्रशासन की प्रवासी नीति और अदालत के आदेशों की अनदेखी करने के रवैये पर फिर से बहस छेड़ दी है।

सुशीला कार्की ने प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभाला, अंतरिम सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार पर मंथन जारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की नवनियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की रविवार सुबह 11 बजे सिंह दरबार में आधिकारिक रूप से कार्यभार संभाल लिया। पूर्व मुख्य न्यायाधीश कार्की को शुक्रवार रात को अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके साथ ही प्रधानमंत्री सुशीला कार्की रविवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकती हैं। वह मंत्रियों के नामों को अंतिम रूप देने में अपने सहयोगियों के साथ विचार-विमर्श कर रही हैं। बताया जा रहा है कि मंत्रिमंडल का विस्तार छोटा होगा।

वहीं दूसरी ओर पीएम कार्की गृह, विदेश और रक्षा समेत लगभग दो दर्जन मंत्रालय अपने पास रख सकती हैं। मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं के बीच शनिवार को समय निकालकर वह सरकार विरोधी प्रदर्शन में घायलों से मिलने सिविल अस्पताल भी गई थीं। शुक्रवार को शपथ लेने के तुरंत बाद भी वह अस्पताल जाकर घायलों का हाल जाना था।

मंत्रिमंडल में शामिल किए जा सकते हैं 15 मंत्री : काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, कार्की ने अपने मंत्रिमंडल को अंतिम रूप देने की तैयारी के लिए जेन जी आंदोलन के करीबी सलाहकारों और प्रमुख हस्तियों के साथ परामर्श शुरू कर दिया है। उनके एक सहयोगी ने दावा किया है कि कार्की रविवार सुबह अपने मंत्रिमंडल के गठन के लिए गहन चर्चा शुरू करेंगी। सभी 25 मंत्रालयों पर अधिकार रखने के बावजूद वह कथित तौर पर 15 से अधिक मंत्रियों के साथ एक सुव्यवस्थित मंत्रिमंडल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इन नामों पर चल रहा है विचार : काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार मंत्री पदों के लिए जिन नामों पर विचार किया जा रहा है उनमें कानूनी विशेषज्ञ ओम प्रकाश आर्यल, पूर्व सेना अधिकारी बालानंद शर्मा,

सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति आनंद मोहन भट्टाराई, माधव सुंदर खड़का, अशीम मान सिंह बसन्यात और ऊर्जा विशेषज्ञ कुलमन घीसिंग शामिल हैं। चिकित्सा क्षेत्र से डॉ. भगवान कोइराला, डॉ. संदुक रुइत, डॉ. जगदीश अग्रवाल और डॉ. पुकार चंद्र श्रेष्ठ जैसे प्रमुख लोगों के नामों पर विचार चल रहा है।

नामों को लेकर हो रही है ऑनलाइन वोटिंग : काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, जेनरेशन जेड के सदस्य भी समानांतर परामर्श कर रहे हैं। इसके लिए वह ऑनलाइन वोटिंग का भी सहारा ले रहे हैं। अगर इन नामों पर आम सहमति बन जाती है, तो मंत्रिमंडल रविवार शाम तक शपथ ले सकता है, हालांकि चर्चा के नतीजों के आधार पर इसे सोमवार तक के लिए भी टाला जा सकता है।

5 मार्च 2026 को होंगे संसदीय चुनाव : नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार को नव नियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की सिफारिश पर देश की संसद (प्रतिनिधि सभा) को भंग कर दिया था। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी सूचना के अनुसार सदन का विघटन 12 सितंबर 2025 की रात 11 बजे से प्रभावी हुआ। अंतरिम सरकार बनने के साथ ही अधिकारियों ने देश में नए सिरे से संसदीय चुनाव कराने का भी एलान कर दिया। नेपाल में अब 5 मार्च 2026 को आम चुनाव कराए जाएंगे।

सोमवार से खुलेंगे स्कूल : काठमांडू महानगरपालिका क्षेत्र के स्कूलों में सोमवार से कक्षाएं शुरू होंगी। शनिवार को जारी सूचना में महानगर ने कहा कि शिक्षक और कर्मचारी रविवार को ही स्कूल में उपस्थित होंगे, लेकिन पढ़ाई सोमवार से शुरू होगी। रविवार को स्कूलों में प्रशासनिक काम, क्षति का मूल्यांकन और विवरण संकलन किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, जो स्कूल संचालन योग्य स्थिति में होंगे वहां कक्षाएं होंगी। युवाओं के आंदोलन के कारण 8 सितंबर से स्कूल बंद थे।

कई दिनों की अशांति के बाद नेपाल में अब धीरे-धीरे जनजीवन सामान्य हो रहा है। काठमांडो घाटी समेत देश के अन्य हिस्सों से शनिवार को कर्फ्यू और प्रतिबंधात्मक आदेश हटा लिया गया। दुकानें, किराना स्टोर, सब्जी बाजार और शॉपिंग मॉल दोबारा खुल गए हैं। सड़कों पर भी वाहनों की चहल-पहल बढ़ गई है।

घरेलू उपायों से करें कॉन्र्स का इलाज

कॉर्न्स को दूर करने के लिए घरेलू उपचार प्रभावी होते हैं। हालांकि कॉन्र्स के इलाज के लिए घरेलू उपचार में समय लगता है, लेकिन यह सर्जरी की तरह प्रभावी और कम खर्च में किए जा सकते हैं।

कॉन्र्स के लिए घरेलू उपचार

कठोर त्वचा समय के साथ कॉर्न का रूप ले लेती है। कॉन्र्स मोटी त्वचा के धब्बे की तरह उभरता है और दबाव के माध्यम से बढ़ता है। कॉन्र्स अक्सर तेज दर्द का कारण बन सकता है। कॉन्र्स का जल्द से जल्द इलाज नहीं किए जाने पर इससे छुटकारा पाना थोड़ा कठिन हो सकता है। चिकित्सकीय रूप में कॉन्र्स केवल एक छोटी सी शल्य चिकित्सा द्वारा हटाया जा सकता है। साथ ही कॉन्र्स के इलाज के लिए ओवर-द-काउंटर क्रीम और औषधीय बैंड उपलब्ध हैं, लेकिन इनकी प्रकृति अधिकतर बनावटी होती हैं। इसलिए कॉन्र्स को दूर करने के लिए आप इन सिद्ध और प्रभावी घरेलू उपचार को अपना सकते हैं। हालांकि कॉन्र्स के इलाज के लिए घरेलू उपचार में समय लगता है, लेकिन यह सर्जरी की तरह प्रभावी और कम खर्च में किए जा सकते हैं।

कैमोमाइल चाय

कैमोमाइल चाय में अपने पैरों को भिगोना सुखदायक होता है और यह अस्थायी रूप से त्वचा के पीएच को बदल कर पसीने से तर पैर को सूखने में मदद करता है। गुनगुने पानी में सेंधा नमक और कैमोमाइल चाय को मिलाकर उसमें पैर भिगोना,कॉन्र्स को नर्म करने की चिकित्सा के लिए फायदेमंद होता है। हालांकि चाय से पैर में दाग हो सकते हैं, लेकिन इसे आसानी से साबुन और पानी से हटाया जा सकता है।

प्यूमिक स्टोन

सबसे पहले हार्ड त्वचा को नर्म करने के लिए अपने पैरों को गीला करें। फिर हल्के दबाव का उपयोग कर, गीले प्यूमिक स्टोन को कॉर्न के आगे पीछे रगड़ें। मृत त्वचा को धोने के लिए हर कुछ मिनट के लिए रुकें, और कॉर्न्स को थोड़ा नर्म होने तक दोहराएं।

सफेद सिरका

सिरका सॉस सहित कई व्यंजन की तैयारी में प्रयोग किया जाती है। साथ ही यह पैर पर कॉन्र्स को दूर करने का एक शानदार और परखा हुआ उपाय है। सफेद सिरका आसानी से खरीदा जा सकता है। एक साफ औषधीय कॉटन बॉल लेकर उसे सफेद सिरका में डुबोकर इसे कॉर्न पर लगाएं। कॉन्र्स पर कॉटन को सुरक्षित रखने के लिए डक्ट टेप का उपयोग करें। तीन से चार घंटे तक इसे ऐसे ही छोड़ दें। निर्धारित समय के बाद डक्ट टेप और कॉटन निकाल लें।

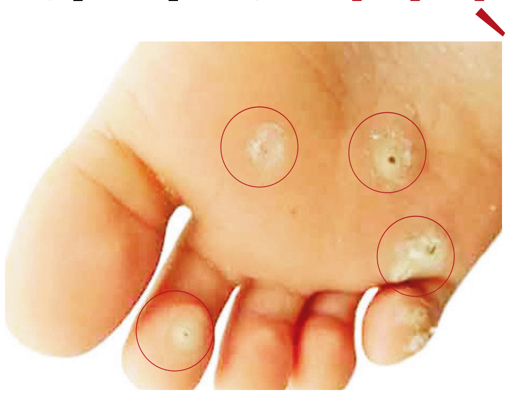

टी ट्री ऑयल

टी ट्री तेल में मौजूद एंटीफंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण इसे कॉन्र्स के इलाज के लिए बेहतर बनाते है। एक साफ कॉटन बॉल लेकर, उसपर आवश्यक तेल की पांच बूंदों डालकर कॉन्र्स पर रगडें। फिर कॉन्र्स पर कॉटन को लगा रहने दें। रात भर लगा रहने के बाद सुबह इसे पानी से धो लें।

पपीता

पैर से कॉन्र्स को दूर करने के लिए एक और बहुत ही आसान और कारगर उपाय है। पपीते में मौजूद कई एंजाइम कठिन और मृत त्वचा को दूर करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, पपीता किसी भी दर्द या बेचैनी को कम करने और यहां तक कि कॉन्र्स को सूखने और तेजी से गिरने में मदद करता है। सर्वोत्तम परिणामों के लिए, कच्चे पपीता का उपयोग करें। कच्चे पपीते के रस में कॉटन को डूबोकर उसे कॉन्र्स पर लगाएं और इसपर पट्टी के साथ सुरक्षित करें। इसे रात भर के लिए छोड़ दें। अगली सुबह धीरे से त्वचा को प्यूमिक स्टोन से एक्सोफोलिएट करें।

लहसुन

लहसुन प्रकृति से एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण यह एंटी-बैक्टीरियल और फंगल संक्र मण से लड़ने में उपयोगी होती है। लहसुन के साथ कॉन्र्स के इलाज के लिए लहसुन की तीन कली को अच्छे से भूनकर कुचलकर पाउडर बना लें। फिर लहसुन के साथ लौंग पाउडर को मिलाकर इसे कॉन्र्स पर लगाएं। इसे पट्टी से कवर करके पूरी रात के लिए छोड़ दें। अगली सुबह पट्टी को खोलकर गुनगुने पानी से पैरों को धो लें। इस उपाय कॉन्र्स के गायब होने तक करें।

तारपीन का तेल

तारपीन का तेल एक मजबूत एंटीसेप्टिक है, जो कॉन्र्स के इलाज में मदद करता है। तेल त्वचा में जल्दी प्रवेश कर जाता है जिससे उपचार तेजी से किया जा सकता है। एक पतले कपड़े में बर्फ लपेटकर प्रभावित क्षेत्र में दो मिनट के लिए मसाज करें। कॉन्र्स वाले हिस्से को अच्छे सुखाकर उसपर थोड़ा सा तारपीन का तेल लगाएं। फिर इस पर पट्टी बॉधकर रात भर के लिए छोड़ दें। रात को सोने से पहले इस उपाय को नियमित रूप से करें।

नींबू का रस

यह इलाज धीमी गति से काम करता है, लेकिन कॉन्र्स के लिए किसी भी अन्य घरेलू उपचार की तरह प्रभावी है। ताजा नींबू का एक चम्मच रस लेकर उसमें लौंग के दो टुकड़े मिलाएं। 15 मिनट के लिए नींबू के रस में लौंग को छोड़ दें। फिर लौंग को हटाकर, नींबू के रस को कॉन्र्स पर अच्छी तरह से रगड़ें। कुछ देर सुखने के बाद पानी से इसे साफ कर लें।

हल्दी

कॉन्र्स को दूर करने के लिए हल्दी भी बहुत अच्छा उपाय है। एंटी-इफ्लेमेंटरी प्रकृति के कारण, हल्दी परेशानी और दर्द को कम करने और उपचार को गति प्रदान करती है। एक चम्मच शहद में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को कॉन्र्स पर लगाकर इसे सुखने के लिए छोड़ दें। कॉन्र्स के निकलने तक इस उपाय को कम से कम एक सप्ताह में दिन में दो या तीन बार दोहराये।

मुलेठी

अदभुत चिकित्सा और औषधीय गुणों के कारण आयुर्वेद में कॉन्र्स के इलाज के लिए मुलेठी की सिफारिश की जाती है। कॉन्र्स के उपचार के लिए एक चम्मच मुलेठी में पर्याप्त मात्रा में सरसों का तेल मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सोने से पहले प्रभावित क्षेत्र पर लगा लें। इसपर पट्टी बांधकर रात भर के लिए छोड़ दें। अगली सुबह पट्टी को हटाकर गुनगुने पानी से उस क्षेत्र को धो लें। ऐसा तब तक करें जब तक कॉन्र्स नर्म और आकार में कम न हो जाये।

रेसिपी

हेल्दी कर्ड राइस

सामग्री

■ राइस -एक कटोरी ■ दही एक कटोरी ■ उड़द दाल-एक छोटा चम्मच ■ चने की दाल-एक छोटा चम्मच ■ मूंगफली -आधी छोटी कटोरी ■ दो हरी मिर्च ■ एक सूखी लाल मिर्च ■ एक सफेद प्याज ■ चुटकीभर अदरक ■ करी पत्ते 5-6 ■ आधा छोटा चम्मच राई ■ चुटकीभर मेथी दाना ■ चुटकीभर हींग ■ तेल जरूरत के अनुसार ■ नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले चावल को पानी में डालकर पका लें। इसके एक पैन में तेल डालें और राई, मेथी दाना, उड़द दाल, चने की दाल और सूखी लाल मिर्च डालकर भून लें। इसके बाद सफेद प्याज, अदरक, हरी मिर्च और करी पत्ते डालकर भूनें। इसी तेल में मूंगफली भी डालकर भून लें और इनमें नमक मिलाकर अलग रख लें। इसके बाद हींग डालें और सभी को अच्छे से मिक्स कर लें। अब साधारण पके हुए चावल में दही मिलाएं और दही के बाद भुनी मूंगफली डालकर अच्छे से मिक्स करें। इसके बाद ऊपर से तैयार तड़का डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। तैयार हैं आपके कर्ड राइस ।

काले चने की कढ़ी

सामग्री

■ भिगोए और उबले हुए काले चने ■ दही ■ बेसन ■ एक छोटा चम्मच हल्दी ■ एक बड़ा चम्मच गरम मसाला ■ दो तेजपत्ता ■ दो सूखी लाल मिर्च ■ चूटकीभर हींग ■ आधा चम्मच मेथी दाना ■ आधा छोटा चम्मच जीरा ■ दो हरी मिर्च ■ आधा कप प्याज ■ आधा कप टमाटर ■ एक बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट ■ दो बड़ा चम्मच तेल ■ नमक

विधि

सबसे पहले एक कड़ाही में तेल डालें और हींग तेजपत्ता, सूखी लाल मिर्च और मेथी दाना और जीरा डालकर भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन का पेस्ट और प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अब गरम मसाला, हल्दी, और काले चने डालकर तब तक पकाएं जब तक की मसाला तेल न छोड़ने लगे। दूसरी ओर एक कटोरी में दही में बेसन डालकर अच्छी तरह घोल लें। मसाले के तेल छोड़ते ही दही वाला मिश्रण डालकर धीमी आंच पर पकाएं। धनिया पत्तियों ऊपर से डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2588

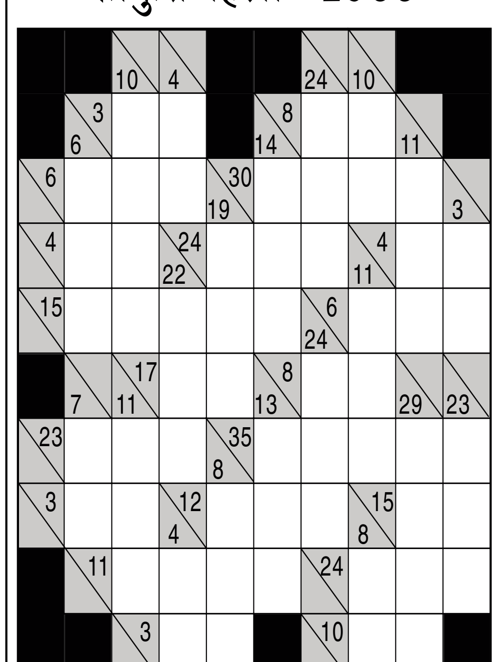

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2587 का हल

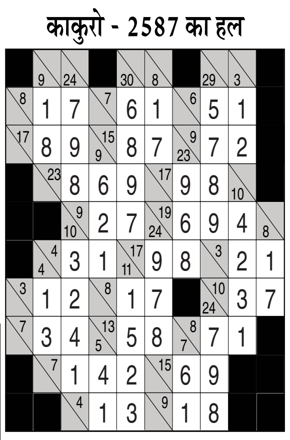

लॉफिंग ज़ोन

चोर किसी घर में चोरी करने गया हुआ था. घर का कीमती सामान इकट्ठा करके जैसे ही वह वापस लौटने को हुआ, अचानक एक मेज से टकराकर फर्श पर गिर पड़ा. उसके गिरने की आवाज सुनकर घर की मालकिन जाग गई. बहुत मोटी होने के बावजूद उसने भागकर चोर को पकड़ लिया और उसे नीचे गिरा उसके ऊपर बैठ गई. अपने बेटे को आवाज लगाते हुए उसने कहा, 'पप्पू, बेटा जल्दी से पुलिस को बुला ला.'

पप्पू ने जवाब दिया, 'मम्मी, मेरी चप्पल नहीं मिल रही है.'

'भाई साहब, चप्पल मेरी ले जाओ, लेकिन प्लीज जल्दी से पुलिस को बुला लाओ. मेरा दम घुट रहा है.' मालकिन के नीचे दबे चोर की आवाज बहुत कठिनाई से निकल पाई.

☺ ☺ ☺

सेठ जी - तुम सफाई करते हुए अपने काम से काम रखा करो. आज फिर तुम मेरी अलमारी को घूर रहे थे.

नौकर - मैं अपने काम से काम रखाता हूं. आपने ही कहा था कि जहां भी सफाई करनी हो, वहां नजर रखा करो.

☺ ☺ ☺

पिता (अध्यापक से) - मेरा लड़का इतिहास में कैसा है? मैं इस विषय में बहुत कमजोर था.

अध्यापक - यही कि इतिहास अपने को दोहरा रहा है.

फिल्म वर्ग पहेली- 2588

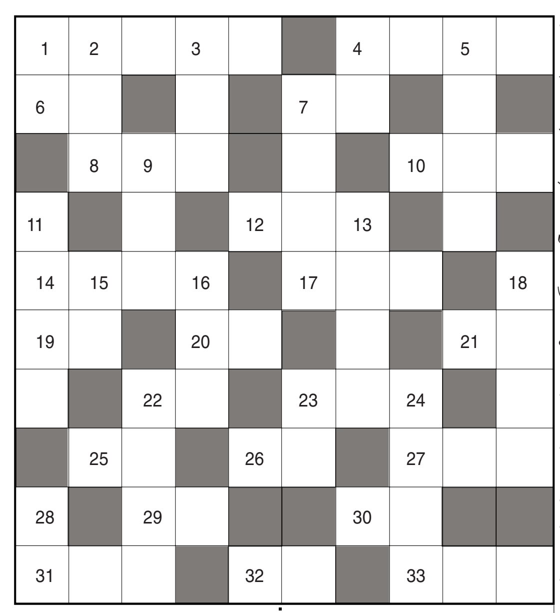

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस से पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2587

सूडोकु -2588

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

■ प्रत्येक पंक्ति में १ से ९ तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं ३×३ के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2587 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली -2588

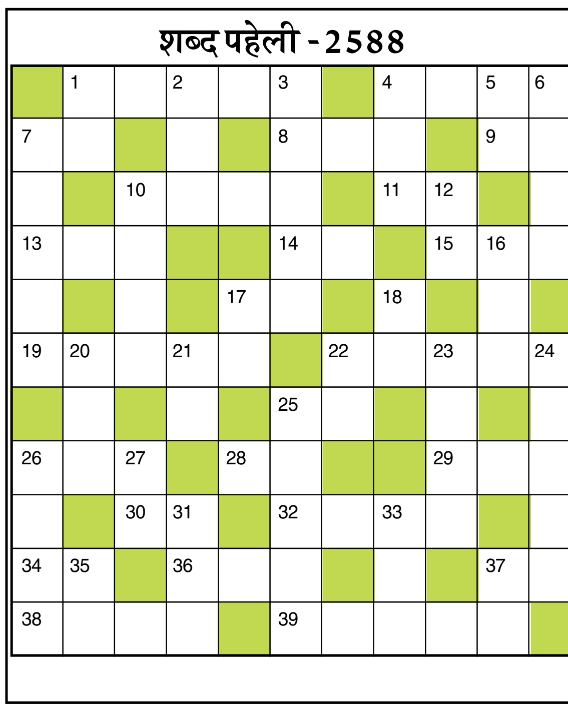

बाएँ से दाएँ

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली -2587 का हल

मुंबई एयरपोर्ट पर दो विदेशी नागरिक फर्जी पासपोर्ट के साथ गिरफ्तार

एजेंसी
मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई एयरपोर्ट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों दो विदेशी नागरिकों को फर्जी पासपोर्ट के साथ पकड़ कर सहार पुलिस स्टेशन को सौंप दिया। सहार पुलिस स्टेशन की टीम इन दोनों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई कर रही है। इस मामले की छानबीन कर रहे सहार पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि एयरपोर्ट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने 67 वर्षीय एक बांग्लादेशी नागरिक निरंजन नाथ सुबल को ओमान देश से मुंबई आने पर हिरासत में लिया था। इसी दौरान दूसरे नेपाली नागरिक कृष्णा मर्पण तमांग(29) को भी फर्जी पासपोर्ट मामले में हिरासत में लिया गया था। इसके बाद एयरपोर्ट के सुरक्षारक्षकों ने दोनों को सहार पुलिस स्टेशन को सौंप दिया। इन दोनों से गहन छानबीन में पता चला है कि दोनों ने कोलकाता में नकली दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पासपोर्ट प्राप्त किए थे। इन पासपोर्टों का उपयोग करके उन्होंने विभिन्न देशों की यात्रा भी की थी। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि कोलकाता में उनके लिए पासपोर्ट किसने तैयार किए और क्या इस गिरोह में और लोग भी शामिल हैं। सहार पुलिस स्टेशन की एक टीम मामले की गहन जांच कर रही है।

कांग्रेस ने ग्रेट निकोबार परियोजना पर एक बार फिर उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने ग्रेट निकोबार को लेकर एक बार फिर से केंद्र पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया है कि इस परियोजना में वन अधिकार अधिनियम, 2006 (एफआरए) के प्रावधानों का पालन नहीं किया गया है, जिससे पर्यावरण और आदिवासी समुदायों के अधिकारों का हनन हो सकता है। जयराम रमेश ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि 18 अगस्त 2022 को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह प्रशासन ने परियोजना के लिए वन अधिकारों के निपटान और सहमति के प्रमाण पत्र जारी किए थे, लेकिन सेवा निवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अधिकारी मीना गुप्ता ने इसकी चुनौती कलकत्ता उच्च न्यायालय में दी है, जिसमें वन अधिकार अधिनियम के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। रमेश ने कहा कि 19 फरवरी 2025 को केंद्रीय आदिवासी कार्य मंत्रालय ने खुद को इस मामले से हटाने का अनुरोध किया था, जबकि 8 सितंबर 2025 को उसी मंत्रालय ने स्थानीय प्रशासन से रिपोर्ट मांगी है, जो इस मुद्दे पर अस्पष्टता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय मंजूरी को राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में चुनौती दी गई है, बावजूद इसके अंडमान और निकोबार द्वीप समन्वित विकास निगम ने पेड़ों की कटाई और परिवहन के लिए रुचि पत्र आमंत्रित किए हैं। गलथिया बे को प्रमुख बंदरगाह घोषित करने और पर्यावरण मंत्री की अनदेखी का भी उन्होंने जिक्र किया।

भगवान श्रीकृष्ण के लीला स्थलों पर हम बना रहे हैं श्रीकृष्ण पाथेय तीर्थ : मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। हमारे पूर्वजों ने लोकतंत्र रूपी पौधे की जड़ों को इतनी खूबसूरती से सींचा है कि अब यह विशाल वटवृक्ष बन चुका है। हमारी सरकार भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों को चिरस्थाई बनाने के लिए मध्य प्रदेश एवं देश में उनकी लीला स्थलों को चिन्हित कर श्रीकृष्ण पाथेय विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। श्रीकृष्ण के लीला स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव बिहार की राजधानी पटना में भगवान श्रीकृष्ण के विचारों का जन समरस सांस्कृतिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण सच्चे अर्थों में लोकतांत्रिक व्यवस्था के पक्षधर थे। उन्होंने अपने राजकाज में लोकतांत्रिक मूल्यों और सभी के विचारों को महत्व दिया। हमारी सरकार भगवान श्रीकृष्ण के बताए मार्ग पर ही चल रही है। उनके विचार हमारे लिए अमूल्य पूंजी और हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। उन्होंने यहां अखिल भारतीय यादव महासभा अहीर की बिहार इकाई द्वारा आयोजित नियमित समाज सुधार श्रृंखला में भी सहभागिता की और समाज सुधार की दिशा में अपने विचार व्यक्त किए।

मसूरी में अवैध निर्माण पर चलेगा एमडीडीए का बुलडोजर, हर सप्ताह होगी 'रैंडम चेकिंग'

मसूरी । उत्तराखंड की खूबसूरत पहाड़ियों में बसा मसूरी शहर अवैध निर्माण गतिविधियों से जूझ रहा है। इस समस्या से निदान के लिए मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) अब अभियान चलाकर अवैध निर्माण को हटाएगा। एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने बताया कि अवैध निर्माणों पर नकेल कसने के लिए हर हफ्ते रैंडम चेकिंग की जाएगी और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। इसके लिए मसूरी को अलग-अलग सेक्टरों में बांट दिया गया है।उन्होंने बताया कि हर सप्ताह प्राधिकरण की टीम एक सेक्टर में जाकर सभी निर्माण कार्यों का निरीक्षण करेगी। इस दौरान जो भी अवैध निर्माण करते पाया जाता है, उस पर तत्काल नोटिस और सीलिंग की कार्रवाई के अलावा जरूरत पड़ने पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि जिन इमारतों को पहले सील किया जा चुका है, यदि वहां फिर से निर्माण शुरू होता है तो संबंधित व्यक्ति पर एफआईआर दर्ज होगी। इस बात को ध्यान में रखते हुए लोग निर्माण कार्य कराएं। इसके अलावा, एमडीडीए ने घर बनाने की प्रक्रिया को भी आसान बना दिया है। प्राधिकरण ने अपनी वेबसाइट पर पूर्व-स्वीकृत आवासीय नक्शे अपलोड किए हैं।

यदि हर समाज सरदार धाम के सूत्र 'समाज निर्माण से राष्ट्र निर्माण' को स्वीकार कर ले, तो श्रेष्ठ राष्ट्र का निर्माण हो सकता है: अमित शाह

एजेंसी
गांधीनगर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सरदार धाम में फेज-2 कन्या छात्रालय तथा 100 करोड़ रुपये की दीकरी दत्तक योजना का लोकार्पण किया। उन्होंने इस अवसर पर सरदार धाम स्थित सरदार साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर वंदन किया। उन्होंने सरदार धाम के ट्रस्टियों के साथ संवाद कर राष्ट्र निर्माण में सरदार धाम की भूमिका को लेकर विशेष चर्चा भी की। राज्य सूचना विभाग ने अपने बयान में बताया कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने समाज का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि हर समाज इस तरह से जागरूक बन जाए, तो सरकार का काम आसान और सहज हो जाएगा। साथ ही, उन्होंने कहा कि पटेल समाज एक ऐसा समाज है, जो अध्ययनकर्ताओं के लिए अध्ययन का एक विषय है। इस समाज द्वारा स्थापित व्यवसाय, रोजगार, ट्रांसपोर्टेशन सहित सारे विषय अध्ययन के विषय हैं, कि कैसे इन सबमें वर्षों तक वर्चस्व बनाए रखा

जा सकता है। उन्होंने कहा कि पटेल समाज का पूरे गुजरात के विकास में बहुत ही बड़ा योगदान रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कन्या छात्रालय की शुरुआत को बहुत ही उम्दा कार्य बताते हुए कहा कि मां-बाप बेटियों को हॉस्टल भेजने से घबराते हैं, तब यदि अपने ही समाज द्वारा ऐसी सुरक्षित व्यवस्था विकसित की जाए, तो दूरदराज के गांवों से भी बेटियां उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए बाहर आकर अपना भविष्य सुनिश्चित कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक समाज सरदार धाम के सूत्र 'समाज निर्माण से राष्ट्र निर्माण' को स्वीकार कर ले, तो वास्तव में राष्ट्र का श्रेष्ठ निर्माण होने से कोई नहीं रोक सकता। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री शाह ने सरदार धाम की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि इस अद्भुत संगठन के माध्यम से 3 हजार बेटियों और 2 हजार बेटे पढ़कर समाज, राज्य और देश का नाम रोशन करें, इस उद्देश्य से समाज के अग्रणियों द्वारा की गई कल्पना धरातल पर हूबहू साकार हुई है, जो प्रसन्नता की बात है। अपने जीवन के विकास के लिए बेटियां उच्च शिक्षा प्राप्त कर मजबूत बन सकती हैं, इसके लिए समाज के प्रयासों की सराहना करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अपने 40 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में उन्होंने अनेक शैक्षणिक संस्थानों, पुस्तकालयों और छात्रावासों का दौरा किया है, जिनमें से सरदार धाम में सरदार धाम के विकसित की गई छात्रालय की व्यवस्था विद्यार्थियों के लिए काफी सुंदर और सुविधायुक्त है।

फिरोजपुर में सरहद पार से आई 15.7 किलो हेरोइन बरामद, एक गिरफ्तार

एजेंसी
चंडीगढ़। फिरोजपुर पुलिस ने एक बार फिर सरहद पार से नशा तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया। पुलिस ने 15.7 किलोग्राम हेरोइन समेत एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। राज्य के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि खुफिया जानकारी पर आधारित पर फिरोजपुर पुलिस ने नशा तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। फिरोजपुर के हबीबवाला निवासी सोनू सिंह के पास से 15.7 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई है। डीजीपी यादव ने बताया कि आरोपित के खिलाफ कोई भी पुराना आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। प्राथमिक जांच से पता चला है कि यह ड्रग नेटवर्क कपूरथला जेल में बंद एक व्यक्ति चला रहा है। नशे की यह खेप पाकिस्तान आधारित तस्करों ने भेजी थी। डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे-पीछे संबंधों का पता लगाकर इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए और जांच की जा रही है। ऑपरेशन के विवरण साझा करते हुए सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसएसपी) फिरोजपुर भूपिंदर सिंह सिद्धू ने बताया कि सीआईए फिरोजपुर की टीमों को भरोसेमंद जानकारी मिली थी कि संदिग्ध सोनू सिंह ने हेरोइन की तस्करी कर रहा है, वह हेराइन लेकर ग्राम पल्ला मेघा से सिटी फिरोजपुर की ओर जा रहा है। इस सूचना पर एसपी (डी) फिरोजपुर मनजीत सिंह और डीएसपी (डी) फिरोजपुर बरजिंदर सिंह की निगरानी में पुलिस टीमों ने ऑपरेशन चलाया और पिंड दुलची के पास लगे नाके से आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी ने कहा कि इस केस में आगे की जांच जारी है।

ग्राम सिमरिया में उल्टी-दस्त से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

एजेंसी
मंडला। मध्य प्रदेश मंडला जिले में घुघरी तहसील अंतर्गत लाफन ग्राम पंचायत के सिमरिया गांव में उल्टी-दस्त से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत का मामला सामने आया है। इनमें तीन की मौत दो दिन में हुई है, जबकि एक ने दम तोड़ा। जानकारी मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम जांच के लिए गांव पहुंची और परिवार तथा गांव के अन्य लोगों की जांच की। मौके पर बीएमओ डॉ. नीरज राज, एसडीएम हुनेन्द्र घोरमारे, पीएचई एसडीओ जोशी मौजूद रहे। फिलहाल यह सामने नहीं आया है कि डायरिया किस कारण फैला है।मृतकों में मुन्ना केराम (48), नरवदिया केराम (68), देवीसिंह केराम (44) और 18 महीने का आदित्य (अमरसिंह केराम का पुत्र) शामिल हैं। सबसे पहले तीन दिन पूर्व आदित्य शामिल हैं। मृतक देवीसिंह की बेटी राजेश्वरी ने बताया कि गत आठ सितंबर को रिश्ते के छोटे भाई और 18 महीने की दोपहर तीन बजे आदित्य को उल्टी-दस्त हुए। शाम पांच बजे अचानक झटके आए और मौत हो गई। उस वक्त की मां बिछिया में भर्ती कराया गया था। उनकी मौत हो गई। बीएमओ डॉ. नीरज राज ने बताया कि घर में

खेत पर थी। इसके बाद 13 सितंबर को मेरे बड़े पापा मुन्ना केराम और दादी नरबदिया केराम को उल्टी दस्त हुए। दोनों को निजी अस्पताल में दिखाया, लेकिन असर नहीं हुआ। इसी दिन दोनों ने दम तोड़ दिया। इस दौरान पिता देवीसिंह केराम को भी उल्टी दस्त होने लगे। उन्हें मौजूद मरीजों के सैंपल लेकर जांच के लिए मंडला भेजे हैं। परिवार की रमकी बाई को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जांच के बाद ही कारण सामने आएगा। गांव के लोग कुएं का पानी पीते हैं। दूषित पानी भी कारण हो सकता है। एक हफ्ते तक टीम गांव में रहकर सर्वे करेगी।

सेवानिवृत्त आईएएस अमित खरे को उपराष्ट्रपति का सचिव नियुक्त किया गया

एजेंसी
नई दिल्ली। सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अमित खरे को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का सचिव नियुक्त किया गया है। मंत्रिमंडलीय नियुक्ति समिति ने इस संबंध में मंजूरी प्रदान की है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के शनिवार को जारी आदेश के अनुसार 1985 बैच के झारखंड कैडर के अधिकारी खरे की नियुक्ति अनुबंध के आधार पर सचिव के पद और वेतनमान पर की गई है। वे पदभार ग्रहण करने की तिथि से अगले तीन वर्ष तक इस जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे। खरे 12 अक्टूबर, 2021 से प्रधानमंत्री के सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं और प्रधानमंत्री कार्यालय में सामाजिक क्षेत्र से संबंधित विषयों को देख रहे थे। अपने लंबे प्रशासनिक कार्यकाल में उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों में कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दी हैं। वे केंद्र सरकार में छह वर्ष तक उच्च शिक्षा विभाग में संयुक्त सचिव रहे, जहां उन्होंने यूनेस्को, शिक्षा नीति, पुस्तक संवर्धन और कॉपीराइट से जुड़े दायित्व संभाले। झारखंड में उन्होंने मानव संसाधन विकास सचिव और रांची विश्वविद्यालय के

कुलपति के रूप में कार्य किया। झारखंड सरकार में विकास आयुक्त तथा वित्त-सह-योजना के अपर मुख्य सचिव के रूप में उन्होंने बजट सुधार, वित्तीय समावेशन और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसे अनेक कदम उठाए।

खरे 2018 में सूचना एवं प्रसारण सचिव बने और इसके बाद स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता तथा उच्च शिक्षा सचिव के पद पर भी रहे। वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तैयार करने और लागू करने वाली टीम के प्रमुख सदस्य थे। दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज से स्नातक तथा आईआईएम अहमदाबाद से स्नातकोत्तर प्रबंधन डिग्री प्राप्त खरे को बिहार के चर्चित 'चारा घोटाला' का पर्दाफाश करने के लिए भी जाना जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी नरेंद्र ने किया संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन का उद्घाटन

एजेंसी
कोलकाता । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कोलकाता स्थित भारतीय थलसेना के ईस्टर्न कमांड मुख्यालय विजय दुर्ग (पूर्ववर्ती फोर्ट विलियम) में तीन दिवसीय संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। यह सम्मेलन 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद का पहला उच्चस्तरीय आयोजन है। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर सीमापार आतंक ढांचे को ध्वस्त करने के लिए की गई एक दंडात्मक और लक्षित सैन्य कार्रवाई थी। इस अभियान ने त्रि-सेनाओं की सटीकता, पेशेवर क्षमता और सुनियोजित रणनीति का प्रदर्शन किया। सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस जहां सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व सामरिक, संस्थागत और परिचालन प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श करता

स्टाफ जनरल अनिल चौहान और थल, वायु और नौसेना प्रमुख भी शामिल हुए। इस मंच को सशस्त्र बलों का सर्वोच्च मंथन स्थल माना जाता है, है। इस वर्ष सम्मेलन का विषय है - 'सुधारों का वर्ष- भविष्य के लिए रूपांतरण'। 16वें संस्करण का मुख्य फोकस सशस्त्र बलों में सुधार, परिवर्तन, तकनीकी आधुनिकीकरण और बहु-क्षेत्रीय तैयारियों को सुदृढ़ करना है। रक्षा अधिकारियों का कहना है कि यह बैठक सेनाओं की गहरी एकीकरण प्रक्रिया और उच्चस्तरीय ऑपरेशनल तत्परता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।प्रधानमंत्री मोदी कल शाम असम से कोलकाता पहुंचे और राजभवन में रात बिताने के बाद सोमवार सुबह करीब 9:30 बजे विजय दुर्ग पहुंचे। वह दोपहर बाद बिहार के पूर्णिया रवाना होंगे। यह पिछले पांच महीनों में प्रधानमंत्री का चौथा बंगाल दौरा है और एक माह के भीतर दूसरा। संयुक्त कमांडरों का पिछला सम्मेलन वर्ष 2023 में भोपाल में आयोजित हुआ था।

असम में 5.8 तीव्रता के भूकंप के बाद दो और कम तीव्रता के भूकंप से तहशत

गुवाहाटी। असम के शोणितपुर जिलांतर्गत ढेकियाजुली में दोपहर बाद 4.41 मिनट के आसपास आए भूकंप के तेज झटकों से लोगों के बीच दहशत का माहौल उत्पन्न हो गया। प्रारंभिक सूचना के अनुसार भूकंप की तीव्रता 5.8 बतायी गयी है। अंतिम सूचना मिलने तक भूकंप से किसी भी प्रकार के नुकसान का अभी पता नहीं चला है। भूकंप का केंद्र शोणितपुर जिला के ढेकियाजुली से 15 किमी दूर जमीन के अंदर 5 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 26.78 उत्तरी अक्षांश तथा 93.33 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था। भूकंप का असर पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों के साथ ही पड़ोसी देश बांग्लादेश, म्यांमार, भूटान एवं चीन तक महसूस किया गया है। ज्ञात हो कि 5.8 तीव्रता के भूकंप के बाद दो और कम तीव्रता के भूकंप को महसूस किया गया। सिस्मोलॉजी विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 4.41 बजे आए 5.8 तीव्रता के भूकंप के बाद 4.58 मिनट पर 3.1 तीव्रता का भूकंप उदालगुड़ी जिले में दर्ज किया गया। भूकंप जमीन के अंदर 5 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 26.80 उत्तरी अक्षांश तथा 92.33 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था। वहीं तीसरा भूकंप उदालगुड़ी जिले में 5.21 मिनट पर महसूस किया गया। इसकी तीव्रता 2.9 दर्ज की गयी। भूकंप जमीन में 5 किमी नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 26.81 उत्तरी अक्षांश तथा 92.33 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था। आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार डिमा हसाओ, तिनसुकिया, नगांव, होजाई, गोलाघाट, धुबड़ी, श्रीभूमि, चिरांग, कोकराझार, शोणितपुर जोरहाट, डिब्रूगढ़, लखीमपुर और बाक्सा आदि जिलों में किसी भी प्रकार के नुकसान की कोई जानकारी नहीं मिली है।

सिंधिया ने ग्वालियर में किया रेलवे स्टेशन का निरीक्षण, रिनोवेशन कार्य का लिया जायजा

एजेंसी
ग्वालियर। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर में रेलवे स्टेशन के जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने चल रहे रिनोवेशन की प्रगति का जायजा लिया और उत्तर मध्य रेलवे के डीआरएम समेत अधिकारियों के साथ बैठक की। सिंधिया ने सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि ग्वालियर रेलवे स्टेशन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के सहयोग से वर्ल्ड क्लास स्टेशन बनने की दिशा में अग्रसर है। आज प्रगति पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण कर रेलवे प्रबंधन व निर्माण कंपनी के साथ चर्चा की। शीघ्र ही यह स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होकर प्रतिदिन लाखों यात्रियों की सेवा करेगा। उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह केवल विकास का प्रकल्प नहीं, बल्कि अपनी विरासत को आधुनिकता से जोड़ने का भावनात्मक क्षण है। सिंधिया ने बताया कि 2021 में कोरोना काल के दौरान उन्होंने स्वयं ग्वालियर

रेलवे स्टेशन का डिजाइन तैयार किया था। बैठक में उसी डिजाइन की प्रगति पर चर्चा हुई। उन्होंने डीआरएम और अधिकारियों को उनके प्रयासों के लिए सराहना की, जो स्टेशन के सौंदर्यीकरण में जुटे हुए हैं। सिंधिया ने स्टेशन के विकास कार्यों का विस्तृत ब्यौरा साझा किया। उन्होंने कहा कि स्टेशन का निर्माण ग्वालियर की ऐतिहासिक वास्तुकला को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, जिसमें आधुनिक सुविधाओं का भी समावेश होगा। उन्होंने अधिकारियों को आठ महत्वपूर्ण सुझाव दिए। सिंधिया ने उम्मीद जताई कि जैसे भोपाल का रानी कमलापति स्टेशन शहर का आकर्षण बन गया है, वैसे ही ग्वालियर रेलवे स्टेशन भी आधुनिकता और इतिहास के बेहतरीन संगम के रूप में विकसित होगा।

तमिलनाडु में इस सप्ताह कई जिलों में भारी बारिश के आसार, आईएमडी का अलर्ट जारी

चेन्नई । तमिलनाडु में अगले कुछ दिनों में कई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सप्ताह के दौरान राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के लिए पूर्वानुमान जारी किए हैं, जिसमें कई जिलों में भारी बारिश की बात कही गई है। आईएमडी की लेटेस्ट बुलेटिन के अनुसार, मंगलवार को इरोड, कृष्णगिरि, धर्मपुरी, तिरुपत्तूर, सलेम और वेल्लोर जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। राज्य के अन्य हिस्सों में भी मानसून की सक्रियता बढ़ने के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बारिश का दायरा बढ़ने की संभावना है और कृष्णगिरि, धर्मपुरी, सलेम, तिरुपत्तूर, वेल्लोर, रानीपेट, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू, तिरुवन्नामलाई, कल्लाकुरिची और विल्लुपुरम जिलों के साथ-साथ पुडुचेरी के लिए भी भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया गया है। वहीं, गुरुवार को सलेम, तिरुवन्नामलाई, कल्लाकुरिची, विल्लुपुरम, कुड्डालोर, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, अरियालुर, पेरम्बलुर और मयिलादुथुराई जिलों में बारिश की गतिविधि तेज हो सकती है।

नर्मदा परिक्रमा साधना और आत्मबोध का मार्ग: डॉ भागवत

एजेंसी
इंदौर। 'भारत का अस्तित्व भक्ति और आत्मीयता के भाव पर आधारित है। यही भारत का वास्तविक भाव है। जब तक हमारे जीवन और समाज में सर्वत्र चेतन्यता और पवित्रता का भाव रहा, तब तक दुनिया में सुख और शांति का साम्राज्य रहा। भारत ने कभी किसी को दबाया नहीं, पूरी दुनिया को सभ्यता, संस्कृति और ज्ञान दिया।'ये विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने इंदौर प्रवास के दौरान ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में व्यक्त किए। वे पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल की नर्मदा परिक्रमा संस्मरणों पर आधारित पुस्तक 'परिक्रमा-कृपासार' के विमोचन अवसर पर बोल रहे थे।

नर्मदा परिक्रमा- श्रद्धा और साधना का प्रतीक: डॉ. भागवत ने कहा कि नर्मदा परिक्रमा केवल यात्रा नहीं है, यह भारत की श्रद्धा का प्रतीक है। हमारे देश में कर्मवीरों और तर्कवीरों की परंपरा रही है, लेकिन इनके साथ श्रद्धा और विश्वास की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि दुनिया वास्तव में विश्वास पर चलती है। जनरल मोटर्स जैसी कंपनियां भी

आपसी भरोसे पर खड़ी हैं। भारत की संस्कृति की जड़ें भी ठोस आधार और प्रत्यक्ष अनुभूतियों पर टिकी हैं। यहाँ की आस्था कल्पना नहीं है, बल्कि प्रत्यक्ष प्रमाणों पर आधारित है, जिनका अनुभव साधना और प्रयोग से होता है।

भवानी-शंकर का भाव और भारतीय दर्शन

सरसंघचालक ने स्पष्ट किया कि हमारे यहां श्रद्धा और विश्वास को भवानी-शंकर के रूप में पूज्य स्थान दिया गया है। सत्य और सुख बाहर कहीं नहीं है, उसका मूल अपने भीतर है। हमारे पूर्वजों ने सुख की आंतरिक खोज की और उस यात्रा में उन्हें सत्य का ज्ञान हुआ। यही कारण है कि हमारे शास्त्र एक ही ब्रह्म को सबमें मानते हैं। बाहरी विविधता केवल आभास है, जबकि शाश्वत स्तर पर सबमें एकत्व है। ÷सबमें भगवान है और भगवान में सब है,÷ यह भाव ही भारतीय जीवन दर्शन का सार है।

'मैं और मेरा' से आगे बढ़ने की जरूरत

उन्होंने आगे कहा कि जीवन में 'मैं और मेरा' का भाव एक सीमा तक ही स्वीकार्य है। इसके आगे साधना और त्याग से मनुष्य को स्वयं को व्यापक चेतना से जोड़ना पड़ता है। साधना के अनेक मार्ग हमारे ऋषि-मुनियों ने बताए हैं। नर्मदा परिक्रमा भी एक प्रकार की साधना है, जो व्यक्ति को अपने भीतर झांकने और आत्मबोध कराने का अवसर देती है। नर्मदा मैया सबकी है, वह योग्यता नहीं देखती, केवल भाव और भक्ति देखती है।

तर्क, विज्ञान और श्रद्धा का संतुलन

डॉ. भागवत ने चिंता जताई कि आज भक्ति और भाव की कमी से परिवार, समाज, पर्यावरण और यहां तक कि मानसिक जीवन तक में विकृतियां बढ़ रही हैं। सुख-शांति का मार्ग केवल भक्ति भाव से ही संभव है। उन्होंने कहा कि दुनिया धर्म से चलती है और धर्म के रक्षण के लिए आत्मीयता, अपनापन और भक्ति का होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि तर्क और शास्त्रार्थ में हमारा देश किसी से पीछे नहीं है। लेकिन, जीवन का संचालन श्रद्धा और विश्वास से ही होता है। आज भले ही कई लोग वैज्ञानिक दृष्टि की बात करते हैं, लेकिन वैज्ञानिक दृष्टि भी प्रत्यक्ष प्रमाण की मांग करती है।

लामू मुठभेड़ में मारे गए मुखदेव पर थे 24 से अधिक मामले दर्ज, लंबे समय से था सुरक्षा बलों के निशाने पर

एजेंसी
पलामू। झारखंड में पलामू जिले के मनातू और तरहसी के सीमावर्ती जंगल में पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) का कमांडर मुखदेव यादव के खिलाफ 24 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से सुरक्षा बलों के निशाने पर था। पलामू पुलिस ने इसकी जानकारी दी है। पुलिस के अनुसार मुखदेव यादव बिहार और झारखंड में आतंक का पर्याय बना हुआ था। उसके खिलाफ दर्ज मामलों को देखकर और पलामू पुलिस की अनुशंसा पर इसी वर्ष मार्च 2025 में झारखंड सरकार ने 5 लाख का इनाम घोषित किया था। टीएसपीसी के मुखिया शशिकांत दस्ते के लिए वह लेवी वसूलने का काम करता था और हथियार की डील करता था। शशिकांत का वह काफी करीबी माना जाता था। 3 सितंबर को मनातू थाना क्षेत्र के केदल गांव में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मुखदेव यादव भी शामिल था। पहली गोली उसी ने ही चलाई थी। इस घटना में जिला पुलिस के दो जवान संतन मेहता और सुनील राम बलिदान हो गए थे, जबकि एक जवान रोहित कुमार जख्मी हुए थे। संतन और सुनील का श्राद्ध कर्म अभी चल रहा है। इसी बीच पलामू पुलिस ने अपने दोनों जवानों के शहादत का बदला ले लिया। पुलिस की कार्रवाई यही तक नहीं रुकी है। टीएसपीसी के कमांडर शशिकांत को घेरने के लिए 200 से अधिक जवानों को लगाया गया है, जिसमें जगुआर, कोबरा 209 के अलावा झारखंड पुलिस के जवान शामिल हैं। इस बीच घटना की सूचना मिलने पर जिला मुख्यालय मेदिनीनगर से पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन, एसडीपीओ के साथ घटनास्थल पर पहुंची। ढेर किए गए नक्सली के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के लिए जरूरी प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। पुलिस के अनुसार 3 सितंबर की मुठभेड़ के बाद मनातू और तरहसी के सुदूरवर्ती जंगली क्षेत्र में पुलिस का अभियान जारी था, इसी क्रम में जब पुलिस रविवार की सुबह भीतडीहा और कसमार के जंगल में पहुंची, तो उग्रवादियों की ओर से फायरिंग शुरू कर दी गई। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए एक उग्रवादी को मार गिराया। मौके से एक इंसास राइफल बरामद की गई है। जिस क्षेत्र में मुखदेव यादव मारा गया वह उसके गढ़ के रूप में चर्चित है और उसी इलाके में वह सक्रिय था। मूल रूप से मनातू के मिटार का रहने वाला मुखदेव पहले भाकपा माओवादी कासदस्य था, बाद में वह टीएसपीसी में शामिल हो गया। उस पर पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार में कई बड़े नक्सल हमले को अंजाम देने का आरोप है। मुखदेव हर वक्त अपने साथ इंसास राइफल रखता था।

एशिया कप 2025: बंगलादेश के खिलाफ सुपर चार में जगह पक्की करने उतरेगा अफगानिस्तान

अबू धाबी (एजेंसी)। एशिया कप में बंगलादेश की टीम को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए मंगलवार को होने वाले अफगानिस्तान के खिलाफ मैच को हर-हाल में जीतना होगा। वहीं अफगानिस्तान सुपर चार में जगह पक्की करने मैदान में उतरेगा। बंगलादेश के खिलाफ अफगानिस्तान का पलड़ा भारी रहा है। अब तक दोनों टीमों के बीच 12 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं।

इस दौरान पांच में बांग्लादेश को जीत मिली है। सात मुकाबले अफगानिस्तान ने जीत हैं। दोनों टीमों के बीच खेले गए आखिरी पांच मैचों की बात की जाये तो अफगानिस्तान ने तीन मैच जीते हैं और बंगलादेश को दो में सफलता मिली है। बंगलादेश को एशिया कप के अपने पिछले मैच में श्रीलंका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। उसे हार की निराशा से बाहर निकलकर जायेद क्रिकेट स्टेडियम में कल अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में जीत के लिए पूरी ताकत झोकनी होगी।

बल्लेबाजी की बात की जाये तो टूर्नामेंट में बंगलादेश का शीर्ष क्रम बिल्कुल भी नहीं चल पा रहा है। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने मिलकर दो मैचों में केवल 33 रन जोड़े हैं। कप्तान लिटन दास एक बेहतरीन खिलाड़ी है उन्हें स्वयं को पूरी तरह से झोंककर लय बनाते हुए थोड़ा साहस दिखाना होगा और जरूरत पड़ने पर लंबी पारी खेलनी होगी। तौहीद हृदय और महेदी हसन को उनका साथ देना होगा तथा जैकर अली और शमीम हुसैन जैसे बल्लेबाजो को निचले क्रम में मजबूती से बल्लेबाजी करनी होगी।

दूसरी ओर, अफगानिस्तान कहीं अधिक आत्मविश्वास से भरी टीम दिख रही है। राशिद खान की टीम ने अपने पिछले मैच में हांगकांग को 94 रनों से हराया था और वे इन परिस्थितियों में लगातार जीत रहे हैं। उन्होंने अपने पिछले आठ मैचों में से छह जीते हैं और ऐसा लगता है कि वह खाड़ी में खेलने में मजा ले रहे है। हांगकांग के खिलाफ सिदिकुल्लाह अटल की 73 रनों की पारी ने उनकी बल्लेबाजी में मजबूती दिखाई, जबकि अजमतुल्लाह उमरजई और मोहम्मद नबी मध्यक्रम में जरूरत पड़ने पर अपनी लय बदल सकते है।

राशिद और करीम जनत को इसमें शामिल कर लें, तो उनके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो बंगलादेश के गेंदबाजों की लेंथ बिगड़ सकते हैं। वहीं अगर गेंदबाजी की बात की जाये तो अफगानिस्तान के पास विविधता और आत्मविश्वास है। फजलहक फारूकी और ओमरजई नई गेंद से अहम ओवरों में योगदान दे सकते हैं और राशिद की स्पिन बेहतर रही है। अगर नूर अहमद या एएम गजनफर सही गेंदबाजी करते हैं, तो वे बीच के ओवरों में विपक्षी टीम को धूल चटा सकते हैं। बंगलादेश को अफगानिस्तान को हराने के लिए बल्ले से अनुशासन और गेंद से सटीकता की जरूरत होगी, क्योंकि अफगानिस्तान के पास लय और स्थिरता है।

राशिद खान की टीम जानती है कि अगर वे संयम बनाये रखते है तो इस जीत के साथ उनका सुपर 4 में स्थान पक्का हो जाएगा। इस बीच, बंगलादेश को अपनी गेंदबाजी की धार फिर से तलाशनी होगी। मुस्तफिजुर रहमान और शोरफुल इस्लाम अपनी लय में आकर खतरनाक साबित हो सकते हैं, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ वे नाकाम रहे। महेदी हसन और रिशाद हुसैन को अफगानिस्तान के आक्रामक बल्लेबाजों के खिलाफ संयम बनाए रखना होगा।

संभावित प्लेइंग 11

बंगलादेश -लिटन दास (कप्तान और विकेटकीपर), परवेज हुसैन इमोन, तंजीद हसन तमीम, तौहीद हृदोय, जेकर अली, शमीम हुसैन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, तंजीम हसन साकिब, शोरफुल इस्लाम और मुस्तफिजुर रहमान

अफगानिस्तान - राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, इब्राहिम जादरान, गुलबदीन नाइब, अजमतुल्लाह ओमरजई, मोहम्मद नबी, करीम जनत, नूर अहमद, एएम गजनफर और फजलहक फारूकी।

योगेश कथुनिया विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना विश्व रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत पहली बार विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी की तैयारी कर रहा है, ऐसे में पैरालंपिक में पुरुषों की डिस्कस थ्रो F56 स्पर्धा में रजत पदक विजेता योगेश कथुनिया पहले से कहीं अधिक दृढ़ हैं। वह 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इस महामुकाबले में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करेंगे। चैंपियनशिप का यह संस्करण ऐतिहासिक है, न केवल इसलिए कि यह पहली बार भारत और दक्षिण एशिया में इस तरह का कोई वैश्विक पैरा एथलेटिक्स आयोजन हो रहा है, बल्कि इसलिए भी कि यह योगेश को घरेलू मैदान पर खेलने का लाभ और अपने ही लोगों के सामने अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने का मौका देता है।

योगेश के लिए यह कोई साधारण प्रतियोगिता नहीं है। उनका पूरा परिवार वहां मौजूद होगा, उनका उत्साहवर्धन करेगा, हर टॉस और हर सांस का साक्षी होगा। स्टैंड में प्रियजनों का होना भावनात्मक समर्थन से कहीं अधिक मायने रखता है, यह वह उत्साह है जो दबाव को शक्ति में बदल देता है। भारतीय पैरालंपिक समिति (PCI) की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, योगेश ने कहा, 'घरेलू धरती पर विश्व चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करना जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव है। यह जानना कि मेरा परिवार स्टैंड में होगा, मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए अतिरिक्त प्रेरणा देता है।'

टोक्यो 2020 पैरालिंपिक में स्र56 डिस्कस थ्रो स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले योगेश इस चैंपियनशिप में एक स्पष्ट लक्ष्य के साथ उतर रहे हैं और वह यह अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ना। वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं, अपनी तकनीक को निखार रहे हैं, अपने थ्रो को और बेहतर बना रहे हैं और इस घरेलू प्रतियोगिता में, वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा लक्ष्य दिल्ली में अपना विश्व रिकॉर्ड तोड़ना है। मैं ब्राजील के मजबूत थ्रोअर बतिस्ता डॉस सैंटोस के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक हूँ, यह एक बड़ी चुनौती है।'

पाक के खिलाफ पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बने पांड्या

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने यहां एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। हार्दिक ने मुकाबले की पहली ही गेंद पर पाक बल्लेबाज को आउट कर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की।

हार्दिक ने सैम अयूब को आउट कर इतिहास रच दिया क्योंकि यह पहली बार था जब किसी भारतीय गेंदबाज ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया। पांड्या अब टी20 में पाक के खिलाफ मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बने हैं। इससे पहले श्रीलंका के नुवान कुलशेखरा ने साल 2009 में श्रीलंका के लिए यह रिकार्ड बनायास था। इसके अलावा जॉर्ज लिंडे ने साल 2021 में दक्षिण अफ्रीका की ओर से पहली ही गेंद पर विकेट लिया था। पाकिस्तान के खिलाफ 91 रन और 13 विकेट के साथ हार्दिक पांड्या पहले ही टी20 में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं।

बुमराह टी20 में चौथे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, भुवनेश्वर को पीछे छोड़ा

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने यहां पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मुकाबले में दो विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इसी के साथ ही -बुमराह ने टी20आई क्रिकेट में भुवनेश्वर कुमार का सबसे अधिक विकेट लेने का रिकार्ड तोड़ दिया। बुमराह ने 4 ओवर में 28 रन देकर दो विकेट लिए। इसी के साथ ही अब बुमराह के 72 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 17.67 की औसत और 6.29 की शानदार इकॉनमी रेट के साथ ही 92 विकेट हो गये हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सात रन देकर तीन विकेट है। इसी के साथ ही उन्होंने भुवनेश्वर के

87 मैचों में 90 विकेट के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया है। बुमराह के आगे अब हार्दिक पांड्या 116 मैचों में 95 विकेट, स्पिनर युजवेंद्र चहल 80 मैचों में 96 विकेट और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 63 मैचों में 99 विकेट हैं। बुमराह के अलावा कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ 18 रन देकर तीन विकेट लेने के साथ ही स्पिनर अक्षर पटेल और रविचंद्रन अश्विन को भी पीछे छोड़ दिया। इस प्रकार कुलदीप टी20आई में भारत की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले छठे गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने 42 मैचों में 13.10 की औसत और 6.66 की इकॉनमी रेट से 76 विकेट लिए हैं, जिसमें 5/17 का सर्वश्रेष्ठ स्पेल भी शामिल है। अब पाकिस्तान के खिलाफ आठ अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 8 मैचों में 12.66 की औसत और 5/25 के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 18 विकेट लिए हैं। वहीं अक्षर ने इस मैच में दो विकेट लेकर आर अश्विन को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने 73 मैचों में 21.64 की औसत और 3/9 के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 74 विकेट लिए हैं। अक्षर ने इस मैच में अपने 200 अंतरराष्ट्रीय विकेट भी पूरे किए।

पाक के खिलाफ टी20 में जीत दिलाने वाले तीसरे कप्तान बने सूर्यकुमार

दुबई ।भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान . सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मुकाबले में जीत के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है।सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने पाक के खिलाफ पहले ही मैच में 7 विकेट से दूसरी जीत हासिल की है।इसी के साथ ही सूर्या पाकिस्तान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बन गए हैं।इस प्रकार वह रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी के एलीट क्लब में शामिल हो गये।सूर्यकुमार पाक के खिलाफ पहली बार टी20 में बतौर कप्तान उतरे थे। सूर्या से पहले दिग्गज कप्तान महेंद्र धोनी और रोहित की कप्तानी में भारत ने पाकिस्तान को हराया था।

पीसीबी ने आईसीसी से मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की, एशिया कप से हटने की धमकी दी

दुबई ।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एशिया कप में भारतीय टीम के खिलाफ हुए मैच के बाद मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट हो हटाने की मांग की है।पीसीबी ने कहा है कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो वह एशिया कप से हट जाएगी।पीसीबी ने मैच रैफरी पाइक्रॉफ्ट पर आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।पाक टीम को भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबले में सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा।इस मैच में भारतीय खिलाड़ियों ने पाक टीम से हाथ नहीं मिलाया था।इस कारण पाक टीम बौखलायी है।पाक बोर्ड ने इससे उसके खिलाड़ियों का अपमान बताया है। इस मामले में पहले तो पीसीबी ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट से ही भारतीय टीम की शिकायत की।वहीं अब उसी रैफरी को हटाने की मांग अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से शिकायत कर दी है।पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि पीसीबी ने मैच रेफरी की आईसीसी आचार संहिता उल्लंघन को लेकर में शिकायत दर्ज कराई है उसका आरोप है कि रैफरी ने दोनों कप्तानों को टॉस के समय हाथ न मिलाने के लिए कहा।

अगस्त महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए मोहम्मद सिराज

दुबई ।भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के लिए सोमवार को अगस्त महीने का आईसीसी का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। आयरलैंड की महिला खिलाड़ी ओर्ला प्रेंडरगैस्ट को भी सिराज के साथ महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारत ने यह मैच छह रन से जीत कर श्रृंखला बराबर कराई। इस भारतीय तेज गेंदबाज ने कहा, 'आईसीसी का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जाना मेरे लिए विशेष सम्मान की बात है। एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी एक यादगार श्रृंखला थी और यह उन सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक थी जिनका मैं हिस्सा रहा हूं।' सिराज ने कहा, 'मुझे गर्व है कि मैं कुछ महत्वपूर्ण स्पैल में योगदान दे सका, खासकर निर्णायक क्षणों में। शीर्ष बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ उनकी घरेलू परिस्थितियों में गेंदबाजी करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।'

भारतीय टीम के हाथ नहीं मिलाने से भड़का पीसीबी

–खेल भावना के खिलाफ बताया, आईसीसी से की शिकायत

हांगकांग (एजेंसी)। दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां हुए एशिया कप 2025 मैच में पाकिस्तान टीम को एकतरफा मुकाबले में सात विकेट से हराने के बाद उससे हाथ भी नहीं मिलाया जिससे पाक बोखलाया हुआ है। इस प्रकार भारतीय टीम ने पाक को एक कड़ा संदेश भी दिया है कि आतंकवाद सहन नहीं किया जाएगा। इस मैच के दौरान कई अवसरों पर पाक खिलाड़ियों ने हाथ मिलाने और खेल भावना दिखाने के प्रयास किये पर भारतीय टीम ने उसे अनदेखा कर दिया। इसी कारण टॉस के समय ही कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाक कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया। पूरे मैच में भारतीय खिलाड़ियों ने पाक से दूरी बनाये रखी। वहीं भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार और शिवम दुबे विजयी शॉट लगाकर पाक खिलाड़ियों को नजरअंदाज करते हुए बिना हाथ मिलाये ही सीधे सीधे ड्रेसिंग रूम की ओर बढ़ गए। इससे पाक खिलाड़ी उन्हें जीत के बाद वापस जाते हुए देखते रहे। इस मामले को पाक बोर्ड पीसीबी ने अपने खिलाड़ियों की बेइज्जती मानते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से भी शिकायत की है। पीसीबी के टीम मैनेजर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और भारतीय टीम के रवैये पर नाराजगी जतायी है। वहीं भारतीय टीम का इस प्रकार का व्यवहार स्वाभाविक था क्योंकि मैच से पहले ही टीम पाक की आतंक घटनाओं से रोष में थी पर उसने तय किया था कि पाक खिलाड़ियों से कोई हाथ नहीं मिलाएगा। यह कदम पहलगाम

आतंकी हमले में शहीदों को श्रद्धांजलि और पाकिस्तान को करारा जवाब देने के तौर पर लिया गया। मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार ने पत्रकार वार्ता में ये जीत ÷पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों÷ को समर्पित की और सशस्त्र बलों के ऑपरेशन सिंदूर के लिए आभार जताया। वहीं पाक के पूर्व क्रिकेटरों ने इस मामले में नाराजगी जतायी है। उसके पूर्व क्रिकेटरों बासित अली, कामरान अकमल और राशिद लतीफ ने भारतीय टीम के इस कदम को ÷क्रिकेट भावना के खिलाफ÷ बताया है। राशिद लतीफ ने कहा कि आईसीसी को ये मामला क्यों नहीं दिख रहा है। वहीं भारत में सभी ने टीम के इस रवैये को सही करार देते हुए कहा कि क्रिकेट खेलना अलग बात है पर आतंक घटनाओं में शामिल देश के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया जा सकता है।

सूर्यकुमार ने पहलगाम हमले के पीड़ितों और सेना को समर्पित की जीत

दुबई ।भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मिली जीत को सेना और पहलगाम हमले के पीड़ितों को समर्पित करते हुए कहा है कि हम पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं।इस मैच में भारतीय टीम के सामने पाकिस्तान टीम टिक नहीं पायी और उसे एकतरफा मुकाबले में करारी हार का सामना करना पड़ा।भारतीय स्पिनरों कुलदीप यादव ,अक्षर पटेल और वरूण चक्रवर्ती के सामने पाक के बल्लेबाज बेबस नजर आये और पूरी टीम नौ विकेट पर 127 रन ही बना पायी।वहीं इसके बाद भारतीय टीम ने 15.5 ओवर में ही जीत दर्ज कर ली।सूर्यकुमार ने छक्का लगाकर भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।अभिषेक शर्मा ने पाक टीम के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को जमकर पीटा और 12 गेंद में ही 31 रन बनाये। वहीं कप्तान सूर्यकुमार ने 37 गेंद में नाबाद 47 रन बनाये।सूर्यकुमार ने कहा, '' यह जीत सुखद अहसास है।मैं हमेशा कोशिश करता हूं कि अंत तक क्रीज पर बना रहूं और आज मैच समाप्त कर खुश हूं।उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ खेलना भी किसी अन्य प्रतिद्वंद्वी की तरह ही है।अंत में सूर्यकुमार ने कहा, ''हम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़े हैं।हम अपनी एकजुटता व्यक्त करते हैं और हम आज की जीत को पीड़ितों और सशस्त्र बलों को समर्पित करना चाहते हैं।

अब लिवरपूल की ओर से खेलेंगे फॉरवर्ड ह्यूगो

लंदन ।फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके अब फुटबॉल क्लब लिवरपूल की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे।प्रीमियर लीग विजेता लीवरपूल ने आइंट्राख्ट फ्रैंकफर्ट के स्ट्राइकर एकिटिके से करार किया है।यह सौदा करीब 79 मिलियन पाउंड में हुआ। लिवरपूल ने इस फैसले की घोषणा सोशल मीडिया पर की और कहा कि उसने फ्रैंकफर्ट के फॉरवर्ड एकिटिके के ट्रांसफर के लिए एक करार किया है। क्लब ने कहा कि एकिटिके मेडिकल टेस्ट में पास हो गये हैं और लिवरपूल के साथ व्यक्तिगत शर्तों पर भी वह तैयार हैं।अब वह इस सप्ताह के अंत में एशिया के प्री–सीजन दौरे पर हांगकांग जा सकेंगे। लिवरपूल के नए मैनेजर आर्ने स्लॉट के अनुसार ये चौथा बड़ा ट्रांसफर है। इससे पहले क्लब ने फ्लोरियन विट्‌र्ज को करीब 110 मिलियन पाउंड में खरीदा था। उनके अलावा डिफेंडर मिलोस केरकेज और जरेमी फ्रिमपोंग से भी करार किया। फ्रांसीसी फॉरवर्ड ह्यूगो एकिटिके, किसी भी पोजीशन पर खेल सकते हैं। उन्होंने पिछले सीजन में 48 मैचों में 22 गोल किए और एक दर्जन से अधिक गोलों में सहायोग दिया।लिवरपूल ने इस ट्रांसफर विंडो में अब तक 250 मिलियन पाउंड से ज्यादा खर्च कर दिए हैं। वहीं डार्विन नुनेज के भी क्लब छोड़ने की संभावना है। इसके अलावा फेडेरिको कियेसा को टीम के एशिया टूर के प्री–सीजन स्क्वाड में शामिल नहीं किया गया, जिससे यह संकेत मिलता है कि वह भी क्लब से बाहर जा सकते हैं। कुछ दिन पहले लिवरपूल ने यह ऐलान किया कि उन्होंने कई मजबूत दावेदारों को पीछे छोड़ते हुए एकिटिके के ट्रांसफर पर समझौता कर लिया है।सोमवार को क्लब की ओर से जारी बयान में कहा गया, रेड्स और जर्मन टीम ने एक ट्रांसफर डील की, जिसकी कीमत 6.9 करोड़ पाउंड और 1 करोड़ पाउंड अतिरिक्त होने की बात कही जा रही है। 23 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी एकिटिके मेडिकल जांच कराने और मैनेजर आर्ने स्लॉट की टीम के साथ लंबे समय के कॉन्ट्रैक्ट को अंतिम रूप देने के लिए मर्सीसाइड पहुंच गए। वहीं इससे पहले शनिवार को फ्रैंकफर्ट के प्री–सीजन मैत्री मैच में एकिटिके बेंच पर रहे और मैदान में नहीं उतरे, क्योंकि उनके भविष्य को लेकर बातचीत जारी थी।

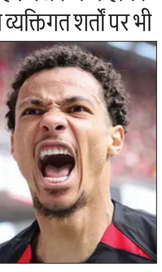

भारतीय टेनिस की मदद के लिए सिर्फ पद पर काबिज होना ही एकमात्र रास्ता नहीं है: सानिया

दुबई (एजेंसी)। राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के अनुसार देश के प्रत्येक खेल महासंघ की 15 सदस्यीय कार्यकारी समिति में चार महिलाओं का होना अनिवार्य है लेकिन दिग्गज खिलाड़ी सानिया मिर्जा का मानना ??है कि युवा प्रतिभाओं को तराशने में उनकी भूमिका अखिल भारतीय टेनिस संघ (ढ्ढञ्ज) में एक पद से कहीं अधिक है। खेलों में भारतीय महिलाओं के लिए पथ प्रदर्शक रहीं सानिया ने अपने दुबई स्थित आवास से पीटीआई से कई मुद्दों पर बात की जिनमें टेनिस में वेतन समानता से लेकर स्विट्जरलैंड के खिलाफ भारत की डेविस कप जीत शामिल रहीं जबकि उन्होंने 16 साल की माया राजेश्वरन रेवती की विशेष प्रतिभा पर भी बात की है।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह निकट भविष्य में खेल प्रशासन में दिखाई दे सकती हैं तो सानिया ने इसमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मदद करने के लिए उस शक्तिशाली पद पर होना ही एकमात्र तरीका है। ईमानदारी से कहूं तो मेरा यही जवाब है। अगर मुझे मौका मिले तो क्या मैं कर पाऊंगी, तो क्या मैं उस पद पर रहकर और योगदान दे पाऊंगी तो मैं ऐसा करना पसंद करूंगी। लेकिन क्या मैं इसका लक्ष्य बना रही हूं तो मेरा जवाब है, नहीं। क्योंकि यह मेरा लक्ष्य नहीं है।'

सानिया के लिए भारतीय टेनिस की अगली पीढ़ी के स्तर को बढ़ाने में मदद करने के लिए कोई पद पर बैठना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा, ''मेरा लक्ष्य युवा पीढ़ी के ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों और विशेषकर युवा लड़कियों की मदद करना है क्योंकि मुझे लगता है कि उनके पास ज्यादा आदर्श नहीं हैं जिनसे वे प्रेरणा ले सकें।' सानिया ने कहा, 'मैं अपने अनुभव साझा करना चाहती हूं। और अगर मुझे इसके लिए किसी तंत्र में शामिल होने का मौका मिलता है और इससे मुझे सिर्फ फोन पर बात करने या कोर्ट पर उनकी मदद करने या किसी भी तरह की अन्य चीज से ज्यादा मौके मिलते है तो मुझे ऐसा करने में खुशी होगी।' उन्होंने कहा, 'लेकिन मेरा फोकस इस पर नहीं है। यह मेरा लक्ष्य नहीं है।'

सानिया के बाद भारत में महिला टेनिस में कौन उभरती हुई प्रतिभा है , यह पूछने पर उन्होंने माया राजेश्वरन रेवती का नाम लिया । माया स्पेन में राफेल नडाल अकादमी में ट्रेनिंग लेती हैं। सानिया ने कहा, 'माया में काफी प्रतिभा है। मेरे बाद कौन आएगा, यह ऐसा सवाल है जिससे हम शायद पिछले 25 साल से जूझ रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'तो एक 15-16 साल की युवा खिलाड़ी को आगे बढ़ते हुए देखना और अपने आयु वर्ग के ऊपर वर्गों में भी अपनी पकड़ बनाए रखते हुए देखना अच्छा लगता है।'

एकल में पूर्व 27वें नंबर की खिलाड़ी सानिया ने स्विट्जरलैंड के खिलाफ डेविस कप मुकाबला जीतने के लिए भारतीय पुरुष टीम की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'डेविस कप टीम तारीफ की हकदार है जिसने यूरोप में शायद 31 या 32 साल बाद स्विट्जरलैंड को हराकर एक यूरोपीय टीम के खिलाफ पहली बार जीत हासिल की है। सुमित नागल ने अच्छा नेतृत्व किया और पिछले डेढ़ साल में एक तरह से शानदार वापसी की है।'

नागल के बारे में बात करते हुए सानिया ने कहा कि भारत का शीर्ष एकल खिलाड़ी अभी 28 साल का है। उन्होंने कहा, 'लेकिन यह खिलाड़ी अब उतना युवा नहीं है। ये खिलाड़ी

28, 29, 30 साल के हैं। और टेनिस के लिहाज से ये इतने युवा नहीं हैं। यही सच है। लेकिन सुमित ने पिछले कुछ सालों से अकेले ही अविश्वसनीय काम किया है और डेविस कप में भी जीत हासिल की है।'

जहां तक युवा दक्षिणेश्वर सुरेश की बात है तो सानिया अभी थोड़ा और इंतजार करना चाहती हैं। ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिताओं में पुरुषों और महिलाओं के लिए पुरस्कार राशि समान होती है लेकिन सानिया आने वाले दिनों में अन्य टूर्नामेंट के वेतन में और समानता देखना चाहती हैं। उन्होंने कहा, 'महिला और पुरुष टेनिस खिलाड़ी बराबर पैसा कमाते हैं, असल में यह एक मिथक है। हां, ग्रैंडस्लैम में दोनों बराबर पैसा कमाते हैं। लेकिन इसके अलावा शायद एक-दो टूर्नामेंट में ही ऐसा होता है। लेकिन ज्यादा टूर्नामेंट में ऐसा नहीं है।' सानिया ने कहा, 'मुझे लगता है कि आज के जमाने में बराबर इनामी राशि होना चर्चा का विषय भी नहीं होना चाहिए क्योंकि इसमें जो मेहनत लगती है, जो खर्च होता है, वह महिला और पुरुष दोनों के लिए एक जैसा है।'

वाहबिज दोराबजी ने बताया खुद का रिलेशनशिप स्टेटस

टीवी एक्ट्रेस वाहबिज दोराबजी का 2021 में एक्टर विवियन डीसेना से तलाक हुआ था। विवियन तो अपनी लाइफ में आगे बढ़ गए हैं, लेकिन उनकी पूर्व पत्नी वाहबिज दोराबजी का रिलेशनशिप स्टेटस क्या है, यह फैंस जानना चाहते हैं। हाल ही में अभिनेत्री वाहबिज दोराबजी ने इंटरव्यू में अपने रिलेशनशिप से लेकर करियर तक के बारे में खुलकर बातें की। इस दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें स्वाइप कल्चर से क्यों डर लगता है और वो लाइफ में अब कैसा पार्टनर चाहती हैं। जब वाहबिज दोराबजी से पूछा गया कि क्या वह सिंगल हैं, तो अभिनेत्री ने बताया कि वह इस समय किसी को डेट नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं खुद पर, अपने करियर पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं। रिश्तों के मामले में मैं बहुत पुराने जमाने की हूं। मैं 90 के दशक के प्यार में विश्वास करती हूं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति को चाहती हूं जो मेरे जीवन में कुछ अर्थ जोड़े, जो मेरे बराबर का हो, महत्वाकांक्षी हो, फिर भी परिवार के प्रति समर्पित हो।

स्वाइप कल्चर से डर लगता है

अपने करियर के बारे में बात करते हुए वाहबिज दोराबजी ने कहा, मैंने पहली बार प्यार की एक कहानी में अभिनय किया था, मुझे ठीक से साल भी याद नहीं, शायद यह 2011 के आसपास था। एक एक्ट्रेस के तौर पर, तब से मैं काफी आगे बढ़ी हूं। मजेदार बात यह है कि मैं कभी एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थी। मैं असल में एक मॉडल बनना चाहती थी। मैं पुणे वापस नहीं जाना चाहती थी। एक के बाद एक चीजें होती गईं और मैंने ऑडिशन देना शुरू कर दिया। बाकी तो इतिहास है। वह शो हुआ और मुझे एक्टिंग से प्यार हो गया। खुशकिस्मती से, वह सुपरहिट साबित हुआ और तब से मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। टीवी इंडस्ट्री के बिजी शेड्यूल पर भी उन्होंने बात की। वाहबिज दोराबजी ने अपनी राय रखते हुए कहा, टेलीविजन बहुत ही डिमांडिंग इंडस्ट्री है। जब आप इस दुनिया में आते हैं तो आपको पता होता है कि आप क्या करने जा रहे हैं। कभी-कभी प्रसारण का दबाव होता है और आप अपने प्रोडक्शन को कम नहीं कर सकते। लेकिन सच्चाई यह है कि हमारा शरीर इतना दबाव नहीं झेल पाता। मेरा मानना है कि आज की दुनिया को एक संतुलित और समग्र जीवनशैली की जरूरत है।

परदेस से किया डेब्यू और बदलना पड़ा नाम

महिमा चौधरी एक जानी-मानी भारतीय फिल्म अभिनेत्री और मॉडल हैं। उन्होंने 1997 में सुभाष घई की फिल्म 'परदेस' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, जिसमें उनके अभिनय और मासूमियत ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट डेब्यू अवार्ड भी मिला। महिमा का जन्म 13 सितंबर 1973 को दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल में हुआ था। फिल्मों में आने से पहले वे मॉडलिंग और विज्ञापनों में काम कर चुकी थीं। अपने करियर में उन्होंने 'दिल क्या करे', 'दाग - द फायर', 'कुरुक्षेत्र', 'लज्जा', और 'धड़कन' जैसी फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाईं।
पहली फिल्म से डेब्यू करने के लिए महिमा चौधरी को अपना नाम बदलना पड़ा था। महिमा का असली नाम रितु चौधरी है। रितु चौधरी से उनको महिमा चौधरी क्यों बनाना पड़ा, यह एक दिलचस्प किस्सा है।
हालांकि, पहले तो उन्हें नाम बदलने में कोई परहेज नहीं हुआ, लेकिन बाद में अभिनेत्री को इसका मलाल भी हुआ। इसे उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में जाहिर किया।
दरअसल, फिल्म परदेस के लिए सुभाष घई को नया चेहरा चाहिए था। सैकड़ों लड़कियों के ऑडिशन करने के बाद कोई पसंद नहीं आया। तब एक पार्टी में उनकी नजर रितु चौधरी पर पड़ी। पहली बार में उन्होंने फिल्म का ऑफर रितु को दे दिया। ब उन्हें सुभाष घई की फिल्म परदेस में मुख्य भूमिका के लिए चुना गया, तब सुभाष घई ने उनसे अपना नाम बदलने के लिए कहा। सुभाष घई का एक गहरा अंधविश्वास था कि जिन अभिनेत्रियों के नाम एम अक्षर से शुरू होते हैं, उनके साथ निर्देशक की फिल्में हिट होती हैं। उनसे पहले वो माधुरी दीक्षित और मीनाक्षी शेषाद्रि जैसी अभिनेत्रियों के साथ कई ब्लॉकबस्टर फिल्में बना चुके थे। इस अंधविश्वास को मानते हुए, उन्होंने रितु को अपना नाम बदलकर महिमा रखने का सुझाव दिया। अपनी पहली फिल्म में सफलता की उम्मीद में रितु ने इस बात को मान लिया। उनका यह फैसला उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। फिल्म परदेस एक बड़ी हिट रही और महिमा रातों रात एक सुपरस्टार बन गईं। हालांकि, बाद में एक इंटरव्यू में महिमा चौधरी ने इस नाम परिवर्तन के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अपने करियर के लिए अपना नाम बदलना उनके लिए एक मुश्किल फैसला था। वह कहती हैं कि कई सालों तक उन्हें महिमा के नाम से जाना गया, लेकिन बाद में उन्होंने महसूस किया कि उन्हें अपने असली नाम रितु से ज्यादा जुड़ाव है।

तबु ने शुरू की अपनी आने वाली पैन इंडिया फिल्म की शूटिंग

तबु ने अपनी अगली बड़ी साउथ फिल्म के कमर कस ली है। उन्होंने इस साउथ फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। यह एक पैन इंडिया फिल्म है। यह फिल्म मशहूर निर्देशक पुरी जगन्नाथ की है, जिसमें विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में हैं। तबु ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर कर दी है। उन्होंने इसे साउथ का धमाका बताया। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी। इस फिल्म में विजय और तबु के अलावा संयुक्ता और विजय कुमार भी दिखाई देंगे। तबु इस फिल्म में एक दमदार खलनायक की भूमिका में दिख सकती हैं। तबु इससे पहले मकबूल और अंधाधुन जैसी फिल्मों में भी नकारात्मक भूमिकाएं निभा चुकी हैं। कथित तौर पर इस फिल्म में भी उनका किरदार कुछ खास होने की उम्मीद है। फिल्म का निर्माण पुरी कनेक्ट्स के बैनर तले हो रहा है। इसे चार्मी कौर, जेबी मोशन पिक्चर्स और जेबी नारायण राव कोंड्रोला प्रस्तुत कर रहे हैं। इस फिल्म में विजय बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आएंगे। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

एसीपी यशवर्धन के किरदार में लौटेंगे जॉन

अभिनेता जॉन अब्राहम पिछली बार तेहरान में नजर आए थे। इससे पहले आई उनकी फिल्म द डिप्लोमैट को भी दर्शकों ने सराहा था। अब जॉन एक तरफ जहां रोहित शेट्टी की अगली फिल्म को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं, वहीं उनकी नई फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। मीडिया के मुताबिक... जॉन अपनी एक्शन फ्रेंचाइज फोर्स को आगे बढ़ाते हुए फोर्स 3 ला रहे हैं। 2011 में आई फोर्स में उन्होंने एसीपी यशवर्धन सिंह का किरदार निभाया था। निशिकांत कामत के निर्देशन में बनी यह फिल्म हिट रही थी। इसमें जेनेलिया डिसूजा पूजा और राज बब्बर भी अहम भूमिका में थे। इसके बाद 2016 में जॉन ने सोनाक्षी सिन्हा के साथ फोर्स 2 की, हालांकि यह बॉक्स ऑफिस पर असफल रही। अब करीब 9 साल बाद जॉन फोर्स 3 लेकर आ रहे हैं। साल 2023 में उन्होंने निर्माता विपुल शाह से फ्रेंचाइज के राइट्स वापस खरीदे थे। अब इस साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग शुरू होगी।

ऋषभ शेट्टी की कंतारा - चैप्टर 1 से जुड़े दिलजीत दोसांझ

दिलजीत दोसांझ ने ऋषभ शेट्टी के साथ उनकी आगामी फिल्म कंतारा- चैप्टर 1 के लिए एक खास गाने की रिकॉर्डिंग की है। जिसे दिलजीत ने मुंबई के वाईआरएफ स्टूडियो में पूरा किया है। लजीत दोसांझ ने इंस्टाग्राम पर ऋक्ष शेट्टी के साथ एक खास वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा, बड़े भाई ऋषभ शेट्टी को सलाम.. जिन्होंने कंतारा बनाई। इस फिल्म के साथ मेरा एक पर्सनल संबंध है, जिसे मैं बता नहीं सकता.. लेकिन मुझे याद है जब मैं सिनेमाघरों में देख रहा था.. आखिर में जब वराह रूपम गाना बजा तो मैं बहुत खुशी से रोया था..अब कंतारा चैप्टर 1, 2 अक्टूबर को आ रही है, इसे सिनेमाघरों में देखने का इंतजार नहीं कर सकता। आगे दिलजीत ने संगीतकार बी अजनीश लोकनाथ के लिए लिखा, सर आपका बहुत बहुत धन्यवाद.. कल आपसे बहुत कुछ सीखा।

दिलजीत की पोस्ट पर ऋषभ का जवाब

साउथ एक्टर ऋषभ शेट्टी ने दिलजीत दोसांझ की इस पोस्ट पर जवाब देते हुए लिखा, दिलजीत के साथ कंतारा के गाने के लिए काम करके बहुत खुशी हुई। शिव की कृपा से सब कुछ अच्छा हुआ। ढेर सारा प्यार। एक और शिव भक्त कंतारा से मिला।

नकुल मेहता ने खुद को बताया भाग्यशाली

लोकप्रिय टीवी अभिनेता नकुल मेहता ने आज सोशल मीडिया डू यू वाना पार्टनर में अपने को-स्टार्स को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ ही नकुल ने अपने फैंस से एक खास गुजारिश भी की है। उन्होंने दर्शकों से शो देखने की अपील की और वादा किया कि वे उनके समय को महत्व देंगे। उन्होंने लिखा, वे इस शो में कई प्रतिभाशाली महिलाओं और पुरुषों के साथ काम करके खुद को भाग्यशाली मानते हैं। नकुल ने अपने सह-कलाकारों की तारीफ की और कहा कि उनके साथ काम करना शानदार अनुभव रहा। नकुल ने आगे लिखा, मुझे आपके साथ यह साझा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मेरे पास एक बिल्कुल नई ओरिजिनल सीरीज है, जिसका प्रीमियर आज से हो रहा है। क्या आप पार्टनर बनना चाहते हैं।

फैंस से की गुजारिश

नकुल ने फैंस से डू यू वाना पार्टनर को देखने की गुजारिश की और साथ ही लिखा, मैं आपके समय को कभी हल्के में नहीं लूंगा, लेकिन अगर आप इसे पूरा देख लेते हैं, तो मैं वादा करता हूं कि यह मुझे बहुत खुश कर देगा। अगर आपको यह पसंद आया, तो हमें बताएं। बॉबी और नकुल को।

डू यू वाना पार्टनर के बारे में

डू यू वाना पार्टनर एक कॉमेडी ड्रामा सीरीज है। इसे कॉलिन डी कुन्हा और अर्चित कुमार ने निर्देशित किया है। इसमें नकुल मेहता के अलावा तमन्ना भाटिया, डायना पेंटी, जावेद जाफरी, नीरज काबी, श्वेता तिवारी, रणविजय सिंह, सूफी मोतीवाला और इंद्रनील सेनगुप्ता जैसे कलाकार हैं। यह शो दो दोस्तों की कहानी है, जो पुरुष-प्रधान उद्योग में एक क्राफ्ट बियर स्टार्टअप शुरू करते हैं। इस शो का प्रीमियर आज 12 सितंबर 2025 को ओटीटी पर रिलीज हुआ है।

मेरा संघर्ष इम्पोर्टेड गाड़ी में है, महंगे कपड़े पहनकर भी स्ट्रगल कर रहा हूं

नील नितिन मुकेश पिछले दो दशक से इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। उनका मानना है कि अच्छी भूमिकाओं और लगातार काम मिलने का उनका संघर्ष आज भी जारी है, मगर वे हार मानने वालों में से नहीं हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म एक चतुर नार से।

आपने पिछली बार कहा इंडस्ट्री की टॉक्सिसिटी पर भी बात की थी, आपको लगता कि खुद के लिए स्टैंड लेने के बाद आपको अच्छी भूमिकाएं मिल रही हैं?

देखिए, मैं डरने वालों में से नहीं हूं। पिछले बीस सालों से मैं काम किए जा रहा हूं, संघर्ष किए जा रहा हूं, तो ये तो मुझे कास्ट करने वाले निर्देशकों पर निर्भर करता है कि वे मुझे लें। मगर आज फिल्म मेकिंग बहुत बदल गया है। एक तरह से सेटिंग-सी हो गई है। मैं शिकायत नहीं कर रहा। मुझ में अभी भी जूझने की क्षमता है और मैं खुद को प्रतिभावान मानता हूं। मैं कई राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशकों के साथ काम कर चुका हूं, मगर मेरे मन में सवाल उठता है कि मैं खुद को कब तक साबित करता रहूं। मेरे पास वो

बैकिंग नहीं है, जहां पांच फिल्में फ्लॉप होने के बावजूद मुझे मेन लीड मिले। मुझे बहुत मेहनत करनी पड़ती है। मेरी 6 साल की छोटी बेटी है, मुझे उसकी परवरिश करनी है। घर पर मेरे माता-पिता और पत्नी भी है, तो अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को उठाने ले लिए मुझे कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मैं मेहनत से नहीं डरता, बस भगवान मेरा साथ दें, इंडस्ट्री दे जो कि कहीं न कहीं इंडस्ट्री करती है।

आपने कभी करियर या जीवन में शॉर्टकट अपनाया है?

नहीं, शॉर्टकट अपनाया होता, तो मेरे संघर्ष की इतनी लंबी-लंबी कहानियां न कही जा रही होतीं। बहुत अच्छा लगता है, जब आप अपनी स्ट्रगल स्टोरीज सुनाते हैं, मगर मैं जहां से आता हूं, जैसे मेरे दादाजी (गायक मुकेश), पिताजी (गायक नितिन मुकेश) उनकी कहानियां असल संघर्ष की हैं। उनके संघर्ष का ग्लोरिफाइड वर्जन है। मेरा संघर्ष अब भी इम्पोर्टेड गाड़ी में है। मैं महंगे कपड़े पहनकर फिर भी अपने संघर्ष का ढिंढोरा पीट रहा हूं। मुझे नहीं लगता कि शॉर्टकट किसी भी तरह के संघर्ष को कम कर सकता है। जब आपका समय आएगा, तब कहीं न कहीं आपकी मेहनत भी चमक जाती है। मैं भी फिल्म लिखता हूं, उनका निर्माण करता हूं और कास्टिंग के समय मुझसे भी पूछा जाता है कि फलां एक्टर के साथ कोई बड़ा सरनेम जुड़ा हुआ है या नहीं? आपको इससे क्या फर्क पड़ता है, सरनेम क्या है? आप उस कलाकार की प्रतिभा पर शक कर रहे हैं।

आपने अपने करियर की शुरुआत ही ग्रे शेड वाली भूमिका से की थी, एक चतुर नार में आपका ये रोल आपकी पिछली नेगेटिव भूमिकाओं से कितना अलग है?

जब भी मैं किसी फिल्म में अपना किरदार निभाता हूं, तो मेरी कोशिश यही रहती है कि मैं उसे ह्यूमन टच दूं। अब इस फिल्म में मेरा जो किरदार है, वो हालत का मारा है। हमारी फिल्म का विषय में काफी रेलेवेंट है। हम लोग बहुत कम समय में बहुत कुछ हासिल करना चाह रहे हैं, संघर्ष और मेहनत किसी को करनी ही नहीं है। इस नजरिए से देखा जाए, तो यह किरदार पाने हिसाब से कुछ गलत नहीं कर रहा। मेरे चरित्र में कई शेड्स हैं, जिसे प्ले करते हुए मुझे काफी मजा आया, क्योंकि यह एक मानवीय चरित्र होने के साथ -साथ कॉमिक भी है।

सोशल मीडिया को लोगों तक पहुंचाने का जरिया मानता हूं

मैं सोशल मीडिया को लोगों तक अपने काम को पहुंचाने का जरिया मानता हूं। कई इसे लोगों से मिलता हूं, जिनके लिए मुझसे मिलना एक सपना है, मगर कई बार मैं गालियां भी खाता हूं कि ये तो फ्लॉप एक्टर है। जितना मैं इसे मजबूत मानता हूं, उतना कई बार मुझे ये भी लगता है कि इसका ओवरयूज हो रहा है। जैसे हर सोशल मीडिया में हैंडल लेकर चलने वाला समझता है कि मैं भी क्रिटिक बन जाऊं और फिल्म की आलोचना शुरू कर दूं। जो सीनियर क्रिटिक हैं, जिनको सिनेमा की समझ है, उनकी आलोचना समझ में आती है, मगर का कल का आया हुआ बंदा कह दे, महा बकवास वो बात समझ में नहीं आती।

महिलाओं

की इन बातों में दखलंदाजी पुरुषों को बिल्कुल नहीं पसंद

पुरुषों और महिलाओं का नेचर एक दुसरे से बिल्कुल डिफरेंट होता है। उनके सोचने, बात करने, उन्हें देखने से ही मिजाज का पता लग जाता है कि उनका मूड किस तरह का है। एक तरफ जहां उन्हें प्यार, सरप्राइज, फेवरेट डिश खिलाकर उनका दिल जीता जा सकता है वहीं दूसरी ओर उन पर बेवजह की रोक-टोक, शक, गुस्सा करके आप उनके गुस्से की वजह भी बन सकती हैं। आपकी ये बाते बेवजह कलेश का कारण बन सकती हैं इन सभी बातों के इलावा भी महिलाऔं की कई एसी आदते होती हैं जो कि पुरूषों को बिल्कुल नहीं पसंद आतीं। एक्स से तुलना करना इस बात को हमेशा याद रखें कि आपके ब्वॉयफ्रेंड को आपके एक्स के बारे में जानने में कोई दिलचस्पी नहीं और न ही वो ये पसंद करेंगे कि आप हर चीज में उनकी तुलना अपने एक्स से करें। किसी दूसरे की तारीफ सुनना

महिलाएं अपने ब्वॉयफ्रेंड या पति से किसी दूसरी महिला के बारे में सुनना बिल्कुल भी पसंद नहीं करतीं जब तक वो उनकी कोई बहुत ही खास न हो।

लापरवाही करना

पुरुषों को महिलाओं की इस बात से सबसे ज्यादा उबन होती है। जब वो परेशान होती हैं, उनकी तबियत खराब होती है या कुछ कहने की कोशिश कर रही होती हैं लेकिन इस बारे में डायरेक्टली पूछने पर अक्सर वो 'नहीं, कुछ नहीं', ' मैं बिल्कुल ठीक हूं।' जैसे जवाब देकर टाल जाती हैं।

शादी और बच्चे की प्लानिंग

पुरुषों से एक ही सवाल बार-बार पूछना उनकी खीझ को बढ़ावा देता है। शादी और बच्चों के बारे में बातें करना उन्हें बिल्कुल भी पसंद नहीं होता। तो बेहतर होगा अगर आप किसी रिलेशनशिप में हैं तो इन टॉपिक्स को छेड़ने से पहले उनके मूड को भाप लें।

स्पेस छीनने की कोशिश

पुरुष रिलेशनशिप हो, शादी हो या बच्चों की जिम्मेदारी सबको एक साथ लेकर चलने के लिए उन्हें वक्त के साथ ही स्पेस चाहिए होता है जिसमें वो किसी की दखलंदाजी पसंद नहीं करते। इसलिए जब वो आराम से बैठे हो तो उन्हें परेशान न ही करना बेहतर होगा।

फैमिली को लेकर कमेंट

पुरुषों की गुड लिस्ट में शामिल होना है तो भूलकर भी उनकी मां, उनके भाई-बहन यहां तक कि उनके पेट्स को लेकर भी किसी तरह का कोई कमेंट न करें। उनके साथ जितना घुल-मिल कर रहने की कोशिश करेंगी उतना ही उन्हें अच्छा लगेगा।

कामकाजी महिलाओं का 'सपोर्ट सिस्टम'

लंच टाइम में विभा को चुप-चुप-सा देखकर सभी ने उसकी उदासी का कारण पूछा। विभा के घर में उसकी नौकरी को लेकर तनातनी चलती रहती थी। सास नहीं चाहती थी कि विभा नौकरी करे, मगर विभा अपनी योग्यता और अनुभव को यूँ ही नहीं बेकार जाने नहीं देना चाहती थी। सभी महिलाओं ने उसकी समस्या को सुना, समझा और जरा-सी देर में विभा के पास सुझावों का ढेर मौजूद था।

साथी महिलाओं की सलाह पर अमल कर विभा ने अपनी गलतियों को भी दुरुस्त किया और आखिरकार सासू माँ को मना ही लिया। अंजू को खाना बनाना नहीं आता था, और शादी हुई ऐसे व्यक्ति से, जो खाने का भयंकर शौकीन... अंजू की तो जान पर बन आई। उसने अपनी समस्या अपने दफ्तर की सहेलियों को बताई और चुटकी बजाते ही उसके पास हाजिर थीं ढेरों रेसिपीज...। यही नहीं, उसकी सहेलियों ने उसे घर बुलाकर कई डिशेज बनाना भी सिखाया।

प्रकृति ने स्वभाववश ही नारी को स्नेह, करुणा, संवेदना, सहिष्णुता सामंजस्य आदि गुणों से सँवारा है और आज नारी केवल घर में ही नहीं, बाहरी दुनिया में भी इसी अजस्त्र प्रेम की धार बहाती नजर आती है। सीमा की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह बेटे को इंजीनियरिंग की कोचिंग करवाना चाहती थी, मगर रुपयों का इंतजाम नहीं हो पा रहा था। एक दिन परेशान हालत में उसके अपने दफ्तर में इसका उल्लेख किया और उसकी समस्या झट से सुलझ गई। उसकी सहेलियों ने उसके लिए रकम का इंतजाम कर दिया जिसे बाद में किस्तों में सीमा ने लौटा भी दिया।

तेजी से बदले आर्थिक समीकरणों ने नारी को दहलीज के बाहर कदम रखने को प्रेरित किया और घर के हर व्यवहार को चुस्त-दुरुस्त रखते हुए नारी ने बाहरी दुनिया के कार्य व्यवहार जमाने में भी उतनी ही दक्षता का परिचय दिया।

प्रकृति ने स्वभाववश ही नारी को स्नेह, करुणा, संवेदना, सहिष्णुता सामंजस्य आदि गुणों से सँवारा है और आज नारी केवल घर में ही नहीं, बाहरी दुनिया में भी इसी अजस्त्र प्रेम की धार बहाती नजर आती है। घर में कोई त्योहार हो तो विशेष पकवान केवल घर के लिए ही नहीं, दफ्तर के संगी-साथियों के लिए भी विशेष रूप से बनाए जाते हैं और उन्हें उसी स्नेह के साथ खिलाया भी जाता है।

दफ्तर में किसी एक की समस्या सारे समूह की समस्या बन जाती है और सारा समूह सिर जोड़कर उसे हल करने में जुट जाता है। कहा जाए तो पुरुषों की तुलना में नारी ने यहाँ भी अपनी गुणवत्ता सिद्ध की है। पुरुष स्वभावत: कम बोलने वाले और संकोची होते हैं। उस पर किसी को अपनी समस्याएँ बताना? उनका अहं हमेशा आड़े आ जाता है और सालों का साथ भी दफ्तर के कर्मचारियों में वह लगाव पैदा नहीं कर पाता।

सीधे शब्दों में कहा जाए तो पुरुष अवसर का उपयोग नहीं कर पाते व समूह का फायदा भी नहीं ले पाते। बनिस्बत इसके नारी थोड़े-से ही समय में न केवल आपस में स्नेह बंधन बुन लेती है, वरन विविध दिमागों में तैरते विविध विचारों का फायदा भी उठा लेती है।

अक्सर यह सोचा जाता है कि जब ये महिलाएँ बातें करती हैं तो या तो वे घर-परिवार की बुराई करती हैं या फिर साड़ी-गहनों की बातें..., मगर यह बिलकुल गलत है...। एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत पूनम बोली... यहाँ आकर मैंने कितनी ही नई बातें सीखीं। वे बातें आचार-व्यवहार से लेकर पढ़ाई तक हर तरह की है। मैंने तो अपनी बीएड की डिग्री अपनी सहेलियों की मदद से ही ली है।

गर्भावस्था के दौरान खूब खाएं अखरोट, अनेको हैं फायदे

अखरोट ऊर्जा का बेहतर स्त्रोत है। साथ ही इसमें शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व, मिनरल्स, एंटीआक्सीडैंट्स, ओमेगा -3 फैटी एसिड और विटामिन्स प्रचुर मात्रा में मौजूद होते हैं जो मां और उसके अजन्मे बच्चे के लिए बहुत लाभकारी होता है।

गर्भवस्था के समय महिलाओं को अपने स्वास्थ का बहुत ध्यान रखना चाहिए, साथ ही अपने खान पान का भी। याद रहे जो आप खायेंगी वह सब आपके बच्चे तक पहुंचेगा। इसलिए अगर मां अच्छा और स्वास्थवर्धक भोजन खायेगी तो बच्चा भी अच्छे से बड़ा होगा।

गर्भवती महिलाओं के फैटी एसिड वाली चीज़ें जैसे कि अखरोट खाने से उनके होने वाले बच्चे को फूड एलर्जी का जोखिम कम होता है। इसे खाने से बच्चे की ग्रोथ के लिए आवश्यवक तत्व भी मिल जाते हैं।

आज हम आपको अखरोट की ऐसी ही कुछ खूबियां बताने जा रहें है:

उच्च रक्तचाप कम करता है

गर्भावस्था के दौरान अखरोट खाने से कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने से उच्च रक्तचाप को कम करने में मदद मिलती है। यह शरीर में बुरे फैट को कम कर अच्छे फैट की मात्रा बढ़ता है।

बच्चे के सही विकास के लिए अखरोट में मौजूद कॉपर भ्रूण के सामान्य विकास के लिए आवश्यक है। अखरोट में मौजूद फैटी एसिड (अल्फा-लिनोलेनिक एसिड) बच्चे के दांतों और हड्डियों के विकास में मदद करता है।

मां की इम्युनिटी बढ़ाता है यह बहुत जरुरी है कि मां बनने वाली महिलाएं भी अपना ध्यान रखें। जिससे वो किसी भी इन्फेक्शन की शिकार ना हों, और इसके लिए उन्हें चाहिए कि उनकी इम्युनिटी मजबूत हो। अखरोट में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ई, पॉलीफिनॉल, और कॉपर यह होने वाली मां की इम्युनिटी बढाती है।

ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता है अखरोट गर्भावस्था के दौरान शरीर के आंतरिक सूजन को कम करने में मदद करता है साथ ही ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ता है। इससे बच्चे तक ज्यादा खून पहुचता है जिससे उसे मां के शरीर में ज्यादा ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुँचते हैं।

वजन को नियंत्रित करे अखरोट प्रोटीन और फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है जिससे आप ज्यादा खाना नहीं खाती हैं। अखरोट खाने से आप जंक फ़ूड खाने से दूर रहती हैं जिससे आप मधुमेह से भी बची रहती हैं।

अच्छी नींद के लिए गर्भावस्था के दौरान अखरोट खाने से आपको अच्छी नींद आएगी। अखरोट खाने से गर्भवती महिलाओं में मेलाटोनिन नाम का हार्मोन बनता है जिससे उन्हें अच्छी नींद आती है।

मेहनत पहचान है मेरी

मध्यम वर्ग की कामकाजी महिलाएं अपना सपोर्ट सिस्टम बनाने के लिए कितना कुछ खर्च कर देती हैं। बच्चे के रखरखाव के लिए फुल टाइम मेड रखना बहुत मंहगा है। बच्चे को क्रेच छोड़ना भी अच्छी खासी मशक्कत है। उसे लाना ले जाना तो भारी पड़ता ही है। इस सेवा का भुगतान करना भी कोई कम मंहगा नहीं। उस पर ट्यूशन का भी खर्च है। इसके साथ ही कपड़ों की धुलाई, ट्रांसपोर्ट और अन्य ढेर सारे खर्चे ऐसे हैं जिन्हें महिलाएं घर में रहने पर बचा सकती हैं। फिर अपनी मेंटीनेंस भी तो है। बाहर निकलने के लिए अच्छे कपड़े, फुटवियर और कॉस्मेटिक्स भी चाहिए। जितनी तनख्वाह है कमोबेश बाहर आने की लागत में ही खर्च हो जाती है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि वे अपनी भागदौड़ किसलिए बनाए हुए हैं? ऐसी कोई संतुष्टि तो है जो उन्हें इतना कुछ करने का हौसला देती है। दुनियाभर की मुश्किलों का सामना करने का साहस देती है।

बढ़ जाती है अहमियत

एक सैटिसफैक्शन है कि सोसाइटी को कुछ दे रहे हैं। बारह महीने में अगर 120 बच्चों को भी अच्छी तरह से पढ़ा दूं तो लगता है कि कुछ प्राप्त किया है। बेहतर समाज के निर्माण में कोई भूमिका निभाई है। कहती हैं अध्यापिका सरिता दास। वह ग्यारह साल तक हाउसवाइफ रहीं, सभी कुछ ठीक था, लेकिन अपनी पहचान बनाने और समाज को अपनी सेवाएं देने के उद्देश्य से उन्होंने आखिर जॉब करने की ठान ली। वह मानती हैं कि जब घर में थीं तब भी उनका खर्चा अच्छा चलता था और बाहर निकलने पर अब उनके खर्चे बढ़ गए हैं, लेकिन अपनी जिंदगी में आए बदलावों से वह खुश हैं। वह कहती हैं, मैंने देर से नौकरी शुरू की। जब बच्चा चार साल का हो गया तब। जॉब करने के बाद मुझे ऐसा लगा जैसे मेरी अहमियत बढ़ गई है।

समाज में हाउसवाइफ को इतनी इज्जत नहीं मिलती जितनी मिलनी चाहिए। दूसरे, अब मेरे पास गॉसिप्स के लिए टाइम ही नहीं है। घर में किचकिच, पति से आरग्यूमेंट और इनलॉज के साथ बहस करने का तो अब समय ही नहीं होता। काम करने का सैटिसफैक्शन भी है और घर में शांति का सुकून भी।

अपनी आइडेंटिटी के लिए

सरिता दास के बेटे ने फोटोग्राफी को अपना प्रोफेशन चुना है। बेटे के कैमरे और अन्य सामानों पर उन्हें लाखों खर्च करना पड़ा। इस खर्च को वह मैनेज कर पाई, कहीं से लोन नहीं लेना पड़ा, इसकी खुशी है उन्हें। बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलवाना हर माता-पिता की ख्वाहिश होती है। आमतौर पर घर के लाइफस्टाइल में बदलाव लाने और बच्चों के लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं जुटाना भी महिलाओं की जॉब का सबब बनता है। इसके लिए उन्हें कई तकलीफों का सामना करना पड़ता है, खर्चा भी बढ़ता है, लेकिन वे अपनी जॉब को रेगुलर रखती हैं। हां, जब उन्हें लगता है कि नन्हें बचे को उनकी ज्यादा जरूरत है तो वे ब्रेक लेने से भी परहेज नहीं करतीं। पुणे की एक कंपनी की रिक्रूटमेंट स्पेशलिस्ट ऋचा पटनायक कहती हैं, मुझे अपने छोटे बच्चे को क्रेच में छोड़ना पड़ता था। पास में कोई फैमिली मेंबर नहीं था उसकी देखभाल के लिए। बच्चे की मुश्किलें देखकर मुझे जॉब छोड़नी पड़ी, लेकिन घर पर मुझे अपनी जिंदगी अनार्थक लगने लगी। मुझे महसूस होने लगा कि ज्यादा अर्न करेंगे तभी तो ब%चे को अच्छी शिक्षा दिलवा सकेंगे। उन्हें अच्छे स्तर की परवरिश दे सकेंगे। जब दिल्ली से मम्मी मेरे पास रहने के लिए आ गई, तब फिर से मैने नौकरी जॉएन कर ली। नो डाउट मुश्किलें बहुत हैं, लेकिन अपनी आइडेंटिटी भी तो है, जो दिल को खुशी देती है।

आर्थिक आजादी है मुद्दा

आर्थिक आजादी की चाहत भी महिलाओं को घर से बाहर निकलकर नौकरी के विकल्प ढूंढ़ने के लिए प्रेरित करती है। एक मार्केट रिसर्च फर्म के मुताबिक शहरी महिलाओं की आमदनी में वृद्धि हुई है। यह तकरीबन दोगुनी हो गई है। रिसर्च के मुताबिक इस बदलाव का सीधा असर महिलाओं की हैसियत और घर के रखरखाव पर पड़ता दिख रहा है। महिलाएं अब पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आत्मविश्वास से खरीददारी करती हैं। उनकी खरीददारी महज अपने लिए नहीं, परिवार की जरूरतें पूरी करने के लिए भी होती है। समझदारी से खर्च करने का यह गुण भी उनमें पुरुषों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। सरिता कहती भी हैं, जॉब में आने के बाद इकोनॉमिक इंडिपेंडेंस तो आई ही है। पहले हर छोटी से छोटी चीज के लिए पति से पैसे मांगने पड़ते थे। छोटी-छोटी बात के लिए भी पूछना पड़ता था। अब खुद भी खरीद सकती हूं। कुछ ऐसा ही ऋचा भी कहती हैं, खर्चे बढ़े हैं तो माइनस-प्लस करेंगे, लेकिन जॉब करते हैं तो हाथ खुला रहता है। जब मन करे तब जो चाहो खरीद लो।